फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 113 प्रभात जयपुर, मंगलवार 24 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



**MCGS - My Home Away From Home**

My friends teased me that I had reached the "dark side" and would one day discover a new element, Rathorium

**A Shakespeare Called Bhikhari Thakur**

**The Silver Pendants That Became A Bank Account**

# पिछले सप्ताह का खलनायक, इस सप्ताह का नायक बना

## गत सप्ताह जेनसेन हुआंग को खलनायक घोषित करके, उनका इस्तीफा स्वीकार किया था एनवीडिया कम्पनी के निदेशक मण्डल ने, तथा संकेत दिये थे, कि हुआंग की अब एनवीडिया में वापसी कभी नहीं हो सकेगी

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, इस सप्ताह हुआंग को कम्पनी के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स ने वापस बुलाकर, पुनः सीईओ नियुक्त किया।
- हुआंग का करिश्मा इतना है, कि जैसे ही उनकी, कम्पनी के सीईओ पद पर पुनः नियुक्ति की चर्चा फैलने लगी, एनवीडिया कम्पनी के शेयर्स की कीमत बढ़ने लगी, तथा ट्रेडिंग के प्रथम दिन के सत्र के अवसान तक, शेयर्स की कीमत में 30 प्रतिशत का इज़ाफा हो गया था।
- राष्ट्रपति ट्रंप ने भी हुआंग की वापसी का सार्वजनिक रुप से स्वागत किया।
- जैसा कि विदित ही है, हुआंग के, चीन के ओर से गुप्तचरी करने वाली एलिस हुआंग से प्रेम सम्बंध होने की खबर के कारण हुआंग ने एनवीडिया के सीईओ के पद से इस्तीफा दिया था।

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। यह सबसे बड़ा आश्चर्य है। पिछले सप्ताह जो व्यक्ति विलेन था, वही इस सप्ताह हीरो बन गया है।

दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग ने गंभीर गड़बड़ियों के आरोपों के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन अब कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स ने उन्हें फिर से उनके पद पर बहाल कर दिया है। इससे पहले, बोर्ड ने खुद संकेत दिया था कि जेनसन हुआंग की वापसी की कोई संभावना नहीं है।

जेनसन हुआंग का करिश्मा इतना जबरदस्त था कि जैसे ही एनवीडिया में उनकी वापसी की खबर सामने आई, कंपनी के शेयरों में तेजी आने लगी। पहले ट्रेडिंग सैशन के अंत तक, एनवीडिया के शेयरों में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई। अमेरिका के कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशल इंटैलिजैंस) उद्योग में जेनसन की वापसी का जश्न मनाया जा रहा है।

नए सप्ताह के पहले ही दिन कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स ने जेनसन हुआंग को वापस बुलाकर उन्हें फिर से कंपनी का सीईओ नियुक्त कर दिया। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इस खबर पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह सही फैसला है। उन्होंने कहा, "वे वापस वहीं आ गए हैं, जहां उन्हें होना चाहिए।"

सच्चाई तो यह है कि जेनसन हुआंग का पुनर्वास इतनी जल्दी नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# यूपी पर सपा - कांग्रेस की पहली बैठक 15 मिनट ही चली

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 नवंबर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में साथ मिलकर मुकाबला करने की रणनीति तय करने

- सपा ने कहा, उम्मीदवार की जीतने की संभावना ही सीट बंटवारे का एकमात्र आधार।

के लिए सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं के बीच हुई पहली औपचारिक बैठक महज 15 मिनट चली। बैठक के बाद समाजवादी पार्टी ने कोई ठोस जानकारी नहीं दी। पार्टी ने सिर्फ इतना कहा कि सीटों के बंटवारे की बातचीत में उम्मीदवारों की जीतने की संभावना ही एकमात्र आधार होगी।

यह बैठक कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई। इसमें दोनों दलों के चार-चार नेताओं ने हिस्सा लिया। दोनों दलों के नेता मंगलवार को फिर बैठक करेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने कहा कि दोनों दलों के नेताओं के बीच बेहद सकारात्मक माहौल में बातचीत हुई और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# यूपी में सीट - शेयरिंग पर आज पुनः बैठक

## अभी तक यह नीतिगत निर्णय लिया जा चुका है कि गांधी परिवार के प्रभाव क्षेत्र, अमेठी व रायबरेली तथा सपा का मजबूती वाला इलाका, मैनपुरी व इटावा को नहीं छेड़ा जायेगा, बंटवारे के तहत

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- सपा ने कांग्रेस को सीटों की "ए-क्लास" लिस्ट में से लगभग 55-60 सीटें देने का मन बनाया है। मंगलवार को प्रस्तावित "फॉलो-अप" मिटिंग में सीट दर सीट, चर्चा होगी, तथा मतभेद और खत्म होने की आशा है, दोनों पक्षों को।
- यह भी संभावना व्यक्त की जा रही है, कि कांग्रेस को आवंटित कई सीटों पर, रजामंदी से सपा के समर्थक खड़े किये जा सकते हैं।
- इस लचीली रणनीति से, दोनों पार्टियों के बीच पार्टियों के कार्यकर्ताओं में घर्षण उत्पन्न होने संभावना भी कम हो जाती है।

नई दिल्ली, 23 नवंबर। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत का पहला औपचारिक दौर सोमवार को सम्पन्न हुआ। सीट-शेयरिंग वार्ता कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी के आवास पर हुई। इस दौरान दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों की सूची सौंपी। दोनों पक्षों ने भरोसा जताया कि अगले दो से चार दिनों में गठबंधन को लेकर अंतिम समझौता हो सकता है।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में उत्तर प्रदेश के प्रभारी राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष इमरान मसूद और विधायक दल के नेता वीरेन्द्र चौधरी शामिल थे। वहीं, समाजवादी पार्टी की ओर से पार्टी महासचिव रामगोपाल यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल और सांसद राजीव राय तथा इकरा हसन वार्ता में शामिल हुए।

कांग्रेस ने अपनी संशोधित सूची सौंपी, जिसमें उसने लगभग 100-130 सीटों की मांग की है। यह उसकी पहले की लगभग 181 विधानसभा सीटों की मांग से काफी कम है। इस सूची

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने म्यांमार को "जैनोसाइड" (जनसंहार) का दोषी करार दिया

## इस "रुलिंग" के अनुसार, म्यांमार सरकार द्वारा 2016-2017 में चलाया रोहिंग्या विरोधी अभियान, "जैनोसाइड" (जनसंहार) था

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- यह अलग बात है, कि न्यायालय की इस "रुलिंग" का क्रियान्वयन कैसे होगा।
- पर, यह पहली बार हुआ है, कि 1948 के जैनोसाइड कन्वैन्शन के बाद, किसी देश को जनसंहार कानून का दोषी करार दिया है अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय ने।
- इस रुलिंग का काफी व्यापक महत्व है। इससे इज़रायल द्वारा हमास के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही तथा ब्लूचिस्तान में पाकिस्तान द्वारा चलाई जा रही सैन्य कार्यवाही को भी इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में उठाने का प्रयास होगा।

नई दिल्ली, 23 नवंबर। पिछले सप्ताह इंटरनैशनल कॉर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला सुनाया कि 2016-2017 में म्यांमार द्वारा चलाया गया अभियान "राज्य प्रायोजित नरसंहार" था। इस अभियान में रोहिंग्या समुदाय के 400 से अधिक गांवों को पूरी तरह मिटा दिया गया, कम से कम 10,000 लोगों की हत्या की गई और महिलाओं तथा बच्चों को इमारतों में बंद करके उन्हें आग के हवाले कर दिया गया

यह फैसला एक ऐसी मिसाल कायम करता है, जिसका असर इस मामले से कहीं आगे तक पडेगा। इसमें इज़रायल पर नरसंहार का आरोप लगाने वाला मामला भी शामिल है, जो इसी न्यायालय में विचाराधीन है।

म्यांमार एक ऐसा देश है, जहां विभिन्न जातीय समुदाय रहते हैं। कई दशकों तक रोहिंग्या भी वहां के अनेक जातीय समूहों में से एक थे। उन्होंने संसदीय चुनाव जीते, छात्र संगठन बनाए और अपने कारोबार चलाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# भारत नेपाल को 1.6 अरब डॉलर की सहायता देगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। पड़ोसी हिमालयी देश नेपाल के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, भारत ने

- मोदी व बालेन्द्र शाह ने संबंधों को नई दिशा देने का फैसला किया।

आज नेपाल के लिए 1.6 अरब डॉलर के आर्थिक विकास पैकेज की घोषणा की। इसके साथ ही, सीमा पार कनैक्टिविटी, ऊर्जा और व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई पहल भी की गईं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने आज द्विपक्षीय बातचीत की और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को नई दिशा देने तथा भविष्य के लिए उन्हें और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक नया संयुक्त दृष्टिकोण शुरू करने का फैसला किया।

# बार एसोसिएशन चुनाव में दो वकालतनामे की शर्तों पर रोक

## अदालत ने एकल पीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए अन्य पक्षकारों को जवाब -तलब किया है

-यादवेन्द्र शर्मा-

- अदालत ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित किये जाने के बाद नियम परिवर्तन नहीं किया जा सकता है और वकालतनामे या पेशियों के साक्ष्य प्रस्तुत करने की नई शर्त लगाना नियम में परिवर्तन ही होगा

जयपुर, 23 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में मतदान करने के लिए कम से कम दो वकालतनामे या दो पेशियों में उपस्थिति की अनिवार्यता को बहाल करने वाले एकलपीठ के आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही, अदालत ने 11 दिसंबर को होने वाले चुनाव में 2 नवंबर को जारी नोटिस के अनुसार कार्रवाई जारी रखने को कहा है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश कुलदीप शर्मा व अन्य की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। इसके साथ ही, अदालत ने एकलपीठ में याचिका दायर करने वाले वीरेन्द्र अग्रवाल, सहित अन्य को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है।

इस मामले में अधिवक्ता महेन्द्र शांडिल्य,अधिवक्ता कुलदीप शर्मा और अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह शेखावत की ओर से एकल पीठ के आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई थी। इस मामले में मुख्य तौर पर याचिकाकर्ताओं की ओर से पैरवी अधिवक्ता सुनील समदरिया ने की थी। उनकी ओर से कहा गया कि मामले में विवाद जोधपुर स्थित हाई कोर्ट की मुख्य पीठ द्वारा दिए गए एक फैसले से उत्पन्न होता है, जिसमें स्पष्ट कहा है कि बार एसोसिएशन के चुनाव में वोटरों की पात्रता केवल दो बिंदुओं पर तय की जा सकती है, पहला कि उनके पास एसोसिएशन का आइडेंटिटी कार्ड हो, और एसोसिएशन ने मतदाताओं के पक्ष में "नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट" जारी किया हुआ हो। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जोधपुर हाई कोर्ट के इस आदेश पर मोहर लगाई है और कुछ अन्य शर्तें भी लगाई हैं। सुनील समदरिया ने अदालत को कहा कि 2 नवंबर को बार एसोसिएशन के इलेक्शन आयोजित करने की घोषणा कर दी गई थी, परंतु तब इस शर्तों की घोषणा नहीं की गई थी कि मतदाताओं से दो अतिरिक्त वकालतनामे मांगे जाएंगे। इसीलिए अब इलेक्शन घोषित करने के बाद शर्तों में फेर बदलाव नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि यह सुप्रीम कोर्ट के द्वारा स्थापित नियमों के विरुद्ध होगा, जो कि स्पष्ट कहते है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद नियम परिवर्तित नहीं किए जा सकते। उन्होंने यह भी कहा कि केवल दो वकालतनामे प्रस्तुत करने की शर्त यह स्थापित नहीं कर सकती कि वकील कार्यरत वकील है कि नहीं। उन्होंने कहा कि इतने शीघ्र नियम परिवर्तित करने से लगभग ढ ाई हजार अधिवक्ता, जो कि बार के सदस्य हैं, अपना वोट डालने का अधिकार खो देंगे।

इस मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकार्ताओं के तर्क को सही माना और खंडपीठ ने एकलपीठ के आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

इस सुनवाई के बाद, अदालत के गलियारों में भी चर्चा रही कि चुनाव घोषित करने के बाद नियम परिवर्तित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

# प्रदूषण प्रमाण पत्र के बिना पेट्रोल - डीज़ल नहीं मिलेगा

जयपुर, 23 नवम्बर। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए अब राजस्थान में भी सख्ती की तैयारी है। बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसीसी)

- वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने इस व्यवस्था को तेजी से लागू करने के निर्देश दिये।

वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देने की व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए राजस्थान के एनसीआर क्षेत्र के 362 चिन्हित पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए जाएंगे। इस वर्ष पीयूसीसी नियमों के उल्लंघन पर 76,151 चालान जारी किए जा चुके हैं।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने सोमवार को जयपुर में राजस्थान सरकार के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में प्रदूषण नियंत्रण उपायों की समीक्षा की।

# कोटा की 270 एकड़ की बेशकीमती भूमि का मामला आखिरकार सुलझा

## हाई कोर्ट ने अराफात पेट्रोकेमिकल्स को सौंपी गई लीज खारिज करने के आदेश पर मोहर लगाई

-यादवेन्द्र शर्मा-

- अदालत ने राज्य सरकार के तर्क को माना कि अराफात उक्त भूमि पर कई वर्षों से कब्जे में है परन्तु वह वहां पर किसी भी तरह की औद्योगिक गतिविधि शुरू नहीं कर पाई है। राज्य सरकार ने यह भी कहा कि समझौते के तहत अराफात ने जे के सिंथेटिक लिमिटेड के 2000 कर्मचारियों को रोज़गार देने का वादा किया था, जो कि पूरा नहीं किया गया है।
- अराफात की ओर से अपील में दलील दी गई थी कि उसने औद्योगिक गतिविधि या किसी अन्य प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि शुरू करने की पुरजोर कोशिश की है परंतु राज्य सरकार ने ऐसे प्रस्तावों को स्वीकृति नहीं दी। उनका कहना यह भी है कि कलेक्टर ने उनकी लीज खारिज करते वक्त न तो कंपनी को कोई सुनवाई का मौका दिया और बिना सोचे समझे कुछ घंटों में ही लीज खारिज करने के आदेश पारित कर दिए।

जयपुर, 23 नवंबर। मुख्य न्यायधीश संजय के अग्रवाल और न्यायधीश समीर जैन की खंड पीठ ने मेसर्स अराफात पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की 270 एकड भूमि पर लीज को खारिज करने के आदेश दिए हैं और इसके साथ ही कोटा कलेक्टर तथा एकल पीठ के लीज़ रद्द करने के आदेश को सही माना है।

बताया जा रहा है कि उक्त जमीन की मार्केट में कीमत लगभग हजार करोड़ रुपए है।

इस मामले के तथ्य के अनुसार, 1958 में उक्त 270 एकड भूमि को जे के सिंथेटिक लिमिटेड कंपनी को लीज पर सौंपा गया था।

यह कंपनी कई वर्षों तक उक्त भूमि पर कार्यरत रही और प्रदेश की सबसे बडी औद्योगिक कंपनियों में से एक बनकर उभर कर आई। परंतु 90 के दशक में कंपनी को कई आर्थिक परेशानियों को झेलना पडा और 1998 में इस कंपनी को सिक (आर्थिक रूप से निष्क्रिय)

कम्पनी घोषित कर दिया गया और एस आई सी ए (सिक इंडस्ट्रियल कम्पनीज एक्ट) के प्रावधानों के तहत उक्त कंपनी की जमीन और लेन-देनदारी अराफात पेट्रोकेमिकल्स के नाम कर दी गई। समझौते के तहत, अराफात को उक्त भूमि इस शर्त पर मिली थी कि वह उस भूमि पर उद्योग पुन: शुरू करेगी और जे के सिंथेटिक के कर्मचारियों की दोनों यूनियनों के बकाया राशि की भरपाई करेगी और उन्हें रोजगार देगी।

परंतु कई आकस्मिक कारणों की वजह से अराफात केवल 6 महीने की छोटी अवधि के लिए ही भूमि पर फैक्ट्री चला पाई और आग लगने की वजह से वो फैक्ट्री भी बंद होगयी। इसके बाद अराफात रीको व राज्य सरकार के समक्ष विभिन्न तरीके के प्रस्ताव लेकर आयी, ताकि वह अन्य किसी तरह की फैक्ट्री स्थापित कर सके। परंतु ऐसे प्रस्ताव किसी न किसी कारण खारिज होते रहे, तत्पश्चात वर्ष 2018 नवंबर में , अराफात ने जमीन के उपयोग को "औद्योगिक" से बदल कर "व्यावसायिक" करने के लिए प्रस्ताव रीको को भेजे, परंतु यह मामला भी पेचीदगियों में उलझा रहा।

अराफात को इस मामले में सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब वर्ष 2018-19 में विधान सभा चुनाव के बाद सरकार में परिवर्तन हुआ और नई अशोक गहलोत सरकार ने अराफात के भूमि उपयोग परिवर्तन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके खिलाफ अराफात हाई कोर्ट आई और तत्कालीन मुख्य न्यायधीश ने अशोक गहलोत सरकार के फैसले को गलत ठहराया। इसके बाद अपील में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट की खंड पीठ के फैसले को रद्द किया और कहा कि राज्य सरकार ही उक्त भूमि का मालिकाना हक रखती है और अराफात को भूमि केवल लीज पर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अराफात पुन: भूमि उपयोग बदलने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज सकती है , परंतु राज्य सरकार जनहित में और कानून के दायरे में रहते हुए, इस प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए स्वतंत्र है। अराफात ने तत्कालीन टूरिज्म पॉलिसी के तहत भूमि उपयोग बदलने का प्रस्ताव सरकार को पुन: भेजा, ताकि वो उक्त भूमि पर होटल या रिसोर्ट का निर्माण कर सके। इस बीच 16 और 17 जून को कोटा कलेक्टर ने अराफात को लीज खारिज करने के सम्बन्ध में दो नोटिस जारी किये और अराफात को जवाब देने के लिए सात दिन का समय दिया। अराफात ने अपना जवाब तो भेज दिया, परंतु जब तक उसके जवाब पर फैसला लिया जाता, तब तक कोटा कलेक्टर का ट्रांसफर कर दिया गया। पर हैरानी की बात है कि नए कलेक्टर ने आते ही ज्वाइनिंग से कुछ ही घंटों में ही, अराफात की लीज खारिज करने के आदेश पारित कर दिए। अराफात ने कलेक्टर के इसी आदेश के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था। अराफात का हाई कोर्ट की खंड पीठ ओर एकल पीठ, दोनों के समक्ष यह तर्क था कि नए कलेक्टर ने बिना उन्हें सुनवाई का अवसर दिए और बिना तथ्यों को जाने, कुछ ही घंटों में अराफात की लीज खारिज करने के आदेश दे दिए।

अराफात ने कहा कि वह कई वर्षों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## विचार बिन्दु

जहाँ नक़ल है वहां खाली दिखावट होगी, जहाँ खाली दिखावट है वहां मूर्खता होगी। –जॉन्सन

# सदर्न देहली फोल्ड पॉलिमेटेलिक अम्बाजी-डेरी-बसंतगढ़ बेल्ट खनिजों की संभावनाभरा बेल्ट

यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं मानी जा सकती कि राजस्थान खनिजों का म्यूजियम है। राजस्थान प्रधान और अप्रधान खनिज का खजाना है तो हालिया खोजों से राजस्थान में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के जिस तरह से भण्डार मिल रहे हैं उससे राज्य और केन्द्र सरकार दोनो ही उत्साहित है। हालिया खोजों में सिरोही आबुरोड के डेरी व आसपास के क्षेत्र में तांबा, शीशा, जस्ता और सह खनिज भण्डार के आरंभिक संकेत मिलना भी अपने आपमें उत्साहजनक है। आरंभिक संकेतों को देखते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जो स्वयं खान मंत्री भी है के दिशानिर्देशों के अनुसरण में खान विभाग ने आबुरोड के डेरी, बंसतगढ व आसपास के क्षेत्र में अतिमहत्वपूर्ण खनिज कॉपर, लेड, जिंक और एसोसिएटेड खनिजों के भण्डार की विपुल संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में विस्तृत खोज एवं खनन शुरु कराने की कार्ययोजना तैयारी अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाती है। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस श्रीमती अपर्णा अरोरा ने इस संबंध में पिछले दिनों आरएसएमएम के प्रबंध निदेशक, खान एवं आरएसएमएम व जीएमआरआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और भावी रणनीति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

**राजस्थान में सदर्न देहली फोल्ड पॉलिमेटेलिक बेल्ट अम्बाजी-डेरी-बसंतगढ़ व आसपास का इलाका में तांबा, जस्ता, लेड, और इनसे जुड़े खनिजों विपुल संभावनायुक्त बेल्ट के रुप में सामने आ रहा है और इस क्षेत्र में अब इन संकेतों को देखते हुए जल्द से जल्द इस इलाके में इन खनिजों के वास्तविक आकलन के लिए एक्सप्लोरेशन कार्य आरंभ करते हुए खनिज भण्डारों का वास्तविक आंकलन करना होगा।**

राजस्थान प्रधान खनिज ब्लॉकों की नीलामी में आज देश में पहले स्थान पर आ गया है तो इस वित्तीय वर्ष में ही 60 से अधिक प्रधान खनिज ब्लॉकों की नीलामी की कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है। राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में देश में अव्वल होने के साथ ही दुर्लभ खनिज रेयर अर्थ एलिमेंट्स का एक्सप्लोरेशन लाइसेंस जारी करने वाला देश का पहला प्रदेश बन गया है। सीकर के खण्डेला के पास रोहेला में यूरेनियम के खनन का कार्य जल्द ही शुरु होने की तैयारी है।

इधर राजस्थान में सदर्न देहली फोल्ड पॉलिमेटेलिक बेल्ट अम्बाजी-डेरी-बसंतगढ़ व आसपास का इलाका में तांबा, जस्ता, लेड, और इनसे जुड़े खनिजों विपुल संभावनायुक्त बेल्ट के रुप में सामने आ रहा है और इस क्षेत्र में अब इन संकेतों को देखते हुए जल्द से जल्द इस इलाके में इन खनिजों के वास्तविक आकलन के लिए एक्सप्लोरेशन कार्य आरंभ करते हुए खनिज भण्डारों का वास्तविक आकलन करना होगा। राज्य सरकार ने इसके लिए राजस्थान माइंस एवं मिनरल्स आरएसएमएम को तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश देना राज्य सरकार की गंभीरता को दर्शाता हैं। डेरी, बंसतगढ व आसपास के क्षेत्र में अब तक के उपलब्ध एक्सप्लोरेशन परिणामों के डेटा साझा करते हुए विशेषज्ञ संस्थाओं से विश्लेषण कराये जाने का निर्णय किया जा रहा है। राज्य सरकार ने अपनी गंभीरता दर्शा दी है अब इसके लिए आरएसएमएम को एक्सप्लोरेशन मैनेजमेंट कंसलटेंस की भी सहायता लेते हुए आगे बढ़ना होगा। इस बेल्ट में कॉपर के साथ ही लेड-जिंक व एसोसिएटेड खनिजों के भण्डार है। इन खनिजों के संभावित भण्डारों के आकलन और उसके एक्सप्लोरेशन व खनन से देश और प्रदेश की इकोनोमी को बूस्टअप मिल सकेगा। भूमिगत खनन तकनीक से इस क्षेत्र में खनन कार्य होगा। खासबात यह है कि गुजरात में अंबाजी के आसपास के इलाके में गुजरात सरकार द्वारा पहले से ही खनन परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है। ऐसे में राजस्थान को भी तेजी से इस दिशा में कदम उठाने होंगे और खान विभाग की पहल को इस दिशा में सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जाना चाहिए।

राज्य सरकार की गंभीरता केा इसी से समझा जा सकता है कि राजस्थान की अतरिक्त मुख्य सचिव माइंस अपर्णा अरोरा ने ना केवल गंभीरता दिखाई है बल्कि गुजरात सरकार की गुजरात मिनरल रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल कंसलटेंसी के मुख्यकार्यकारी अधिकारी डॉ. डीके सिंहा और राज्य के वरिष्ट अधिकारियों के साथ प्रजेंटेशन के माध्यम से संभावनाओं को तलाशा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अंबाजी-डेरी-बसंतगढ़ क्षेत्र में खनिज खोज की आधुनिकतम तकनीकों से फर्दर एक्सप्लोरेशन कर खनिज भण्डारों और उनकी गुणवत्ता की सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इलेक्ट्रोमेग्नेटिक सर्वे आदि तकनीक का उपयोग कर अच्छे परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं। उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कराकर डेरी माइंस में खनन और एक्सप्लोरेशन दोनों कार्य एक साथ शुरु करने का सुझाव भी प्राप्त हुए हैं। डेरी-बसंतगढ़ ब्लॉक में कॉपर, लेड-जिंक व अन्य खनिजों के संकेत को देखते हुए आरएसएमएम इस क्षेत्र में तेजी से कदम बढ़ायेगा। आरएसएमएम के पास उपलब्ध डेटा का साझा कर विशेषज्ञ संस्थाओं से विश्लेषण कराया जाएगा ताकि महत्वपूर्ण खनिजों का खनन कार्य आरंभ किया जा सके।

आज देखा जाएं तो अमेरिका की नीति खनिजों को लेकर ही प्रभावित हो रही है। अमेरिका की नजर समूची दुनिया के खनिज क्षेत्रों की और है यही कारण है चाहे कनाडा हो या आइस लैंड, यूक्रेन हो या रुस और इसी तरह अन्य खनिज संपदा वाले देशों की और खनिज संपदा को लेकर दबाव बनाने में लगा हुआ है। यह भी सर्वविदित है कि चीन आज खनिज संपदा के कारण ही विश्व ताकत बना हुआ है। ऐसे में देश में और खासतौर से राजस्थान में उपलब्ध खनिज संपदा के खोज और खनन की राजस्थान सरकार की नीति की सराहना और जिस तेजी से माइनिंग सेक्टर में काम हो रहा है वह सराहनीय होने के साथ ही देशहित में भी है। इसे प्रोत्साहित किये जाने की आवश्यकता है।

**डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा**

# डिग्री जेब में, ज्ञान शून्य: सबको पास करने की नीति और ए ग्रेडिंग का मायाजाल

**इमारतें बुलंद और कागजों पर आंकड़े अव्वल, लेकिन धरातल पर दरकती बुनियादी सुविधाओं और खाली कक्षाओं के बीच दांव पर लगा है देश की युवा पीढ़ी का भविष्य।**



**प्रो.अशोक कुमार**

किसी भी राष्ट्र का निर्माण उसकी गगनचुंबी इमारतों, चौडे राजमार्गों या विशाल औद्योगिक ढांचों से नहीं, बल्कि उसकी कक्षाओं में गढ़े जाने वाले मस्तिष्कों से होता है। यह उक्ति शत-प्रतिशत सत्य है कि किसी देश को नष्ट करने के लिए परमाणु बम की आवश्यकता नहीं होती, बस उसकी शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त कर देना ही पर्याप्त है। दुर्भाग्यवश, आज भारत की शिक्षा प्रणाली एक ऐसे ही अदृश्य संकट और 'मायाजाल' में फंस चुकी है, जहाँ नीतियां तो आकाश छूने की बनती हैं, लेकिन धरातल पर बुनियादी ढांचे की जमीन भी दरक चुकी है। आज हमारी शिक्षा व्यवस्था दो बड़े छलावों के बीच झूल रही है-एक तरफ परीक्षाओं में 'सबको पास' करने की आत्मघाती होड़ लगी है, तो दूसरी तरफ न्यूनतम बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित संस्थानों को 'ए-प्लस-प्लस' ठोडिंग बांटी जा रही है। कागजी आंकड़ों की इस चकाचौंध और जमीनी हकीकत के अंधेरे के बीच देश की युवा पीढ़ी का भविष्य दांव पर लगा है।

**नीतियों का अंबार और क्रियान्वयन का अकाल**

स्वतंत्रता के बाद से ही हमारे देश में शिक्षा सुधारों के नाम पर समितियों, आयोगों और नई नीतियों का अंबार लगा रहा है। कागजों पर हर नीति क्रांतिकारी और भविष्यवादी दिखाई देती है, लेकिन उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने और उसकी निगरानी करने वाले तंत्र का घोर अभाव है। आज भी देश के हजारों सरकारी और गैर-सरकारी स्कूलों में न पर्याप्त कमरे हैं, न छात्रों के बैठने के लिए बेंच और न ही पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक। कई विद्यालयों में एक ही शिक्षक के भरोसे कई कक्षाएं चल रही हैं, तो कहीं विषय विशेषज्ञों का पूरी तरह अकाल है। इसके बावजूद, सरकारी रिपोर्टों और दस्तावेजों में सब कुछ 'सर्वश्रेष्ठ' दिखाई देता है। व्यवस्था ने 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' की जगह 'आंकड़ों की बाजीगरी' को अपना अंतिम लक्ष्य बना लिया है।

**'ए-प्लस-प्लस' ठोडिंग और फर्जीवाड़े का तंत्र**

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी अधिक विडंबनापूर्ण है। जिन महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में साल भर नियमित कक्षाएं नहीं लगतीं, जहाँ प्रयोगशालाएं धूल फांक रही हैं और पुस्तकालयों में ताले लटके हैं, उन्हें भी मूल्यांकन के नाम पर 'ए' और 'ए-प्लस-प्लस' जैसी शीर्ष ग्रेडिंग मिल रही है। यह किसी आश्चर्य से कम नहीं कि जिन संस्थानों में छात्रों की वास्तविक उपस्थिति 30 से 40 प्रतिशत भी नहीं रहती, वहां रजिस्टरों में शत-प्रतिशत हाजिरी दर्ज होती है। छात्रवृत्ति और सरकारी अनुदान के लालच में फर्जी नामांकन और फर्जी उपस्थिति का यह खेल खुलेआम चल रहा है। बिना कक्षाएं लगे डिठियां बांटी जा रही हैं। यह स्थिति समाज में एक ऐसे वर्ग को जन्म दे रही है, जिसके पास प्रमाण-पत्रों का पुलिंदा तो है, लेकिन ज्ञान, कौशल और बौद्धिक क्षमता के नाम पर शून्य है।

**किसी को फेल न करने' की नीति**

शिक्षा के गिरते स्तर के पीछे 'किसी को फेल न करने' की नीति ने आग में घी का काम किया है। परीक्षा प्रणाली को इतना लचीला और सतही बना दिया गया है कि अब अनुत्तीर्ण होना लगभग असंभव हो गया है। प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च कक्षाओं तक बिना कुछ सीखे अगली कक्षा में प्रोन्नत कर देना बच्चों के साथ भलाई नहीं, बल्कि उनके भविष्य के साथ सबसे बड़ा खिलवाड़ है। जब विद्यार्थी को यह पता होता है कि बिना पढ़े और बिना कक्षा में गए भी वह पास हो ही जाएगा, तो उसके भीतर से सीखने की ललक और परिश्रम करने की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती है। यह नीति एक ऐसी कमजोर नींव तैयार कर रही है, जिस पर भविष्य में किसी भी मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है।

**कोरी डिठियां, कोचिंग माफिया और 'गिग इकॉनमी' का भ्रम**

महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के परिसर आज वीरान पड़े हैं क्योंकि विद्यार्थी वहां जाने के बजाय निजी कोचिंग संस्थानों की ओर भाग रहे हैं। इसके पीछे सीधा कारण यह है कि उच्च शिक्षण संस्थानों का पाठ्यक्रम आज की व्यावहारिक और औद्योगिक आवश्यकताओं से पूरी तरह कट चुका है। दूसरी ओर, 'स्किल डेवलपमेंट' (कौशल विकास) के नाम पर नए पाठ्यक्रम तो शुरू कर दिए गए हैं, लेकिन विडंबना यह है कि उन आधुनिक विषयों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षक ही उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में कौशल विकास भी केवल औपचारिकता बनकर रह गया है।

इस शैक्षिणक शून्यता ने समाज में एक बेहद खतरनाक मानसिकता को जन्म दिया है। आज युवाओं के मन में यह बात गहराई तक बैठा दी गई है कि "उच्च शिक्षा या डिठियां हासिल करके क्या करोगे? रोजगार तो मिलना नहीं है। इससे बेहतर है कि आठवीं-दसवीं पास करो और किसी डिलीवरी कंपनी (जैसे जोमैटो, ब्लिंकिट आदि) में भर्ती हो जाओ या कोई छोटा-मोटा काम शुरू कर लो।" निस्संदेह कोई भी काम छोटा नहीं होता, लेकिन एक युवा राष्ट्र की बौद्धिक और रचनात्मक ऊर्जा को केवल 'डिलीवरी बॉय' बनने तक सीमित कर देना देश की प्रतिभा के साथ एक क्रूर मजाक है। यह स्थिति युवाओं को उच्च लक्ष्यों, अनुसंधान और नवाचार से विमुख कर रही है।

**मानवीय संवेदनाओं और प्रकृति से कटती शिक्षा**

रोजगारपरक शिक्षा के अंधानुकरण में हम शिक्षा के मूल उद्देश्य को ही भूलते जा रहे हैं। आज पाठ्यक्रमों से इतिहास, साहित्य, कला और यहाँ तक कि पर्यावरण जैसे अत्यंत संवेदनशील और आवश्यक विषयों को या तो हटाया जा रहा है या उन्हें महत्वहीन बनाया जा रहा है। यह समझना आवश्यक है कि विज्ञान और तकनीक हमें सुविधाएं दे सकते हैं, लेकिन साहित्य, कला और इतिहास हमें मनुष्य बनाते हैं। ये विषय हमारे भीतर संवेदनशीलता, तार्किकता और नैतिक मूल्यों का संचार करते हैं। इसी प्रकार, पर्यावरण की शिक्षा हमारे अस्तित्व और आने वाली पीढ़ियों के जीवन से जुड़ी है। यदि हम अपनी कक्षाओं से इन विषयों को बाहर कर देंगे, तो हम संवेदनशील नागरिक नहीं, बल्कि केवल आदेशों का पालन करने वाली मशीनें तैयार करेंगे।

**सुधार के ठोस और व्यावहारिक सुझाव**

इस भयावह और निराशाजनक स्थिति को बदलने के लिए केवल सतही बयानबाजी पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की जड़ों में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

**शिक्षकों की शत-प्रतिशत नियुक्ति और जवाबदेही:** देश के हर विद्यालय और महाविद्यालय में योग्य व प्रशिक्षित शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति युद्धस्तर पर की जाए। शिक्षकों को जनगणना, चुनाव और अन्य गैर-शैक्षिणक कार्यों से पूरी तरह मुक्त रखा जाए ताकि वे अपना पूरा समय शिक्षण को दे सकें। साथ ही, कक्षाओं के नियमित संचालन के प्रति उनकी सीधी जवाबदेही तय हो। **निरीक्षण और ठोडिंग में पारदर्शिता:** शिक्षण संस्थानों की ठोडिंग और निरीक्षण की प्रक्रिया को स्थानीय प्रभाव से मुक्त कर स्वतंत्र और निष्पक्ष एजेंसियों के हाथों में सौंपा जाए। फर्जी हाजिरी लगाने वाले और बिना कक्षाएं संचालित किए डिठियां बांटने वाले संस्थानों की मान्यता तत्काल रद्द की जाए और दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो। **कौशल और ज्ञान का संतुलन:** किसी भी नए कौशल-आधारित पाठ्यक्रम को लागू करने से पहले उन्हें पढ़ाने वाले प्रशिक्षकों को तैयार किया जाए और प्रयोगशालाओं का निर्माण हो। इसके साथ ही, कला, साहित्य, इतिहास और पर्यावरण जैसे विषयों को पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा बनाए रखा जाए ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण और मानवीय विकास सुनिश्चित हो सके।

**योग्यता आधारित मूल्यांकन प्रणाली:** 'सबको पास करने' की नीति की समीक्षा कर एक संतुलित और योग्यता आधारित मूल्यांकन प्रणाली लागू की जाए। यदि कोई छात्र पढ़ाई में कमजोर है, तो उसे बिना सीखे अगली कक्षा में धकेलने के बजाय अतिरिक्त उपचारात्मक कक्षाओं के माध्यम से उसका स्तर सुधारा जाए।

**उच्च स्तरीय रोजगार और अनुसंधान को बढ़ावा:** युवाओं को केवल अस्थायी और असंगठित क्षेत्र (गिग इकॉनमी) के भरोसे छोड़ने के बजाय, उच्च शिक्षा को उद्योगों और अनुसंधान से जोड़ा जाए। स्टार्टअप और नवाचार के लिए केवल नारे न देकर जमीनी स्तर पर पूंजी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए।

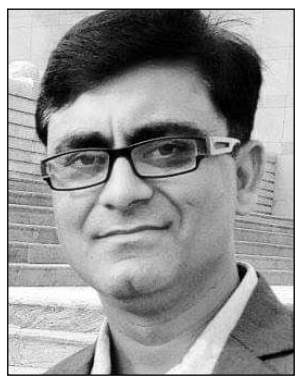
**प्रशासनिक और सामाजिक भागीदारी:** सरकारी शिक्षा तंत्र की दशा सुधारने का सबसे प्रभावी उपाय यह है कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और सरकारी कर्मचारियों के बच्चों के लिए सरकारी विद्यालयों में पढ़ना अनिवार्य किया जाए। जिस दिन नीति निर्माताओं के अपने बच्चे इन स्कूलों में जाएंगे, उसी दिन से कक्षाओं, बेंचों और शिक्षकों की स्थिति रातों-रात सुधर जाएगी।

**उपसंहार**

शिक्षा कोई सरकारी खैरात या कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि किसी भी राष्ट्र के सुरक्षित भविष्य का सबसे बड़ा निवेश है। आज हमें यह तय करना होगा कि हमें केवल 'ए-प्लस-प्लस' ठोडिंग वाले खोखले संस्थान और बेरोजगार डिठीधारियों की भीड़ चाहिए, या फिर ज्ञानवान, संवेदनशील और आत्मनिर्भर नागरिक। यदि आज हमने कागजी आंकड़ों के इस मायाजाल से बाहर निकलकर अपनी कक्षाओं, शिक्षकों और पाठ्यक्रमों की सुध नहीं ली, तो इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। अब समय आ गया है कि शिक्षा नीतियां फाइलों के पन्नों से बाहर निकलकर स्कूलों की दीवारों और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य में दिखाई दें।

**प्रोफेसर अशोक कुमार**
**पूर्व कुलपति कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय**

# नांच ना आवै, आंगन टेढ़ा



**अनुराग शुक्ला**

2026 में आए विश्व बैंक के नए अनुमान के अनुसार, 2011-2023 के बीच लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले। वहीं आईएमएफ ने भी कहा कि भारतीय बैंकिंग क्षेत्र की पूँजी पर्याप्तता, निगरानी और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है। इसी आरबीआई की माने तो बैंको की स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है। ग्रॉस एनपीए (नॉन पर्फार्मिंग एसेट्स) 2018 में 11.18प्रतिशत से गिरकर अब 2025 में 2.2 प्रतिशत तक पहुंच गया है। नेट एनपीए 2018 में 5.94 प्रतिशत था, 2025 में 0.5 तक गिर गया है। कैपिटल एडेक्वेसी रेशियो 2015 में 12.94 था, 2025 में 17.36 तक पहुँचा। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का व्यापार 2026 में 300 लाख करोड़ पार कर गया, और शुद्ध लाभ 17 बढ़ा गया है।

ये तो भारतीय अर्थव्यवस्था का एक पहलू है जो रिजर्व बैंक से लेकर विश्वबैंक और आईएमएफ तक पेश कर रही है। वहीं देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अपने हर विदेशी दौरे में दूसरी ही तस्वीर पेश करते हैं। कभी कहते है देश में आर्थिक सुनामी आने वाली है, कभी भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड बता देते हैं। अपने हालिया अमरीका दौरे के दौरान उन्होंने अंग्रेजी में एक बयान दिया उसका हिंदी अनुवाद है सीधी बात यह है कि भारत आर्थिक आपदा में बैठा है। यह वास्तविकता है। इसे नज़रअंदाज़ किया जा सकता है, मीडिया इसे अनदेखा कर सकता है, लेकिन भारत में बेरोजगारी की बहुत बड़ी समस्या है और शिक्षा प्रणाली में भी बहुत बड़ी दिक्कत है। उनका दावा था कि ये समस्याएँ देश के भीतर दबा दी जाती हैं, इसलिए उन्हें बाहर भी बोलना ज़रूरी है।वहीं शिकागों में उन्होंने 2014 के चुनाव को ही फर्जी बता दिया।

उनकी रणनीति यह है कि वे भारत की छवि को सब ठीक है नहीं बताना चाहते, बल्कि यह दिखाना चाहते हैं कि देश में गंभीर समस्याएँ हैं और सरकार उन्हें नज़रअंदाज़ कर रही है। इससे वे अपने समर्थकों और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को यह संदेश देते हैं कि वे सच बोलने वाले नेता हैं

राहुल गांधी की जो भी रणनीति हो वो जाने अनजाने किसी सरकार नहीं देश की छवि को कमजोर कर रहे हैं। अब सवाल ये है कि ऐसा राहुल गांधी क्यों कह रहे हैं। दरअसल ये उनकी झल्लाहट है। उनके नेतृत्व में कांग्रेस करीब 100 चुनाव हार चुकी है, पर राहुल गांधी अभी भी आजादी के 20 साल बाद तक की कांग्रेस के छवि में ट्रैप हैं। उस समय कांग्रेस पंचायत से पार्लियामेंट तक वर्चस्व में थी, क्योंकि वह स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत, देशव्यापी संगठन और सामाजिक-वैचारिक गठबंधन की पार्टी थी।

कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत यह थी कि वह कई जातियों, धर्मों, क्षेत्रों और वर्गों को एक साथ रखने वाला सबका दल थी। आंतरिक मतभेद भी अक्सर पार्टी छोड़कर बाहर जाने के बजाय भीतर ही तय होते थे; इसलिए प्रतिस्पर्धा काफी हद तक कांग्रेस के भीतर ही रहती थी।

समय बदला तो देश की राजनीति बदली पर कांग्रेस नहीं बदल पाई। अब भी कांग्रेस में निर्णय लेने की शक्ति ऊपर यानी हाईकमान में ही केंद्रित रही, लेकिन राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर जवाबदेह, सक्षम और जन-आधार वाले नेतृत्व का निर्माण कम हुआ। कार्यकर्ता अक्सर किसी स्थानीय दबंग नेता या गुट के इर्द-गिर्द सीमित रह जाते हैं।

अगर नेता अपने विचार को ही सही समझता है और स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं या आलोचकों की बात को कम महत्व देता है, तो संगठन में भरोसा घटता है। राहुल गांधी अक्सर बड़े, वैचारिक और नैतिक तर्क देते हैं-संविधान, सामाजिक न्याय, आर्थिक असमानता, लोकतंत्र। पर वो अपने समर्थकों को महत्व नहीं देते। उनका अहं ब्रह्मास्मि का भाव उनके आस पास के घिरे लोगों से अलावा आम कार्यकर्ता को उनसे दूर कर देता है। नतीजा जनता उसे अकड या दूरी महसूस कर सकती है।

कई बार चर्चा कांग्रेस क्या करेगी की बजाय राहुल गांधी ने क्या कहा, कैसे कहा, कहाँ कहा बन जाती है। इससे पार्टी के कार्यकर्ता और स्थानीय नेता पीछे छट जाते हैं, और संगठन एक व्यक्ति की छवि पर निर्भर लगने लगता है।

राहुल गांधी का व्यवहार, संवाद शैली और नेतृत्व अहंकार जैसा लगता है। उनकी भाषा अक्सर संरचनात्मक अन्याय पर केंद्रित रहती है। ये तर्क बुद्धिजीवियों को प्रभावित करते हैं पर औसत मतदाता पर असर नहीं डालते। जब नेतृत्व एक परिवार के चारों ओर केंद्रित हो, तो कार्यकर्ताओं और नेताओं में यह धारणा बनती है कि विकल्प, पहल और पदोन्नित परिवार की स्वीकृति पर निर्भर है।

अगस्त 2020 में 23 वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने सोनिया गांधी को पत्र लिखा। इस समूह में सभी अनुभवी नेता थे। यह माँग थी कि नेतृत्व, टिकट और पदों के फैसले खुली सलाह-मशविरे से हों।

जी-23 के कई सदस्यों को बाद में विद्रोही कहा गया, और यूपी चुनाव के लिए बनाई गई समितियों में राज बब्बर और जितिन प्रसाद जैसे नेताओं को जगह तक नहीं मिली। यानी सुधार माँगने वालों को संगठन में सहभागी बनाने के बजाय उन्हें बाहर की ओर धकेला गया।

2022 में कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव हुआ, जिसमें खरगे ने शशि थरूर को हराया। खरगे गांधी परिवार की पसंद के तौर पर पेश किए गए। 2022 में खरगे के अध्यक्ष बनने के बाद सीडब्ल्यूसी को भंग कर एक 47-सदस्यीय स्टीयरिंग कमेटी बनाया गया, जिसमें सोनिया और राहुल गांधी भी थे। बाद में सीडब्ल्यूसी का चुनाव नहीं कराने का निर्णय लिया गया-यानी पार्टी के सबसे शक्तिशाली निकाय में भी चुनाव के बजाय नामांकन और नियुक्ति का रास्ता चला।

इससे साफ संदेश गया कि चुनाव औपचारिक है, असली सत्ता अब भी गांधी परिवार और उनके करीबी लोगों के पास है। इसके साथ ही राहुल गांधी के बार-बार चुनाव हारने से संदेश जाता है कि परिणाम की कीमत नहीं चुकानी पड़ती।

कांग्रेस का स्थाई संगठन नहीं बनता है, चुनाव के समय लोग जुटते हैं, पर चुनावों के बीच ज़मीनी कार्य, स्थानीय नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की निरंतर मौजूदगी नहीं बन पाती। संगठन एपिसोडिक बन जाता है, स्थायी नहीं।

उदाहरण के लिए उत्तर प्रदेश में 2022 विधानसभा चुनाव में प्रियंका गांधी वाडरा कांग्रेस को लीड कर रही थी। चुनाव के बाद कहा गया कि वो यूपी में ही रहेंगी पर कुछ दौरों के बाद प्रियंका गांधी वाडरा ने यूपी से दूरी बना ली। अब 2027 में फिर से सक्रिय होने वाली हैं।

परंपरगत संरचना, परिवर्तन के अभाव, लचर संगठन और पार्टी के बजाय परिवार के लॉयल नेताओं की वजह से कांग्रेस एक के बाद एक चुनाव, कुछ अपवादों के अलावा, हार रही है।

राहुल गांधी संगठन बनाने की मेहनत नहीं करना चाहते, पर शासन पर अपना नैसर्गिक हक समझते हैं। सत्ता ना मिले तो झल्लाते हैं। शायद राहुल गांधी अपनी यही झल्लाहट विदेशी मंच पर निकालते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

## राशिफल



**पंडित अनिल शर्मा**

**मंगलवार, 24 नवम्बर, 2026**

कार्तिक मास शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, मंगलवार, विक्रम सम्वत 2083, कृत्तिका नक्षत्र, रात्रि 11.25 तक, परिद्य योग सायं 4.06 तक, विष्टिकरण दिन 10.03 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7.25 पर वृष राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति -** सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरु-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज सवार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 11.25 तक है। कुमार योग रात्रि 11.25 से आरम्भ होगा। आज भद्रा दिन 10.03 तक है। आज कार्तिक पूर्णिमा, सत्य पूर्णिमा व्रत, देव दिवाली, गुरु नानक जयंती है। आज कार्तिक स्नान, भीष्म पंचक व्रत समाप्त होंगे।

**श्रेष्ठ चौघडिया -** चट 9.36 से 10.54 तक, लाभ-अमृत 10.54 से 1.32 तक शुभ 2.51 से 4.10 तक।

**राहुकाल -** 3.00 से 4.30 तक सूर्योदय 6.57 सूर्यास्त 5.30

**मेष**

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

**तुला**

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

**मीन**

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों-रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**वृष**

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मिथुन**

घर-परिवार के कार्यों के कारण भाग-दौड़ रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अर्नगल कार्यों में खराब हो सकता है।

**कर्क**

आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

**वृश्चिक**

परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

**धनु**

स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

**मकर**

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सफलता मिल सकती है। आज घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

**सिंह**

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता-सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

**कन्या**

कन्या- नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

**कुंभ**

घर परिवार में शुभ मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते है। शुभ कार्य के संबंध में यात्रा संभव है। आज नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

# सालों से झाड़ियों में छिपी बावड़ी और छतरी को नई पहचान, तीन दिन के अथक श्रमदान के बाद स्थानीय लोगों ने पहली बार देखा

**बूंदी।** शहर के छत्रपुरा रोड स्थित ऐतिहासिक छतरी वाली बावड़ी, जो वर्षों से घनी झाड़ियों, कंटीली वनस्पतियों और गंदगी के बीच पूरी तरह छिपी हुई थी, अब रामेष्ट युवा मंडल संस्थान, बूंदी के तीन दिवसीय अथक श्रमदान के बाद अपने वास्तविक स्वरूप में सामने आई है। संस्थान के इस प्रयास ने न केवल एक उपेक्षित ऐतिहासिक धरोहर को नई पहचान दी, बल्कि स्थानीय लोगों को भी अपनी ही विरासत के दर्शन करने का अवसर दिया।

अभियान की शुरुआत में आसपास के लोगों से जानकारी मिली थी कि इस स्थान पर कभी एक बावड़ी हुआ करती थी। लेकिन जब संस्थान के सदस्यों ने झाड़ियों और कचरे को हटाने का कार्य शुरू किया, तो सामने एक खूबसूरत बावड़ी मिली, जिसके ठीक ऊपर एक आकर्षक छतरी बनी हुई है। बावड़ी की मूल संरचना आज भी काफी हद तक सुरक्षित है, हालांकि समय के साथ कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है।

इस अभियान की सबसे खास बात स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया रही। आसपास के लोगों ने बताया कि उनकी उम्र लगभग 40 से 50 वर्ष है, लेकिन उन्होंने अपने जीवन में इस बावड़ी को कभी इस रूप में नहीं देखा। उन्होंने हमेशा इसे घनी झाड़ियों, कांटों और गंदगी से ढका हुआ ही पाया था। संस्थान के सदस्यों द्वारा तीन दिनों तक किए गए लगातार श्रमदान के बाद जब यह धरोहर सामने आई, तो स्थानीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सदस्यों के प्रयासों की खूब सराहना की। कई लोगों के लिए यह पहली बार था जब उन्होंने इस ऐतिहासिक बावड़ी को उसके वास्तविक स्वरूप में देखा।

बावड़ी के ऊपर बनी छतरी भी अपनी विशिष्ट स्थापत्य कला के कारण विशेष आकर्षण रखती है। इसके गुंबद के नीचे पत्थरों को चतुर्भुजाकार आकृतियों में क्रमश: गहराई लेते हुए सजाया गया है, जोइसकीअनूठीबनावट को दर्शाता है। सफाई के दौरान छतरी के आसपास की झाड़ियों और वनस्पतियों को हटाकर इसकी खूबसूरती को भी सामने लाया गया।

इस स्थान के समीप ही सगस जी महाराज का स्थान भी स्थित है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार सगस जी महाराजलोकदे

# आमेर महल के दीवाने आम में सजी जयपुर की 300 साल पुरानी विरासत

## जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग प्रदर्शनी के पांचवें सीजन का शुभारंभ 50 से अधिक फोटोग्राफर्स और कलाकारों ने तस्वीरों व रंगों में उकेरा गुलाबी नगरी का इतिहास

**जयपुर( कासं )।** जयपुर स्थापना दिवस और शहर के 300 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत आयोजित जयपुर हेरिटेज फोटो व पेंटिंग प्रदर्शनी के पांचवें सीजन का सोमवार को आमेर महल के दीवाने आम में शुभारंभ हुआ। पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग की सहभागिता से आयोजित इस प्रदर्शनी में गुलाबी नगरी के इतिहास, कला, संस्कृति और गौरवशाली विरासत को फोटोग्राफ्स और पेंटिंग्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी का उद्घाटन पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग के निदेशक डॉ. पंकज धरेन्द्र, आमेर महल अधीक्षक डॉ. राकेश छोलक, जयपुर वृत अधीक्षक नीरज त्रिपाठी और महेश शर्मा ने किया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर कलाकारों की रचनात्मकता और कलाकृतियों की सराहना की। इस अवसर पर फेस्टिवल डायरेक्टर संजय कुमावत और क्यूरेटर अदिति अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया।



राजस्थान फोटो फेस्टिवल के तहत जयपुर हेरिटेज फोटो वपेंटिंग प्रदर्शनी के पांचवें सीजन का सोमवार को आमेर महल के दीवाने आम में शुभारंभ हुआ।

**तस्वीरों में जीवंत हुआ पुराना और नया जयपुर :** प्रदर्शनी में 50 से अधिक फोटोग्राफर्स और कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों के जरिए जयपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को जीवंत किया है। यहां ऐतिहासिक स्मारकों, परकोटे वाले शहर, मंदिरों और पुरानी गलियों की तस्वीरों के साथ पुराने और नए जयपुर की खूबसूरती को कैमरे और रंगों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। पूर्व महाराजा सवाई भवानी सिंह की पुरानी तस्वीरें भी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। देश-विदेश के पर्यटकों तक पहुंचेगी विरासत: जयपुर के 300 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शनी को देखने के लिए आमेर महल पहुंचे देशी-विदेशी पर्यटकों में खास उत्साह नजर आया। पर्यटकों ने तस्वीरों के माध्यम से जयपुर के इतिहास और सांस्कृतिक वैभव को करीब से जाना।

फेस्टिवल की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि जयपुर स्थापना दिवस के अवसर पर आमेर महल में प्रदर्शनी आयोजित करने का उद्देश्य देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों तक शहर की कला, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत को पहुंचाना है। फोटोग्राफ्स और पेंटिंग्स के माध्यम से जयपुर की खूबसूरती को प्रदर्शित करने के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना भी आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है।

- **प्रदर्शनी में 50 से अधिक फोटोग्राफर्स और कलाकारों ने अपनी कलाकृतियों के जरिए जयपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को जीवंत किया है**

# आईएएस शिखर अग्रवाल ने सुप्रीम कोर्ट में गिरफ्तारी से संरक्षण की याचिका लगाई

**जयपुर, ( कासं )।** वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिखर अग्रवाल ने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से दर्ज एफआईआर और राजस्थान हाईकोर्ट के अंतरिम राहत टालने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने गिरफ्तारी सहित किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण देने की गुहार की है। अग्रवाल का आरोप है कि उनके खिलाफ प्रारंभिक जांच की मंजूरी देने और एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17 के अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया।

अग्रवाल ने अपनी याचिका में कहा कि राज्य सरकार ने 30 अक्टूबर को अखबारों में खबरें प्रकाशित होने के कुछ घंटों के भीतर एसीबी को प्रारंभिक जांच की मंजूरी दे दी। उस समय वे अमेरिका में स्वीकृत अवकाश पर थे। उन्होंने सरकार की ओर से मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब देने के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जांच की मंजूरी देने से पहले उनके पक्ष और संबंधित आधिकारिक रिकॉर्ड पर विचार नहीं किया गया।

याचिका के अनुसार, उन्होंने 17 नवंबर को राजस्थान हाईकोर्ट में धारा 17 ए के तहत दी गई मंजूरी को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी। इसके अगले दिन 18 नवंबर को एसीबी ने उनके और तीन अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी। वहीं 19 नवंबर को हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत पर फैसला टालते हुए राज्य सरकार को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। अगली सुनवाई 18 दिसंबर को तय की गई है।

**क्या है मामला:** एसीबी की जांच उदयपुर के बुजडा और अलवर के अजबगढ स्थित रिसॉर्ट में अग्रवाल और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर संपत्तियों की खरीद तथा एक निजी कंपनी गोयल फैशन्स प्राइवेट लिमिटेड को कथित अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोपों से जुड़ी है।

एफआईआर में 15 अक्टूबर को 24 नए विला खरीदे जाने का भी उल्लेख है। इससे पहले 40 विला-कॉटेज की खरीद का मामला भी जांच के दायरे में आया था।

इस मामले में 28 अक्टूबर को अग्रवाल को एपीओ किया गया था, जबकि 31 अक्टूबर को उनकी पत्नी और आईपीएस अधिकारी प्रशाखा माथुर को भी एपीओ कर दिया गया था।

# जयपुर की ऋतिका तोलाना सम्मानित

**जयपुर ( कासं )।** महिला सशक्तिकरण और वंचित वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पिछले 26 वर्षों से निरंतर समर्पित प्रयास कर रहीं जयपुर की ऋतिका तोलानी को प्रतिष्ठित 'रानी लक्ष्मीबाई ग्लोबल समर्पण समाज गौरव 2026' सम्मान से सम्मानित किया गया। ऋतिका तोलानी ने अपने सतत प्रयासों से अब तक गरीब एवं वंचित वर्ग की 6,000 से अधिक महिलाओं और बालिकाओं को सिलाई का प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें हुनरमंद, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका यह कार्य न केवल महिलाओं को रोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में उल्लेखनीय है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का भी सार्थक प्रयास है।

# उप राष्ट्रीय पोलियो अभियान में 70.60 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई

**जयपुर, ( कासं )।** प्रदेश के चिन्हित 32 जिलों में 22 नवम्बर से शुरू हुए उप राष्ट्रीय पोलियो अभियान के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई है। अभियान के प्रथम दिवस जहां बूथों पर 53 लाख 13 हजार 251 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई वहीं अभियान के दूसरे दिन आज सोमवार को हाउस-टू-हाउस जाकर 17 लाख 41 हजार 750 घरों का भ्रमण कर पहले दिन वंचित रहे बच्चों को स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा पोलियो की दो बूंद पिलाई गई।

मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. जोगाराम ने बताया कि जिलों से प्राप्त अब तक की रिपोर्टिंग के अनुसार प्रदेश में दो दिवस के दौरान लगभग 70.60 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जा चुकी है। प्रदेश में कुल 92.83 लाख बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रकार अभियान के दो दिनों में ही लक्ष्य के मुकाबले लगभग 76 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित कर ली गई है। उन्होंने बताया अभियान के तीसरे दिन मंगलवार को भी घर घर जाकर जन्म से 5 साल की उम्र के दवा से वंचित रहे बच्चों को दवा पिलाने की व्यवस्था की गई हैं।डॉ. जोगाराम ने अभियान में जुटे स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों, चिकित्सा कार्मिकों, आशा सहयोगिनियों एवं अन्य मैदानी कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना की। और उन्होंने परिजनों से अपील की है कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक लक्षित बच्चे को पल्स पोलियो से बचाव की यह दवा हर अभियान में हर बार पिलवाना जरूरी है। उन्होंने शेष लक्षित बच्चों को भी पोलियो की खुराक पिलाना सुनिश्चित करने तथा अभियान के दौरान कोई भी बच्चा छूटने न पाए, इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग एवं निरंतर प्रयास करने के निर्देश दिए।

- **मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने अभियान की सफलता के लिए स्वास्थ्य कार्मिकों के प्रयासों की सराहना की, एक भी लक्षित बच्चा न रहे दो बूंद जिन्दगी से वंचित**

# उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा की

**जयपुर, ( निसं )।** उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल अधिकारिता मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग (आईसीडीएस निदेशालय तथा महिला अधिकारिता निदेशालय) एवं बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव बाल अधिकारिता दिनेश कुमार, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास पूनम तथा बाल अधिकारिता आयुक्त निकया गोहाएन एवं आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत की उपस्थिति में आईसीडीएस और महिला अधिकारिता निदेशालय तथा बाल अधिकारिता विभाग की योजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं तथा महिला अधिकारिता निदेशालय की बजट घोषणाओं और योजनाओं एवं परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश दिए।



उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने महिला एवं बाल विकास विभाग एवं बाल अधिकारिता विभाग की समीक्षा बैठक ली।

उप मुख्यमंत्री को आईसीडीएस के बिंदुवार प्रदर्शन से अवगत कराया गया।

उप मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों के मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया : कुल 62,121 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 99.78 नियमित संचालित (राष्ट्रीय औसत 95), 25 जिलों में 100 संचालन, 7,500 के लक्ष्य के विरुद्ध अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के सहयोग से 4,085 केंद्र विकसित, 2.53 लाख लक्ष्य के विरुद्ध 2,66,089 लाभार्थी पंजीकृत, 96.79 करोड़ वितरित, 27 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू, 50,000 से अधिक किशोरियों को लाभ। उप मुख्यमंत्री ने महिला अधिकारिता निदेशालय की लाडो प्रोत्साहन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उनके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

# बॉस स्कैम में ठगे गए ज्वैलरी व्यापारी को वापस मिले 52 लाख रुपए

**जयपुर( कासं )।** जयपुर साइबर थाना पुलिस ने बॉस स्कैम के जरिए ऑनलाइन ठगी का शिकार हुए ज्वैलरी व्यापारी को 52 लाख 47 रुपए की पूरी राशि वापस दिलवाई है। पुलिस ने बैंक समन्वय और कानूनी प्रक्रिया के जरिए ठगी की रकम फ्रीज करवाकर कोर्ट के माध्यम से पीड़ित को रिफंड कराई।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल ने बताया कि चांदपोल क्षेत्र की विवेकानंद कॉलोनी निवासी ज्वैलरी व्यापारी ने साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। 24 सितंबर को व्यापारी के अकाउंटेंट के व्हाट्सऐप पर एक अज्ञात नंबर से संदेश आया था। उस नंबर की प्रोफाइल फोटो पर बॉस की बेटी की तस्वीर लगी थी। संदेश भेजने वाले ने खुद को परिचित और अधिकृत व्यक्ति बताकर एक बैंक खाते में बड़ी रकम ट्रांसफर करने के निर्देश दिए। संदेश पर भरोसा कर व्यापारी की फर्म श्री गोविन्द ज्वैलर्स के खाते से आरटीजीएस के जरिए इंडसइंड बैंक के खाते में 52,00,047 रुपए ट्रांसफर कर दिए गए। बाद में पता चला कि व्यापारी ने इस लेन-देन के लिए कोई निर्देश नहीं दिया था और किसी ने बॉस बनकर धोखाधड़ी की थी। इस मामले में साइबर थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने बैंक अधिकारियों से समन्वय कर ठगी की रकम सुरक्षित करवाई। इसके बाद कोर्ट के माध्यम से व्यापारी को पूरी राशि वापस दिलाई गई।

# पौष्टिक भोजन वितरण की पहल शुरू

**जयपुर, ( कांस )।** बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की अपनी साझा प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, एमवे इंडिया ने द अक्षय पात्र फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है, जिसके तहत देशभर में स्कूली बच्चों को 1,62,000 पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाएगा। इस पहल के माध्यम से फाउंडेशन की 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित रसोइयों के माध्यम से भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आठ शहरों में स्वयंसेवी गतिविधियों के माध्यम से एमवे के डिस्ट्रीब्यूटर्स और कर्मचारियों को भी इस पहल से जोड़ा जाएगा। इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, एमवे इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, रजनीश चोपड़ा ने कहा, अच्छा पोषण बच्चों को सीखने, आगे बढ़ने और अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए एक मजबूत आधार देता है।

## सार-समाचार

### चलते टेम्पो में लगी आग, राहगीर की सतर्कता से बची चालक की जान

**जयपुर( कासं )।** हरमाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह लोहामंडी कट के पास चलते लोडिंग टेम्पो में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। राहगीर की सतर्कता और स्थानीय लोगों की तत्परता से चालक की जान बच गई। लोगों ने समय रहते आग पर काबू पाकर बड़ा हादसा टाल दिया। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 10:15 बजे चालक बलवीर तोमर लोडिंग टेम्पो लेकर 200 फीट बाइपास से 14 नंबर रोड की ओर जा रहा था। लोहामंडी कट के पास पहुंचते ही टेम्पो के निचले हिस्से से धुआं उठने लगा। चालक ने शुरुआत में इसे साइलेंसर का धुआं समझकर नजरअंदाज कर दिया। इसी दौरान पास से गुजर रहे एक राहगीर ने वाहन से भारी मात्रा में धुआं निकलता देख शोर मचाकर चालक को सतर्क किया। राहगीर की चेतावनी पर चालक ने तुरंत टेम्पो सड़क किनारे रोका और नीचे उतर गया। उसके बाहर निकलते ही धुएं ने आग का रूप ले लिया। आग बढ़ती देख आसपास के दुकानदारों और राहगीरों ने बाल्टियों व अन्य साधनों से पानी डालना शुरू किया। सामूहिक प्रयासों से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने के कारणों और वाहन को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

### देवेंद्र सिंह को "कुलदीप नैयर समर्पण समाज गौरव" अवॉर्ड



**जयपुर( कासं )।** मानवता और परोपकार के लिए समर्पित समर्पण संस्था की ओर 11वें वैश्विक स्तरीय 'ग्लोबल समर्पण समाज गौरव अवॉर्ड 2026' समारोह का आयोजन किया गया। गोपालपुरा स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के न्यू ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में 15 श्रेणियों में भारत समेत 7 देशों की 40 प्रतिभाओं को सम्मामित किया गया। इसके साथ ही चयनित 16 युवाओं को समर्पण युवा जागृति अवॉर्ड 2026 से नवाजा गया। समारोह में जयपुर के वरिष्ठ पत्रकार देवेंद्र सिंह को पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'कुलदीप नैयर समर्पण समाज गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्यअतिथि जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जयपुर-तृतीय के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर थे, जबकि अध्यक्षता राज्यसभा के पूर्व सांसद रामकुमार वर्मा ने की।

# एसी कमरों से बाहर निकलें, जनता के बीच जाकर देखें सरकार की हकीकत : जूली

**जयपुर, ( कासं )।** राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा के प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया के जयपुर आगमन और उनके द्वारा पार्टी नेताओं के साथ किए जा रहे मंथन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मैंने संजय भाटिया का एक बयान वीडियो में देखा, जिसमें वे कह रहे हैं कि परमात्मा ने अलर्ट किया होगा।

मेरी उन्हें सलाह है कि वे बंद एसी कमरों में बैठकर पार्टी नेताओं के साथ मंथन करने के बजाय आमजन के बीच जाएं और प्रदेश की वास्तविक स्थिति का फीडबैक लें। जनता से सीधे संवाद करेंगे तो उन्हें समझ आएगा कि प्रदेश में भाजपा को लेकर कितनी नाराजगी है। जूली ने कहा कि भाजपा के प्रदेश प्रभारी को ज्यादा मशक्कत करने की जरूरत नहीं है। वे पिछले कुछ समय के अखबार ही पढ़ लें तो उन्हें प्रदेश की जमीनी हकीकत समझ आ जाएगी और अलग से मंथन की आवश्यकता नहीं रहेगी। यदि फिर भी कोई संशय हो तो हमसे पूछ लें, हम उन्हें प्रदेश की स्थिति बता देंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत राज चुनावों के नतीजों ने भाजपा सरकार के कामकाज को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जनता की नाराजगी सामने ला दी है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने रात्रि चौपालों को बड़े आयोजन और इवेंट के रूप में प्रचारित किया, लेकिन जमीनी स्तर पर जनता की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। यही वजह है कि जिन 10 में से 9 पंचायत समितियों में भाजपा को झटका लगा, वहां के नतीजे सरकार के लिए आत्ममंथन का विषय हैं। केवल बैठकों और प्रचार से जनता का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता।जूली ने कहा कि प्रदेश में आज हर वर्ग परेशान है। छात्रवृत्ति और स्कूटी के इंतजार में प्रदेश की बेटियां बैठी हैं। कॉलेज के प्रथम वर्ष में स्कूटी के लिए आवेदन करने वाली छात्राओं को तीसरे वर्ष तक भी स्कूटी नहीं मिल पा रही है। कई छात्राओं की पढ़ाई पूरी हो चुकी है, लेकिन उन्हें अब तक उनका हक नहीं मिला। गार्गी पुरस्कार और पद्माक्षी पुरस्कार जैसी योजनाओं के आवेदन और भुगतान में देरी से मेधावी छात्राओं का मनोबल प्रभावित हो रहा है। एक तरफ भाजपा सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के नारे देती है, दूसरी तरफ बेटियों को उनके अधिकारों के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

- **भाजपा प्रदेश प्रभारी संजय भाटिया सकारात्मक संकेत तलाशने के बजाय आमजन से लें सरकार के कामकाज का फीडबैक, अखबार पढ़ेंगे तो खुद समझ आ जाएगी हकीकत**

# पंचायत चुनाव की हार से भाजपा में हलचल, अब विधायकों से मांगा जाएगा हिसाब

**जयपुर।** राजस्थान में शहरी निकाय चुनावों के बाद पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा की सियासत का गणित बदल दिया है। शहरों में जीत के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को मिले झटके ने सत्ता और संगठन दोनों को आत्ममंथन के लिए मजबूर कर दिया है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद ग्रामीण मतदाताओं के बीच पार्टी का प्रदर्शन कमजोर क्यों रहा? क्या सरकार और संगठन के बीच तालमेल की कमी रही, क्या कार्यकर्ताओं की नाराजगी भारी पड़ी या फिर टिकट वितरण में स्थानीय स्तर पर हुए फैसलों ने पार्टी का नुकसान किया? इन सवालों के जवाब तलाशने के लिए अब जयपुर से दिल्ली तक समीक्षा की तैयारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से लेकर प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजय कुमार तक बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। वहीं, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष की सक्रियता ने प्रदेश नेतृत्व के सामने जवाबदेही का सवाल खड़ा कर दिया है।

पंचायत चुनाव में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के बाद प्रदेश संगठन अब विधानसभा क्षेत्रवार हार के कारणों की पड़ताल में जुट गया है। पार्टी विधायकों और पिछले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे नेताओं से अपने-अपने क्षेत्रों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा जा रहा है। इसमें जिला परिषद और पंचायत समिति के परिणामों के साथ प्रत्याशियों के चयन, स्थानीय नेताओं की भूमिका, बूथ प्रबंधन और कार्यकर्ताओं की नाराजगी का आकलन किया जाएगा।

# डोटासरा ने भरतपुर जिला परिषद के 18 पार्टी मेंबरों की परेड करवाई

**जयपुर, ( कासं )।** भले ही प्रदेश में जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव में कांग्रेस पार्टी को अच्छी सफलता मिली हो लेकिन कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं को जिला प्रमुख और पंचायत समिति के प्रधान के चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग भय सता रहा है, जिसका ताजा उदाहरण यह है कि सोमवार को प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने जयपुर में कांग्रेस के वार रूम में भरतपुर जिला परिषद के 18 वार्ड मेंबरों की मीडिया के सामने परेड करवाई डोटासराने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भरतपुर जिला परिषद में कांग्रेस पार्टी के सिंबल से चुनाव जीते 3 वार्ड मेंबर को उठा लिया गया है, इसी तरह से डीग में भी कांग्रेस पार्टी के चार वार्ड मेंबरों को अपने प्रभाव में लेकर कांग्रेस पार्टी से दूर कर दिया गया है उन्होंने कहा कि भरतपुर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह जिला है, इसलिए मुख्यमंत्री की नाक बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी हर हाल में भरतपुर में अपना बहुमत नहीं होने के बावजूद भी अपनी पार्टी का जिला प्रमुख बनाने के लिए गलत तरीके अपना रही है, फिर देश में लोकतंत्र और संविधान कहां से जिंदा रहेगा ? उन्होंने कहा कि डीग में भी मुस्लिम समुदाय के कांग्रेस पार्टी के चुने हुए चार वार्ड मेंबरों को गलत तरीके से प्रभाव में लेकर कांग्रेस पार्टी से उन्हें दूर किया गया

डोटासरा ने ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी के गलत तरीकों से पार्टी के वार्ड पार्षदों को बचाने के लिए भरतपुर से चोमू में लाकर एक जगह पर उन्हें ठहराया गया, लेकिन चोमू में भी स्थानीय पुलिस के बड़े अधिकारी लगातार हमारी पार्टी के वार्ड मेंबरों से संपर्क करके यह कह रहे हैं कि घर आई लक्ष्मी को क्यों ठुकरा रहे हो? इस तरह से पुलिस के अधिकारियों को भी कांग्रेस पार्टी के वार्ड मेंबरों को तोड़ने के लिए जिम्मेदारी प्रदेश सरकार ने दी हुई है, ताकि भरतपुर में भाजपा का जिला प्रमुख बन सके उन्होंने कहा कि भरतपुर में कांग्रेस पार्टी के जिन तीन पार्षदों को अपने प्रभाव में लिया गया है उनके बारे में कोई यह कह रहा है कि 60 लाख रुपए में सौदा हुआ है, कोई यह कह रहा है कि बहुत बड़ी डील हुई है, अब हकीकत क्या है यह भगवान ही जाने ? लेकिन नगर निकाय चुनाव की तरह भाजपा जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में गलत तरीके अपना रही है, तो फिर देश में संविधान और लोकतंत्र कहां से जिंदा रहेगा ? प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 60 विला खरीदने के मामले में एपीओ चल रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी शिखर अग्रवाल के मामले में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग ने अग्रवाल के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया है, मामले की जांच भी शुरू हो गई है।लेकिन अब तक मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक भी शब्द इस विषय में नहीं बोला है, जबकि उन्होंने ही कंपनी को सरकार की ओर से दी जाने वाली सुविधा और सहायता की फाइल पर सिग्नेचर किए थे, लेकिन इसके बावजूद भी मुख्यमंत्री इस मामले में कुछ भी नहीं बोल रहे।

- **प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को जयपुर में कांग्रेस के वार रूम में भरतपुर जिला परिषद के 18 वार्ड मेंबरों की मीडिया के सामने परेड करवाई, डोटासरा ने कहा कि भरतपुर जिला परिषद के कांग्रेस के तीन और डीग में 4 वार्ड मेंबर को उठा ले गए**

# बाबा साहब के सम्मान पर कांग्रेस को घेरेगी भाजपा, 26 से प्रदेशभर में होंगे आयोजन

**जयपुर( कासं )।** संविधान गौरव दिवस के बहाने भाजपा प्रदेशभर में जनजागरण अभियान चलाकर कांग्रेस को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सम्मान के मुद्दे पर घेरने की तैयारी में है। पार्टी 26 से 29 नवंबर तक प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। इसका मुख्य आयोजन 26 नवंबर को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में होगा। दोपहर 2:30 बजे आयोजित संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ भी शामिल होंगे। भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रो. कैलाश मेघवाल ने बताया कि अभियान के तहत जिला स्तर पर भी कार्यक्रम होंगे। शिक्षा विभाग की ओर से स्कूलों में विशेष प्रदर्शनियां लगाकर विद्यार्थियों को बाबा साहब के जीवन, संविधान निर्माण में उनके योगदान और संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी जाएगी।

प्रो. मेघवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने बाबा साहब को उचित सम्मान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राजनीतिक रूप से भी बाबा साहब को कमजोर करने के प्रयास किए। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस घोषित कर बाबा साहब के योगदान को सम्मान दिया। साथ ही पंचतीर्थ का विकास कर उनके विचारों को नई पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि संविधान गौरव दिवस के कार्यक्रमों के जरिए सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

### राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन : 18वें कॉमन रिव्यू मिशन का राजस्थान दौरा



**जयपुर, ( निसं )।** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 18वें कॉमन रिव्यू मिशन दल 22 से 28 नवम्बर 2026 तक प्रदेश में संचालित की जा रही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन कर रिपार्ट केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को प्रस्तुत करेगा। इस मिशन के तहत विभिन्न राज्यों एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का 14 सदस्यीय दल ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में अधिकारियों के साथ ब्रीफिंग बैठक कर विस्तार से चर्चा की। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जोगाराम ने बताया कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अतिरिक्त आयुक्त मातृ स्वास्थ्य, टीकाकरण व पीसीपीएनडीटी डॉ. पवन कुमार की लीडरशीप में केन्द्रीय दल जयपुर मुख्यालय क्षेत्र सहित झालावाड़ और हनुमानगढ़ जिलों में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों व सेवाओं की क्रियान्विती का अवलोकन करेंगे और निरीक्षण के उपरांत राज्य मुख्यालय पर अधिकारियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे।

## पाक और पंजाब बॉर्डर इलाके में चौकसी बढ़ाई

**श्रीगंगानगर ।** पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से लगातार इंटरनेशनल बॉर्डर पर अशांति फैलाने की गतिविधियों को रोकने के लिए निगरानी बढ़ाई जा रही है। इंटरनेशनल व पंजाब स्टेट बॉर्डर के थाने हिंदुमलकोट में आरएसी की एक प्लाटून को विशेष निगरानी के लिए तैनात किया गया है। यहां भेजे गए 25 आरएसी जवानों के जाब्ते से पंजाब बॉर्डर के तीन संपर्क रास्तों को सील किया गया है। कोनी चौकी में 5 जवानों को भेजा गया है ताकि वहां पर गश्त और निगरानी मजबूत हो सके।

पंजाब राज्य सीमा के गंगनहर के खखां, कोठां और पंजाबा पुळ पर आरएसी के हथियारबंद जवानों को तैनात किया गया है। ये जवान 8-8 घंटे के रोस्टर में 24 घंटे लगातार निगरानी करेंगे। पंजाब की तरफ से आने वाले हर वाहन तथा चालक का रिकॉर्ड रखा जा रहा है। वाहनों की गहनता से तलाशी ली जा रही है ताकि मादक पदार्थ, हथियार अथवा कोई संदिग्ध वस्तु को राज्य में प्रवेश से पहले ही पकड़ा जा सके। आरएसी के तीनों नाकों पर जाब्ते का थाने से एएसआई मालचंद योगी को प्रभारी लगाया गया है। 12 अक्टूबर की रात को रावलामंडी थाना क्षेत्र के एरिया 2-5 केएनएम में 7.750 किलोग्राम आरडीएक्स, 2 पिस्टल, 4 मैग्जीन और 867 कारतूस का जखीरा बरामद किया गया। यहां से दो आरोपियों-जालंधर निवासी सुखविंद्र सिंह तथा फिरोजपुर निवासी लखविंद्र सिंह को गिरफ्तार किया गया।

# डूंगरपुर में दो युवकों का अपहरण करने के दो आरोपी गिरफ्तार

### महिला से अफेयर के शक में की वारदात, कार और वीडियो जब्त

- **पीडित के पिता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी थी कि उनके बेटे के पैर में चोट लगी थी और खून निकल रहा था। इस पर वह एक पडोसी युवक को साथ लेकर जिला अस्पताल में पट्टी करवाने पहुंचे थे।इसी दौरान अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर 2.3 लोगों ने दोनों युवकों के साथ मारपीट शुरू कर दी**

**डूंगरपुर।** जिला अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर से दो युवकों का अपहरण कर काकरादरा के जंगलों में ले जाकर नग्न कर अमानवीय यातनाएं देने और वीडियो बनाने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल कार भी जब्त की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि एक महिला से अवैध संबंध होने के शक में बदला लेने के लिए इस पूरी वारदात को अंजाम दिया गया था। मामले में अब तक चार आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं।

**अवैध संबंधों के शक में रची थी अपहरण की साजिश:** कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि आरोपियों को शक था कि एक महिला के साथ पीडति के अवैध संबंध हैं। इसी बात को लेकर बदला लेने की नीयत से उन्होंने दोनों युवकों को निशाना बनाया और अपहरण की योजना बनाई।

अस्पताल में पट्टी करवाने पहुंचे थे,तभी कार में डालकर ले गए: घटना 27 अक्टूबर की रात करीब 1० बजे की है। पीडित के पिता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दी थी कि उनके बेटे के पैर में चोट लगी थी और खून निकल रहा था। इस पर वह एक पडोसी युवक को साथ लेकर जिला अस्पताल में पट्टी करवाने पहुंचे थे।

इसी दौरान अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर 2.3 लोगों ने दोनों युवकों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उन्हें जबरन कार में डालकर अपहरण कर ले गए। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दोनों युवकों को काकरादरा के जंगलों में ले गएए जहां उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया। आरोपियों ने युवकों को नग्न कर शारीरिक यातनाएं दीं और पूरी घटना के वीडियो भी बनाए। पुलिस जब मौके पर पहुंची, तब भी आरोपी दोनों युवकों को घेरकर उनके साथ अभद्र हरकतें करवा रहे थे और मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन से घटना से जुडे वीडियो भी बरामद किए हैं।

कोतवाली पुलिस ने मामले में पहले अर्जुन पुत्र कमलेश डामोर निवासी वागदरी और टीना पत्नी दिनेश उर्फ अविनाश निवासी भंडारिया को गिरफ्तार किया था। अब पुलिस ने टीना के पति दिनेश पुत्र सवाजी अहारी मीणा निवासी भंडारिया और रवि पुत्र मोहनलाल आमलिया मीणा निवासी बोरी को गिरफ्तार किया है। इस तरह मामले में अब तक चार आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

## स्कूटी में अचानक आग, शादी समारोह में अफरा-तफरी

**भीलवाड़ा ।** पटेल नगर फायर स्टेशन के पीछे आयोजित एक शादी समारोह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब वहां खड़ी एक स्कूटी में अचानक आग लग गई।

- **अग्निशमन कर्मियों के समय रहते एक बड़ा हादसा टला**
- **फायर ब्रिगेड टीम की सूझबूझ से वाहनों तक आग फैलने से रोक लिया**

गनीमत रही कि पास ही स्थित फायर स्टेशन पर तैनात अग्निशमन कर्मियों की तत्परता से समय रहते एक बड़ा हादसा टल गया। शादी समारोह के दौरान अचानक स्कूटी से धुआं और लपटें उठने लगीं। आग की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे फायर इंचार्ज वाजिद अली काजी, फायरमैन बाबूलाल और ठेका फायरमैन लक्ष्मण सिंह ने बिना समय गंवाए मुस्तैदी दिखाई। दमकल टीम ने तुरंत त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही देर में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। फायर ब्रिगेड टीम की सूझबूझ और त्वरित एक्शन के चलते आग को आसपास खडे अन्य वाहनों और समारोह स्थल तक फैलने से रोक लिया गया । जिससे कोई बड़ी जन-धन की हानि नहीं हुई।

# पैंथर ने 11 बकरियों को शिकार बनाया



पैंथर के लगातार हमले के बाद वन विभाग ने पिंजरा लगाया।

**भीण्डर।** भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र के वाणियातलाई गांव में इन दिनों रात का सन्नाटा ग्रामीणों के लिए डर का सबब बन गया है। अंधेरा होते ही पशुपालकों की चिंता बढ़ जाती है और रातभर अपने मवेशियों की रखवाली करना मजबूरी बन गया है। वजह है गांव में लगातार दो रात से सक्रिय एक पैंथर, जो अब जंगल और खेतों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आबादी के नजदीक बने बाड़ों और घरों के कमरों तक पहुंचकर बेजुबान पशुओं को अपना शिकार बना रहा है। दो दिनों में पैंथर ने 11 बकरियों को मार डाला। इस घटना ने पशुपालकों को गहरे सदमे में डाल दिया है। हालात ऐसे हैं कि ठाामीण अब अपने पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए रातभर जागने को मजबूर हैं। वाणियातलाई गांव के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से महज 300 मीटर दूर मोड़ीराम रावत के मकान के पास बने बाड़े में शनिवार रात पैंथर ने हमला कर दिया। तारबंदी से सुरक्षित बाड़े में घुसकर पैंथर ने वहां बंधी छह बकरियों को अपना शिकार बना लिया। इन बकरियों में एक ऐसी बकरी भी शामिल थी, जिसने घटना से महज एक दिन पहले ही बच्चों को जन्म दिया था। मां बनने के अगले ही दिन उसकी जिंदगी का इस तरह अंत हो जाना घटना को और भी मार्मिक बना गया। रविवार सुबह जब पशुपालक मोडीलाल रावत बाड़े में पहुंचे तो वहां का दृश्य देखकर स्तब्ध रह गए। बकरियां मृत अवस्था में पड़ी थीं। एक साथ छह बकरियों की मौत से परिवार को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। घटना की सूचना पर भीण्डर वन विभाग और पुलिस थाने की टीम मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का जायजा लिया। ग्रामीणों की चिंता अभी कम भी नहीं हुई थी कि रविवार रात पैंथर ने फिर हमला कर दिया। इस बार उसने गांव के रामसिंह शक्तावत के मकान को निशाना बनाया। आबादी क्षेत्र से महज 200 मीटर दूर स्थित मकान के कमरे में रोशनदान के रास्ते प्रवेश कर पैंथर ने अंदर बंधी पांच बकरियों पर हमला कर दिया। सोमवार सुबह जब परिवार के लोग कमरे में पहुंचे तो पांचों बकरियां मृत पडी थीं। लगातार दूसरी रात हुई इस घटना ने पूरे गांव में भय का माहौल पैदा कर दिया। अब तक दो रातों में 11 बेजुबान पशुओं की जान जा चुकी है। लगातार हो रहे हमलों को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग ने पैंथर को पकड़ने के लिए दो अलग-अलग स्थानों पर पिंजरे लगाए हैं।

## सीआई के नाम एएसआई ने आरोपी से मांगे 2 लाख

**उदयपुर ।** उदयपुर जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र में शराब ठेके के सेल्समैन से एएसआई द्वारा सीआई हेमंत अहारी के नाम से 2 लाख रुपए रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। शिकायत पर अलसुबह ही एसीबी टीम थाने में पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। एसीबी टीम पहुंचने के बाद से एएसआई रणजीत और कांस्टेबल कैलाश मीणा थाने से गायब हैं।

एसीबी स्पेशल यूनिट के एएसपी राजीव जोशी के निर्देशन में टीम पड़ताल में जुटी है और पुलिसकर्मियों से इस संबंध में पूछताछ की जा रही हैं। सूचना मिलते ही आसपास थाना सर्कल में हडकंप मच गया। ऋषभदेव डीएसपी अर्जुन सिंह राठौड़ को भी मौके पर बुलाया गया।

एसीबी एएसपी राजीव जोशी का कहना है कि वे इस मामले की रिपोर्ट तैयार कर एसीबी मुख्यालय भेज रहे हैं। जहां से नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिसकर्मियों द्वारा ये कहा कि अगर पैसे की व्यवस्था कर दोगे तो पाबंद करके छोड़ देंगे। ऐसे में आरोपियों से पैसे देने पर सहमति बनी। आरोपियों ने फोन पर अपने एक मित्र को पैसे की व्यवस्था करने के लिए कहा। जिसके बाद ये मामला तुरंत एसीबी के पास चला गया। फिर आरोपियों का साथी तय राशि से कम रुपए लेकर थाने पहुंचा। उसके कपड़ों में ऑडियो रिकॉर्डर लगा हुआ था।थाने में पुलिसकर्मी डिमांड के अनुसार पैसे कम लाने पर नाराज हुए। उन्होंने युवक के कपड़ों में लगी ऑडियो रिकॉर्डर डिवाइस देख ली और उसे भी थाने में ही बैठा लिया। डिवाइस मिलने के बाद एएसआई और कांस्टेबल को एसीबी की भनक लग चुकी थी, ऐसे में वे एसीबी टीम के पहुंचने से पहले थाने से गायब हो गए।

# गहलोत 2033 की चिंता छोड़ सेहत का ध्यान रखें : शेखावत

- **केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री बोले, 2028 में फिर भाजपा की सरकार बनेगी**
- **राजनीति में काम करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को महत्वाकांक्षी होना चाहिए और मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार रहना चाहिए, लेकिन राजस्थान में भाजपा वर्ष 2028 में भी सरकार बनाएगी**
- **शेखावत ने बताया कि चुनावी परिणामों को लेकर पार्टी में विभिन्न स्तरों पर समीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिला, संभाग और प्रदेश स्तर पर चर्चा की जा रही है।**

**जोधपुर,** (कासं)। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के एक बार फिर मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताने संबंधी बयान पर तीखा राजनीतिक तंज कसा। उन्होंने कहा कि राजनीति में काम करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को महत्वाकांक्षी होना चाहिए और मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार रहना चाहिए, लेकिन राजस्थान में भाजपा वर्ष 2028 में भी सरकार बनाएगी। ऐसे में वर्ष 2033 की चिंता करने के बजाय गहलोत को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए।

सोमवार को जोधपुर प्रवास के दौरान मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि गहलोत कांठोस के वरिष्ठतम नेताओं में हैं, ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जताना अनुचित नहीं है। हालांकि, कांठोस में मुख्यमंत्री पद को लेकर क्या निर्णय होगा, इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

चुनावी नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए शेखावत ने कहा कि भाजपा जनता के जनादेश को शिरोधार्य करती है। डबल इंजन सरकार होने और बड़ी संख्या में जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों के क्रियान्वयन के बावजूद अपेक्षित चुनावी परिणाम नहीं मिलना पार्टी के लिए आत्ममंथन का विषय है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि सरकार के कामकाज और जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश आखिर जनता तक प्रभावी ढंग से क्यों नहीं पहुंच पाया।

उन्होंने कहा कि भाजपा ऐसी पार्टी है, जहां जीत और हार दोनों परिस्थितियों में गंभीरता से समीक्षा करने की परंपरा रही है। पार्टी जीत के बाद भी आत्मसंतुष्ट नहीं होती और हार के बाद भी निराश होकर नहीं बैठती। प्रत्येक परिणाम को भविष्य में बेहतर काम करने के अवसर के रूप में लिया जाता है।

शेखावत ने बताया कि चुनावी परिणामों को लेकर पार्टी में विभिन्न स्तरों पर समीक्षा की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिला, संभाग और प्रदेश स्तर पर चर्चा की जा रही है। सभी स्तरों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर कमियों का आकलन किया जाएगा और आगे की रणनीति तैयार होगी। पार्टी के जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को भी इस बात पर विचार करना होगा कि सरकार की योजनाओं और नीतियों का लाभ आम लोगों तक पहुंचने के बावजूद उनके प्रति अपेक्षित जनसमर्थन क्यों नहीं बन पाया।

उन्होंने कहा कि चुनावी परिणामों को लेकर कार्यकर्ताओं के उत्साह में कोई कमी नहीं है। भाजपा संगठन के स्तर पर अपनी कमजोरियों को दूर करते हुए आगे बढ़ेगी। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और सरकार के कामकाज को प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाना पार्टी की प्राथमिकता रहेगी। ईवीएम और मतदाता सूची को लेकर विपक्ष की ओर से लगाए जा रहे आरोपों पर केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जो लोग चुनाव से पहले ईवीएम, गणेश कुमार और मतदाता सूची को लेकर लगातार सवाल उठा रहे थे, अब उनसे ही सवाल पूछे जाने चाहिए। चुनावी नतीजों के बाद भी इस तरह के आरोपों को दोहराने के बजाय विपक्ष को अपने सवालों और दावों का जवाब देना चाहिए। शेखावत ने कहा कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद आरोपों की राजनीति करने के बजाय विपक्ष को अपने रुख और बयानों पर जवाबदेही तय करनी चाहिए।

## विधायक कोठारी ने स्टाम्प ड्यूटी में राहत के लिए सीएम को पत्र लिखा

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा विधायक अशोक कुमार कोठारी ने प्रदेश के गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर वित्तीय संस्थाओं से ऋण पर लगने वाली रजिस्ट्रेशन फीस में संशोधन करने की मांग की है। उन्होंने वित्त विभाग (कर अनुभाग) की 11 फरवरी 2026 की अधिसूचना में निर्धारित पंजीयन शुल्क पर पुनर्विचार कर इसे स्टाम्प ड्यूटी के समान करने का आग्रह किया है।

विधायक कोठारी ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में बताया कि राज्य सरकार के वित्त विभाग की 10 जुलाई 2024 की अधिसूचना के अनुसार सारिणी की स्तंभ संख्या 2में वर्णित लिखतों पर अनुसूची के क्रमांक 3 में ऋण संबंधी पंजीयन शुल्क की दरें निर्धारित थीं। ऋण पर निर्धारित प्रावधानों के अनुसार एक प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस तय की गई थी, जिसमें अधिकतम शुल्क 25 हजार रुपये था। उन्होंने बताया कि 11 फरवरी 2026 को जारी नई अधिसूचना में अनुसूची संख्या-2 के क्रम संख्या-4 में एक लाख रुपये तक के ऋण पर 0.50 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है, जबकि इस पर देय स्टाम्प ड्यूटी 0.25 प्रतिशत है। कोठारी ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था के कारण आमजन को मकान निर्माण, कृषि कार्य, भूमि सुधार, छोटे-मोटे कारोबार एवं अन्य आवश्यकताओं के लिए ऋण लेने में अतिरिक्त आर्थिक भार उठाना पड़ रहा है।

# यूडी टैक्स बकाया होने पर तीन शोरूम सीज

- **यूडी टैक्स 2007 से बकाया चल रहे थे। इधर, नगर निगम की टीम की ओर से बकाया यूडी टैक्स वालों को नोटिस और बिल भेजा जा रहा है।निगम द्वारा सीज किया गया हीरो शो रूम पूर्व कैबिनेट मंत्री रामसिंह विश्नोई की पत्नी के नाम पर रजिस्टर्ड है**

**जोधपुर,** (कासं)। नगर निगम की ओर से यूडी टैक्स बकाया को लेकर नोटिस और सीज की कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में निगम ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए यूडी टैक्स बकाया होने पर तीन शोरूम पर सीज की कार्रवाई की गई।

इनमें एक बाइक शोरूम का 18 लाख बकाया था, जिसे सीज किया गया। हालांकि, कार्रवाई के बाद टैक्स जमा करवा दिया गया। यूडी टैक्स 2007 से बकाया चल रहे थे। इधर, नगर निगम की टीम की ओर से बकाया यूडी टैक्स वालों को नोटिस और बिल भेजा जा रहा है।

निगम द्वारा सीज किया गया हीरो शो रूम पूर्व कैबिनेट मंत्री रामसिंह विश्नोई की पत्नी और लूणी पूर्व विधायक महेंद्र विश्नोई की दादी अमरीदेवी के नाम पर रजिस्टर्ड है। इस कार्रवाई के बाद महेंद्र विश्नोई ने कहा कि ये कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। लूणी विधानसभा में पंचायत चुनावों में हार से सरकार बौखलाई हुई है। नगर निगम उपायुक्त रणवीर देथा ने बताया कि महिंद्रा हीरो के शोरूम संचालक अमरीदेवी का 2007 से करीब 18 लाख 82 हजार 352 रुपए का यूडी टैक्स बकाया था।

संबंधित शोरूम संचालकों को बकाया राशि जमा करवाने के लिए पूर्व में 3 से 4 बार नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद बकाया राशि जमा नहीं करवाई गई। उन्होंने बताया कि करीब एक सप्ताह पहले भी अंतिम नोटिस दिया गया था। जब बकाया राशि जमा नहीं करवाई तो नगर निगम की टीम ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शोरूम को सीज कर दिया।

उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के बाद बकाया टैक्स जमा करवा दिया गया है। इसके अलावा शहर के सरदारपुरा स्थित एक ज्वेलर शोरूम जिसका 19.49 लाख और एक झालामंड पाली रोड स्थित एम्पोरियम पर कार्रवाई की गई।

जोधपुर नगर निगम की ओर से 1500 प्रॉपर्टी मालिकों को नोटिस दिया गया है। इनमें 1400 तो वे लोग है, जिन्हें 15 दिन का चेतावनी नोटिस जारी किया गया है और 100 लोगों को अंतिम तीन दिन का नोटिस भेजा गया है, ताकि समय पर यूडी टैक्स जमा करवा सके। नगर निगम ने बकाया यूडी टैक्स को लेकर अभियान शुरू कर दिया है। निगम सभी को नोटिस और बिल भेज रही है। निगम की ओर से वॉट्सएप पर भी प्रॉपर्टी मालिकों को बकाया बिल भेजकर टैक्स जमा करवाने के लिए कहा है।


**कार्यालय नगर निगम, भरतपुर**

क्रमांक :- न.नि.भ./विद्युत/2026-27/17771 दिनांक :- 13.11.2026

**ई-निविदा सूचना-**

नगर निगम, भरतपुर द्वारा विद्युत सम्बन्धित कार्य कराये जाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा समय सांय 6.00 बजे तक दिनांक 20.11.2026 से 02.12.2026 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की महत्वपूर्ण शर्तें एवं विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं ://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखा जा सकता है। कार्य की अनुमानित लागत 199.57 लाख रू0 है।

UBN Number:-
DLB2627WSOB24820

आयुक्त
नगर निगम, भरतपुर

राज.संवाद/सी/26/13564

**कार्यालय नगर पालिका,जैतारण (ब्यावर)**

क्रमांक/नपाजै/विकास/ईनिविदा/2026/3548 दिनांक :-18.11.2026

**:: ई-निविदा सूचना ::**
**(NIB NO. DLB2627A9840)**

नगर पालिका जैतारण की ओर से नगर पालिका जैतारण एवं राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई- प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है। नगर पालिका क्षैत्र के कुल 01 कार्य अनुमानित लागत 75.22 (लाख) रू की निविदा बेचे जानी प्रारम्भ की दिनांक 20.11.2026 एवं 10.12.2026 प्राप्त करने की दिनांक निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajashtan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है ।

राज.संवाद/सी/26/13580 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

**AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED**
Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482 (Regd. Office: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004) Office of The Superintending Engineer (MM) Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004)

**SHORT TERM "E" TENDRING INVITING TENDER NOTICE**

"E"- TENDERING ARE INVITED FOR EHV GRADE TYPE-II TRANSFORMER OIL TN-2155, EMD and date of uploading /opening of tender and G.C.C. etc WILL be available at web site www.avvnl.com & http://www.shpp.rajasthan.gov.in or http://www.eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app.

Superintending Engineer (MM)
AVVNL, Ajmer

Raj.Samwad/C/26/13528

**अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर**
टोडरमल रोड, सिविल लाईंस, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 25546164 दिनांक :- 23/11/2026

**ई-निविदा सूचना संख्या 36-37/2026-27**

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 1423.92 लाख की ई-निविदा 36 क्रम संख्या (1) दिनांक 17.12.2026, क्रम संख्या (2-4) दिनांक 07.12.2026 एवं ई-निविदा 37 क्रम संख्या (1) दिनांक 11.12.2026 प्रातः 11 बजे, क्रम संख्या (2) दिनांक 07.12.2026 सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

NIT 36 UBN : AJD2627WSOB00190 - 00192, AJD2627SSOB00193
NIT 37 UBN : AJD2627WLOB00194, AJD2627WSOB00195

राज.संवाद/सी/26/13532 अधिशाषी अभियन्ता

**Government College Nadauti (Karauli)**

Date 18-11-2026

**NOTICE INVITING BIDS**
UBN NO: Goods/2026-27/0090/015

Bids for COMMISSIONING OF SMART CLASS GOVT COLLEGE NADAUTI are invited from interested bidders up to 27-11-2026 05:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://shpp.rajasthan.gov.in) of the state and respective department's website. The approximate value of procurement is INR 19,60,000.00

Thanking you
Yours faithfully
Dr. Ballu Ram Meena
Principal
Govt College Nadauti
College Education Department, Jaipur
Email- govtcollegenadauti@gmail.com
Contact No. 8094871193

प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
नादौती जिला-करौली

DIPR/C/18557/2026

**कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता**
**जन स्वा. अभि. विभाग वृत-दौसा**

Address:-khan bhakri Road Dausa, Email ID-se.dau.phed@rajasthan.gov.in
SE Dausa /DIPR/NIT-19-20/2026-27/5842-52 Date:-17/11/2026

**निविदा संख्या 19 से 20/2026-27 संशोधन आदेश**

इस कार्यालय के पत्रांक 5434-40 दिनांक 14.10.2026 के द्वारा निविदा संख्या 19-20/2026-27 आमंत्रित की गई थी जिसमे इस कार्यालय के पत्रांक 5754-61 दिनांक 05.11.2026 के द्वारा संशोधन नं. 1 किया गया था, उक्त संशोधन का प्रकाशन नही होने के कारण निविदा संख्या 19 से 20/2026-27 की पूर्व मे निर्धारित तिथियों मे निम्न विवरण अनुसार संशोधन किया जाता है।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | पूर्व मे निर्धारित तिथि | | संशोधित तिथि | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि | तकनिकी बिड खोलने की तिथि | निविदा अपलोड की संशोधित अन्तिम तिथि | तकनिकी बिड खोलने की संशोधित तिथि |
| 1 | 19-20/2026-27 | 23.11.2026 सॉय 6.00 बजे तक | 25.11.2026 3.00 पी.एम | 30.11.2026 सॉय 6.00 बजे तक | 01.12.2026 3.00 पी.एम |

निविदा की अन्य शर्ते निविदा प्रपत्र व पूर्व मे जारी संधोधन के अनुसार रहेगी।

NIB Code PHE2627A3164
UBN No. PHE2627WSOB06650
UBN No. PHE2627WSOB06651

अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वा. अभि. विभाग,
वृत दौसा

DIPR/C/18533/2026


## पंजाब से राजस्थान ला रहे 5 करोड़ की हेरोइन जब्त

**श्रीगंगानगर ।** राजस्थान-पंजाब बॉर्डर पर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक महिला भी शामिल है। तीनों आरोपी एक ही बाइक पर सवार होकर पंजाब से हेरोइन की खेप सप्लाई करने राजस्थान आए थे।

कार्रवाई जिला स्पेशल टीम और हिन्दुमलकोट थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से देर रात करीब 11:30 बजे की। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पंजाब के तस्कर श्रीगंगानगर जिले में हेरोइन की सप्लाई देने आने वाले हैं। इस पर डीएसटी और हिन्दुमलकोट पुलिस ने थाना क्षेत्र के कोठा पुल के पास नाकाबंदी की। इस दौरान एक बाइक पर आ रहे तीन संदिग्धों को रोककर तलाशी ली गई, तो उनके पास से करीब आधा-आधा किलो के दो पैकेट (कुल एक किलो) हेरोइन बरामद हुई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस हेरोइन की कीमत करीब 5 करोड़ रुपए आंकी गई है।

पुलिस ने मौके से फाजिल्का (पंजाब) के शमसाबाद निवासी गुरजंट सिंह (23), शमशावाला निवासी सुखचेन उर्फ पम्मा (34) और सर्वर खुइयां (पंजाब) निवासी शिला बाई (45) को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। डीएसटी प्रभारी रामविलास बिश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से कड़ी पूछताछ की जा रही है।

# बूंदी में नेहरू उद्यान से पंडित नेहरू की प्रतिमा हटाने पर बवाल

### पीसीसी सदस्य चर्मेश शर्मा की प्रतिमा हटाने वालों से तीखी झड़प, कांग्रेस पदाधिकारियों ने पुलिस में दी शिकायत

**बूंदी** (निसं)। बूंदी में नेहरू उद्यान से देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा हटाने के बाद सोमवार जोरदार हंगामा और विवाद हो गया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेहरू उद्यान पहुंचकर पंडित जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा हटाने वाले कर्मचारियों के समक्ष कड़ा आक्रोश जताया।शर्मा ने प्रतिमा हटाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को को जमकर खरी खोटी सुनाई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं की प्रतिमा हटाने वाले कर्मचारियों से तीखी झड़प हुई।



कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जेसीबी पर चढ़ कर काम रुकवाया।

- **आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने काम रुकवाने के बाद प्रतिमा हटाने वाले अधिकारियों कर्मचारियों से नेहरू प्रतिमा को हटाने का लिखित आदेश दिखाने को कहा।**

नेहरू उद्यान से प्रतिमा हटाने के बाद चर्मेश शर्मा के साथ नेहरू उद्यान पहुंचे आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जेसीबी पर चढ़ कर काम रुकवा दिया और विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने जेसीबी पर चढ़ कर नेहरू जी का यह अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, पंडित नेहरू अमर रहे के जमकर नारे लगाये। इस दौरान युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव पार्षद अंकित बुलीवाल, शाहनवाज़ अंसारी, युवा कांग्रेस जिला महासचिव समीर पठान, ब्लॉक उपाध्यक्ष गुलाम यज़दानी, सत्यम वैष्णव, अरशान अली, अल्तमश रहमान आदि उपस्थित रहे। आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने काम रुकवाने के बाद प्रतिमा हटाने वाले अधिकारियों कर्मचारियों से नेहरू प्रतिमा को हटाने का लिखित आदेश दिखाने को कहा। इसके बाद कर्मचारियों ने कहा कि उनके पास प्रतिमा हटाने का लिखित आदेश है। काफी देर तक कर्मचारी कि अभी आदेश मंगवा रहे हैं लेकिन दो घंटे तक कोई लिखित आदेश नहीं दिखा पाये। देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित मोहनलाल नेहरू की प्रतिमा को बिना नगर परिषद की बोर्ड मीटिंग में प्रस्ताव के और बिना वैधानिक अनुमति के अवैधानिक तरीके से हटाने का मामला पुलिस में भी पहुंच गया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य व राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा व नगर परिषद के पार्षद अंकित बूलीवाल ने थाना कोतवाली पहुंचकर ड्यूटी ऑफिसर को लिखित शिकायत सौपते हुये इस मामले में मुकदमा दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग की है।

राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य चर्मेश शर्मा ने कहा कि जिस स्थान का नाम ही देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के नाम पर नेहरू उद्यान रखा गया है वहां से एक क्षण के लिए भी पं जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा कोहटानादुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नेहरू प्रतिमा को तत्काल सेससम्मानस्थापित किया जाना चाहिये। इस मामले में तीन दिन में कार्यवाही नहीं हुयी तो उग्र आंदोलन किया जायेगा।

## भारतमाला हाईवे पर दुर्घटना में सरकारी टीचर दंपती की मौत

**जालोर,** (कासं)। जालोर के सांचोर स्थित भारतमाला एक्सप्रेसवे पर सडक दुर्घटना में सरकारी टीचर दंपती के शव मार्ग पर पडे मिले।

पूर्व सांसद देवजी पटेल ने एक्सप्रेसवे से गुजरते समय सडक किनारे क्षत-विक्षत शव पडे देखा तो कार रुकवाई और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। सरकारी शिक्षक दम्पती मोटरसाईकिल से जा रहे थे, तभी घटना सांचौर और देवडा के बीच चौरा सरहद के पास सोमवार सवेरे करीब 11.3० बजे सामने से आ रहे वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे दोनो की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान राजुराम बिश्नोई (43) पुत्र हेमाराम बिश्नोई और मंजू बिश्नोई (41) निवासी हेमागुडा, सांचौर के रूप में हुई है। सांचौर थानाधिकारी नाथू सिंह ने बताया कि पूर्व सांसद देवजी पटेल से घटना की सूचना म

# वनस्थली विद्यापीठ में आयोजित ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन संपन्न

## वनस्थली विद्यापीठ का ब्रिक्स देशों की संस्थाओं के साथ ''वनस्थली सेन्टर फॉर ग्लोबल वीमन लीडरशिप स्थापना हेतु हुआ एमओयू

**जयपुर( कासं )।** वनस्थली विद्यापीठ द्वारा आयोजित पांच दिवसीय ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का समापन समारोह वनस्थली परिसर में हुआ। इस सम्मेलन के विविध सत्रों में विभाजित यह शिखर सम्मेलन ब्रिक्स देशों में महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक समन्वय और नवाचारमूलक अनुसन्धान में पारस्परिक सहयोग पर केन्द्रित रहा। अलग-अलग सत्रों में इक्कीसवीं सदी में ब्रिक्स देशों की महिलाओं की राजनीति, उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यिमता, प्रशासन, सामाजिक विकास आदि के क्षेत्र में नेतृत्व विकास को आधार बना कर व्यापक चर्चा हुई। ब्रिक्स देशों में नेतृत्व के अवसरों में असमानता, आर्थिक संसाधनों तक सीमित पहुँच, निर्णय निर्माण में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व तथा सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएँ अनेक चुनौतयों को लेकर मंथन के उपरान्त इसके लिए पारस्परिक सहयोग को लेकर भविष्य में योजना बनाकर कार्य करने की सहमति बनी।



वनस्थली परिसर में ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का समापन समारोह हुआ।

उद्घाटन सत्र में माननीय लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला ने शिरकत करते हुए वनस्थली विद्यापीठ की पिछले नौ दशकों से महिला शिक्षा व उनके उत्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मेलन महिला नेतृत्व क्षमता विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह सम्मेलन वैश्विक शांति, वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए किए जा रहे साझा प्रयासों के लिए जाना जाएगा। विशेष रूप से तकनीकी, अनुसन्धान, शिक्षा, मानव कल्याण, सामाजिक सुरक्षा एवं नैतिक बल से ही महिला नेतृत्व का विकास सम्भव होगा।

सेनेझ मैनेजमेंट वर्कशॉप के फर्स्ट वाइस रेक्टर सर्गेई बोचारोव ने कहा कि ब्रिक्स महिला सम्मेलन पिछले दस सालों से रूस में आयोजन के पश्चात वनस्थली विद्यापीठ, भारत में आयोजन होना ब्रिक्स देशो में महिला नेतृत्व विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस सम्मेलन से नई परम्परा का आगाज़ हुआ है।''प्रेसिडेंटशियल प्लाटफार्म, रशिया-द कंट्री ऑफ ओपरचुनिटिस केडायरेक्टर ऑफ़ रीजनल एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन वसीली बोकोव ने कहा कि वनस्थली विद्यापीठ

- **सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में माननीय लोक सभा अध्यक्ष, ओम बिरला ने शिरकत की**

में महिला शिक्षा और महिला नेतृत्व विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहा है। यह इसके संस्थापकों की दूरदर्शिता का ही परिणाम है। यह सम्मेलन इसी विज़न को वैश्विक स्तर पर इस कार्य को आगे बढ़ाने में सहायक होगी।''

प्रो. अंशुमान शास्त्री, निदेशक, सेण्टर फॉर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस एवं हेड, इंटरनेशनल रिलेशनस द्वारा विद्यापीठ में ''वनस्थली सेन्टर फॉर ग्लोबल वीमन लीडरशिप की स्थापना की घोषणा इस दिशा में उठाया गया कदम वनस्थली विद्यापीठ में महिला नेतृत्व विकास की दिशा में क्रांतिकारी पहल है। यह वैश्विक स्तर पर महिला शिक्षा सशक्तिकरण और महिला नेतृत्व विकास के लिए प्रतिबद्ध होगी। इस सम्मेलन की विशेषता अकादमिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक भी रही।

## एम्सटर्डम में डॉ.अशोक गुप्ता का संबोधन




**एम्सटर्डम, नीदरलैंड ( निसं )।** भारत के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और दुर्लभ रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता ने एम्सटर्डम में आयोजित इंटरनेशनल नियोनेटोलॉजी एसोसिएशन के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य व्याख्यान दिया। सम्मेलन का मुख्य विषय था - नवजात शिशुओं की उत्तरजीविता में सुधार और नवजातों में दुर्लभ मेटाबॉलिक रोगों की शीघ्र पहचान। अपने संबोधन में डॉ. गुप्ता ने कहा कि दुनिया भर में हर साल लाखों नवजात शिशु केवल इसलिए जान गंवाते हैं क्योंकि उनकी बीमारी समय पर पकड़ी नहीं जाती। भारत जैसे देशों में मेटाबॉलिक रोग - जैसे एमिनो एसिड, फैटी एसिड ऑक्सीडेशन और लाइसोसोमल विकार - अक्सर देर से पकड़े जाते हैं, जब तक मस्तिष्क को नुकसान हो चुका होता है।

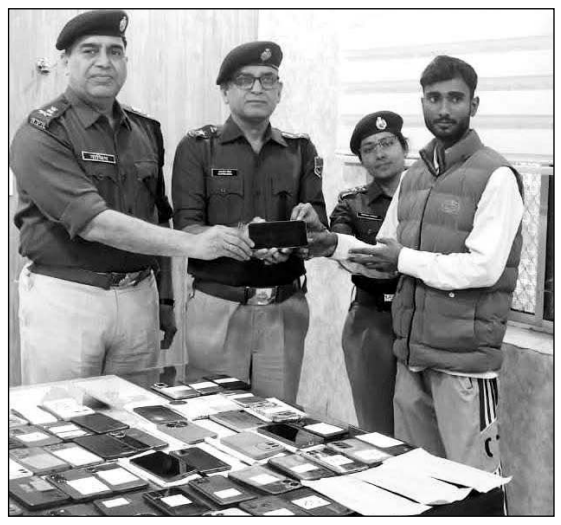
उन्होंने नवजात स्क्रीनिंग को सभी देशों में अनिवार्य बनाने, जन्म के 48 घंटे के भीतर हील प्रिक टेस्ट, रैपिड जीनोम सीक्वेंसिंग और एआई आधारित प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

## सार-समाचार

### किशोरी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले अभियुक्त को सजा

**जयपुर, ( कासं )।** जिले के सत्र न्यायालय ने किशोरी को डरा-धमकाकर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले अभियुक्त महिपाल मीणा को सात साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने बीस साल के इस अभियुक्त पर 20 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक सुरेश कुमार शर्मा ने अदालत को बताया की 17 साल की मृतका के ताऊ ने 3 मई, 2018 को चंदवाजी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें जांच कर अदालत ने अभियुक्त को 17 जून को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया था। इसके साथ ही अदालत ने नाबालिग के खिलाफ भी बाल न्यायालय में चालान पेश किया था। पुलिस अनुसंधान में आया कि अभियुक्त नाम बदलकर मृतका को फोन करता था। इसे बाद में दोनों में जान-पहचान हो गई थी। अभियुक्त उसे बार-बार अपने पास बुलाता था, जब वह नहीं जाती तो अभियुक्त उसे धमकियां देता था। जिससे पीडिता ने 02 मई, 2018 को ओढनी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

### 33 लाख रुपये कीमत के 111 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद



**कोटपूतली, ( कासं )।** कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस ने तकनीकी दक्षता और मुस्तैदी का परिचय देते हुए आमजन के गुम हुए मोबाईल फोन ढूंढने में बड़ी सफलता हांसिल की है। पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाकर करीब 33 लाख रुपये की अनुमानित कीमत के 111 गुमशुदा मोबाईल फोन बरामद किए हैं। सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने पुलिस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी मोबाईल फोन उनके वास्तविक मालिकों (परिवादियों) को सुपुर्द किए। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश के निर्देशानुसार तथा जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के मार्गदर्शन में जिले भर में गुमशुदा मोबाईलों की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया गया। साईबर थाना अधिकारी के सुपरविजन में जिला साईबर सेल और जिले के समस्त पुलिस थानों की टीमों ने कड़ी मेहनत व आधुनिक तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए इन 111 मोबाईलों को ट्रेस कर बरामद किया। जब पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह ने परिवादियों को उनके खोए हुए मोबाईल सौंपे तो लंबे समय से अपने फोन मिलने की आस खो चुके लोगों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। मोबाईल वापस पाने वाले नागरिकों ने जिला पुलिस की इस तत्परता और सराहनीय पहल के लिए पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया। जिला पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी का मोबाईल फोन गुम हो जाए तो बिना किसी देरी के तुरंत संबंधित पुलिस थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाएं। साथ ही फोन के दुरुपयोग को रोकने और उसे ट्रेस करने के लिए भारत सरकार के पोर्टल के माध्यम से मोबाईल नंबर और को तुरंत ब्लॉक करवाएं। इस दौरान एएसपी नाजिम अली खान समेत पुलिसकर्मी व परिवादी मौजूद रहें।

## प्रदेश की बेटियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाएगी पुलिस

- **राजस्थान पुलिस और शिक्षा विभाग के बीच एमओयू संपन्न,**
- **प्रदेश के 36,765 राजकीय विद्यालयों में संचालित होगा रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम**

**जयपुर, ( कासं )।** राजस्थान में बालिकाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में राजस्थान पुलिस एवं स्कूल शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की 23.32 लाख बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए सोमवार को राजस्थान पुलिस और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) संपन्न हुआ। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस की ओर से एडीजी कम्युनिटी पुलिसिंग श्रीमती लता मनोज कुमार तथा शिक्षा विभाग की ओर से राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद डॉ. रश्मि शर्मा ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस पहल के तहत शैक्षिणक सत्र 2026-27 में प्रदेश के 36,765 राजकीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 12 तक अध्ययनरत बालिकाओं को रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाते हुए उनमें आत्मविश्वास और आत्मरक्षा की क्षमता विकसित करना है, ताकि वे घर, विद्यालय और सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें महानिदेशक पुलिस शर्मा ने कहा कि इस पहल से प्रदेश के सभी जिलों में विद्यालय स्तर पर बालिका सुरक्षा के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा मिलेगा।

## सिरोही जिले की पांच तहसीलें गंभीर सूखाग्रस्त घोषित

**जयपुर, ( कासं )।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनके कल्याण और आर्थिक संबल के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल संवत् 2083 (वर्ष 2026) में सूखे से प्रभावित सिरोही जिले की पांच तहसीलों को गंभीर सूखाग्रस्त घोषित करने के निर्देश दिए हैं।

राजस्व विभाग द्वारा ग्राउंड ट्रूथिंग करवाए जाने पर सिरोही जिले की पांच तहसीलें आबूरोड, देलदर, पिण्डवाड़ा, रेवदर एवं सिरोही गंभीर सूखाग्रस्त श्रेणी में पाई गईं। अधिसूचना जारी होने के पश्चात इन अभावग्रस्त तहसीलों में एसडीआरएफ के मानदंडों के अनुसार कृषि आदान-अनुदान वितरण एवं अन्य राहत गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। राजस्थान में मानसून सत्र में औसत वार्षिक वर्षा से लगभग 20 प्रतिशत कम होने के कारण पूर्व में कुल 15 जिलों की 87 तहसीलों को भी सूखाग्रस्त घोषित किया जा चुका है।

## मध्यकालीन ऋण कन्वर्जन में देरी पर सहकारी बैंक यूनियन ने ज्ञापन दिया

- **चार कमजोर सीसीबी जैसलमेर नागौर डूंगरपुर पाली को नाबार्ड से पुनर्वित्त देने की मांग : आमेरा**

**जयपुर,( कासं )।** प्रदेश के सहकारी बैंक कर्मचारी-अधिकारी वर्ग के संगठन ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्पलाईज यूनियन एवं ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सहकारिता मंत्री, शासन सचिव सहकारिता विभाग एवं रजिस्ट्रार सहकारी समितियां, राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौंपकर खरीफ-2026 में फसल खराबे के कारण अल्पकालीन फसली ऋणों को मध्यकालीन ऋणों में परिवर्तित करने की प्रक्रिया को मिशन मोड में प्रारम्भ करवाने की मांग की है।

ज्ञापन में लिखा है कि- दि राजस्थान स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लि. के पत्र दिनांक 13.11.2026 द्वारा 15 जिलों - ब्यावर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, बालोतरा, चूरू, बीकानेर, डूंगरपुर, जैसलमेर, जोधपुर, जालोर, फलोदी, नागौर, पाली, राजसमन्द, सिरोही की कुल 87 तहसीलों में अभावग्रस्त घोषित क्षेत्र में वितरित अल्पकालीन फसली ऋणों को मध्यकालीन ऋणों में परिवर्तित करने के निर्देश जारी हो चुके हैं। किन्तु आज दिनांक तक धरातल पर प्रक्रिया अपेक्षित गति से प्रारम्भ नहीं हुई है।उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि किसान कर्ज के बोझ, वसूली के दबाव और मानसिक तनाव में है। समय पर कन्वर्जन नहीं हुआ तो किसान डिफाल्टर होगा, समिति/बैंक का बढ़ेगा और सहकारी साख आंदोलन को अपूरणीय क्षित होगी।

आमेरा ने ज्ञापन में सरकार और सहकारी विभाग से माँग की है कि समिति स्तर पर आवेदन, प्रस्ताव, साख सीमा स्वीकृति एवं अपेक्स बैंक को प्रस्ताव भिजवाने की कार्यवाही सर्वोच्च प्राथमिकता पर शुरू की जाए। 16.11.2026 की समय सीमा निकल चुकी है, अत: नई समयबद्ध तिथि घोषित की जाए।

**आमेरा ने विशेष रूप से 4कमजोर सीसीबी:** जिन बैंकों की सीआरएआर 9 से कम है, उन्हें पुनर्वित्त हेतु अपात्र माना गया है। पाली, जैसलमेर, डूंगरपुर एवं नागौर - इन 4 बैंकों को नाबार्ड से पूनर्वित्त करने की माँग की गई है । संगठन ने कहा - यह अत्यन्त अन्यायपूर्ण है। इन्हीं जिलों के किसान सबसे अधिक प्रभावित हैं। यदि इन बैंकों को पुनर्वित्त नहीं मिलेगा तो इन जिलों के किसान कन्वर्जन से वंचित रह जाएंगे। अत: राज्य सरकार, रजिस्ट्रार एवं अपेक्स बैंक, नाबार्ड से विशेष अनुरोध/सिफारिश कर इन 4 बैंकों के लिए भी पुनर्वित्त उपलब्ध करवाएं। आवश्यकता हो तो राज्य सरकार की गारंटी / विशेष पैकेज का प्रस्ताव नाबार्ड को भेजा जाए। किसी भी किसान को बैंक की कमजोर की सजा नहीं मिलनी चाहिए।

### फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल जयपुर में घुटनों का सफल प्रत्यारोपण

**जयपुर, ( कासं )।** फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर में 74 वर्षीय महिला मरीज श्रीमती सरोज शर्मा का दोनों घुटनों का सफल टोटल नी रिप्लेसमेंट आधुनिक टू काइनेमैटिक अलाइनमेंट एवं मेडियल पिवट तकनीक से किया गया। यह सर्जरी डॉ. दिलीप मेहता, एडिशनल डायरेक्टर - ऑर्थोपेडिक्स, फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर द्वारा की गई। इस सर्जरी में घुटने की प्राकृतिक शारीरिक संरचना और उसके मूल अलाइनमेंट को ध्यान में रखते हुए प्रत्यारोपण किया गया। पारंपरिक तकनीकों में जहां सामान्यत: 6 डिग्री के निर्धारित कोण का उपयोग किया जाता है, वहीं टू काइनेमैटिक अलाइनमेंट तकनीक में मरीज की प्राकृतिक एनाटॉमिकल एक्सिस और हड्डियों की व्यक्तिगत बनावट के अनुसार सर्जरी की योजना बनाई जाती है। इस तकनीक में विशेष इंस्ट्रूमेंटेशन और सटीक माप की सहायता से हड्डियों की कटिंग एवं इम्प्लांट की पोजिशनिंग की जाती है, जिससे घुटने की प्राकृतिक संरचना को बेहतर तरीके से पुनर्स्थापित करने में मदद मिलती है। वहीं, मेडियल पिवट तकनीक का उद्देश्य घुटने की प्राकृतिक बायोमैकेनिक्स को दोबारा स्थापित करना है।

### स्पीकर देवनानी की गुरुनानक जयंती पर शुभकामनाएं

**जयपुर,( कासं )।** राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं महान आध्यात्मिक संत श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व (गुरुनानक जयंती) पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।देवनानी ने कहा कि गुरु नानक देव का संपूर्ण जीवन सत्य, प्रेम, करुणा, समानता और मानव सेवा के आदर्शों के प्रति समर्पित रहा। उनकी पावन शिक्षाएं सम्पूर्ण मानव समाज को सद्भाव, बंधुत्व और परस्पर सम्मान की प्रेरणा प्रदान करती हैं। उनका जीवन दर्शन परिश्रम, ईश्वर स्मरण तथा समाज के साथ अपने संसाधनों को साझा करने का महान संदेश देता है। देवनानी ने कहा कि उनकी वाणी में निहित आध्यात्मिक दृष्टि और लोककल्याण की भावना आज भी समाज को सही दिशा प्रदान करती है।

## गुरुनानक जयंती पर शहर में रहेगी विशेष यातायात व्यवस्था

- **गुरुद्वारे में होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है**

**जयपुर( कासं )।** गुरुनानक जयंती के अवसर पर मंगलवार को राजापार्क स्थित गुरुद्वारे में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों को देखते हुए यातायात पुलिस ने विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के मद्देनजर सामान्य यातायात के साथ बसों के संचालन में भी आवश्यकतानुसार बदलाव किया जाएगा। पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रवीण नायक नूनावत के अनुसार त्रिमूर्ति सर्किल से गुरुद्वारा मोड़ की ओर जाने वाले वाहनों को राजापार्क चौराहे से पैरामेडिकल और गोलचक्कर पार्क सर्किल की तरफ डायवर्ट किया जाएगा। यहां से वाहन चालक मुक्ति मार्ग, आदर्श नगर रोड और शांति मार्ग का उपयोग कर सकेंगे। इसी प्रकार गुरुद्वारा मोड़ से त्रिमूर्ति सर्किल की ओर आने वाले वाहनों को कुशाल बेकरी (गोविंद मार्ग) से पंचवटी सर्किल की तरफ भेजा जाएगा। वाहन चालक क्षेमचंद मार्ग, विद्यालय मार्ग, विजय पथ और शांति पथ से होकर अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। यातायात का दबाव अधिक होने पर त्रिमूर्ति सर्किल से वाहनों को जवाहरलाल नेहरू मार्ग की ओर डायवर्ट किया जा सकेगा। वहीं गुरुद्वारा मोड़ से घाटगेट की ओर जाने वाले यातायात को आवश्यकतानुसार रोटरी सर्किल से जवाहर नगर बाईपास की तरफ भेजा जाएगा। आगरा रोड से सिंधी कैंप जाने वाली बसों को गोनेर तिराहा से खो-नागोरियान रोड, सीबीआई फाटक, हनुमान तिराहा, जवाहर सर्किल और पुराने बाईपास क्लोवर लीफ से टोंक रोड होकर भेजा जाएगा। दिल्ली रोड से सिंधी कैंप आने वाली बसें टीपी नगर पुलिया, रोटरी सर्किल, जवाहर नगर बाईपास, रॉयल्टी तिराहा, केवी-03 तिराहा, ओटीएस चौराहा और गोपालपुरा पुलिया से टोंक रोड होकर गुजरेंगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहनों का आवागमन निर्बाध रहेगा। आमजन से अपील की गई है कि यातायात संबंधी असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक और समानांतर मार्गों का उपयोग करें।

## डेटिंग ऐप पर छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर( कासं )।** गांधी नगर थाना पुलिस ने डेटिंग ऐप पर फर्जी पहचान बनाकर कॉलेज छात्रा से दोस्ती करने, छेडछाड़ और मारपीट करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल काले रंग की क्रेटा कार और आईफोन प्रो मैक्स भी जब्त किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि झालाना डूंगरी स्थित आईआईसीडी की छात्रा ने 20 नवंबर को हॉस्टल वार्डन के साथ थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता के अनुसार बम्बल डेटिंग ऐप पर उसकी पहचान एक युवक से हुई थी, जिसने अपना नाम दर्शील बताया था। दो दिन बातचीत के बाद आरोपी ने 19 नवंबर को उसे कॉलेज के बाहर मिलने बुलाया।आरोपी छात्रा को अपनी काले रंग की क्रेटा कार में बैठाकर शहर में घुमाने लगा।

## फर्जी दस्तावेजों से प्लॉट हड़पने के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

**जयपुर( कासं )।** जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आवासीय भूखंड की धोखाधड़ी और बिक्री करने के मामले में करीब छह माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि जवाहर सर्किल थाना पुलिस ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर आवासीय भूखंड की धोखाधड़ी और बिक्री करने के मामले में करीब छह माह से फरार आरोपी को35 वर्षीय विक्रम सिंह निवासी तूंगा जयपुर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस आरोपी से फर्जी दस्तावेज तैयार करने, भूखंड का बेचान करने और षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है थानाधिकारी महेश चन्द्र के अनुसार पीड़ित नरेन्द्र कुमार गुप्ता ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि राजस्थान आवासन मंडल ने उन्हें आवासीय भूखंड आवंटित किया था। इसकी राशि उन्होंने नियमित और एकमुश्त जमा करवा दी थी। आरोप है कि उनके जाली हस्ताक्षर और पुरानी फोटो का दुरुपयोग कर फर्जी इकरारनामा, मुख्त्यारनामा और वसीयतनामा तैयार किए गए। इसके बाद कथित रूप से झूठे गवाहों और आवासन मंडल के कर्मचारियों की मिलीभगत से षड्यंत्रपूर्वक भूखंड का नियमितीकरण करवाकर अपने नाम पट्टा और लीज डीड जारी करवा ली गई। बाद में भूखंड का बेचान भी कर दिया गया। इस मामले में 13 मई 2026 को जवाहर सर्किल थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस ने मुखबिर तंत्र और सूचना संकलन के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहे आरोपी विक्रम सिंह को पुख्ता सूचना मिलने पर डिटेन कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

# जीत के बाद आई लापरवाही, जनता ने बजाया अलार्म : भाटिया

- **पार्टी सिंबल पर उम्मीद के मुताबिक नहीं मिली सीटें, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और टिकट वितरण की कमियों पर भी उठे सवाल; भाटिया बोले- हार के बहाने नहीं बनाएंगे, कमियां दूर कर विधानसभा चुनाव में उतरेंगे**

**जयपुर, ( कासं )।** राजस्थान के पंचायत चुनावों में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन ने पार्टी के सियासी समीकरणों के साथ संगठन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीण सत्ता के चुनाव में मिले झटके के बाद अब भाजपा के भीतर हार के कारणों की पड़ताल शुरू हो गई है। चुनाव परिणामों ने सरकार और संगठन के बीच तालमेल, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, टिकट वितरण में कथित मनमानी और स्थानीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिका को बहस के केंद्र में ला दिया है। इन सबके बीच भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश चुनाव प्रभारी संजय भाटिया ने हार को स्वीकार करते हुए पार्टी के भीतर संभावित लापरवाही की बात मानी है। उन्होंने यहां तक कहा कि कई बार जीत से व्यक्ति मस्त हो जाता है और यदि पार्टी में भी ऐसी लापरवाही आई है तो उसे ईमानदारी से स्वीकार कर सुधार किया जाएगा।

भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए भाटिया ने पंचायत चुनाव के परिणामों को पार्टी के लिए अलार्म बताया। उन्होंने कहा कि जनता ने जो फैसला दिया है, भाजपा उसे स्वीकार करती है। पार्टी हार से भागने और बहाने बनाने वाली नहीं है। हार और जीत राजनीति के दो पहलू हैं। इस परिणाम को आत्ममंथन के अवसर के रूप में लेना चाहिए। उन्होंने शरीर में बीमारी से पहले मिलने वाले संकेत का उदाहरण देते हुए कहा कि चुनाव परिणाम भी एक तरह का अलर्ट हैं। समय रहते कमियों का इलाज कर लिया जाए तो आगे बेहतर परिणाम मिल सकते हैं चुनाव में हार की जिम्मेदारी तय करने के सवाल पर भाटिया ने कहा कि यदि किसी स्तर पर गलती हुई है तो जिम्मेदारी तय होगी, लेकिन पहले पूरे चुनाव परिणाम और परिस्थितियों को देखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जनता की किसी बात को लेकर नाराजगी रही होगी, जिसके कारण उसने भाजपा को वोट नहीं दिया। उस नाराजगी को समझकर दूर करना होगा। उन्होंने किसी एक व्यक्ति पर हार का ठीकरा फोड़ने के बजाय सामूहिक रूप से कमियों की पहचान करने की बात कही।

सरकार और संगठन में कार्यकर्ताओं की सुनवाई नहीं होने तथा भेदभाव के आरोपों पर भाटिया ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी परिवार का हिस्सा हैं। उनकी शिकायतों और सुझावों को पार्टी की आंतरिक बैठकों में गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता बंद कमरे में अपनी बात रखेंगे तो उसे सुना भी जाएगा और उस पर अमल भी होगा।

टिकट वितरण में परिवारवाद के सवाल पर उन्होंने जिला परिषद चुनाव में किसी परिवार को विशेष तवज्जो देने से इनकार किया। हालांकि पंचायत समिति चुनाव में टिकट वितरण के फैसले जिला स्तर पर होने के कारण कुछ जगह परिवार के सदस्यों को टिकट दिए जाने की संभावना स्वीकार की। उन्होंने माना कि इस स्तर पर कुछ कमियां रही हो

सकती हैं। कांग्रेस की ओर से पंचायत चुनाव परिणामों को विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट बताने पर भाटिया ने कहा कि विपक्ष अपने पक्ष में बयानबाजी करेगा। भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेगी। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में परिणाम पक्ष में नहीं आने पर कांग्रेस को चुनाव आयोग और ईवीएम को दोष नहीं देना चाहिए।

## मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नेशनल लाइवस्टॉक मिशन की समीक्षा बैठक

**जयपुर, ( कासं )।** मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को शासन सचिवालय में पशुपालन विभाग की केन्द्र प्रवर्तित योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन के क्रियान्वयन एवं प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में योजना के विभिन्न घटकों, वित्तीय प्रगति, पशुपालन उद्यिमता विकास कार्यक्रम, बकरी सीमेन प्रयोगशाला की स्थापना, पशुपालक प्रशिक्षण, चारा बीज उत्पादन तथा अनुसंधान परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने कहा कि केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के माध्यम से उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए पशुपालकों को अधिकाधिक लाभान्वित किया जाए ताकि पशुपालन क्षेत्र में रोजगार, उद्यिमता एवं उत्पादन वृद्धि को प्रोत्साहन मिले।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में पशुपालन विभाग की राष्ट्रीय पशुधन मिशन के प्रगति की समीक्षा बैठक ली।

बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय पशुधन मिशन का उद्देश्य पशुधन एवं कुक्कुट क्षेत्र में उद्यिमता को प्रोत्साहित करने, नस्ल सुधार, गुणवत्तापूर्ण चारा एवं चारा बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा अनुसंधान, नवाचार एवं पशुधन बीमा को बढ़ावा देना है।

पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री विकास सीतारामजी भाले ने बताया कि योजना के अंतर्गत बकरी, भेड़, सूकर एवं कुक्कुट पालन के साथ-साथ चारा उद्यमों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होने के साथ पशुधन उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।

ARBiT
it happens here...



**1971's D.B. Cooper Hijacking**

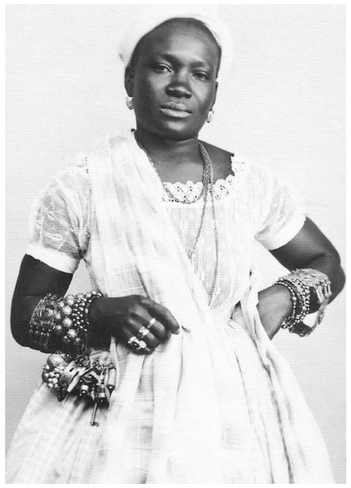
On November 24, 1971, an unidentified man known as D.B. Cooper hijacked a Northwest Orient Airlines flight traveling from Portland to Seattle. Calmly claiming he had a bomb, he demanded $200,000 in cash and four parachutes. After receiving the ransom in Seattle, Cooper ordered the aircraft back into the air towards Mexico. Somewhere over Washington state, he parachuted into the night with the money and disappeared without a trace. Despite one of the longest and most expensive FBI investigations in U.S. history, Cooper's identity and fate remain unsolved, making it one of aviation's greatest mysteries.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
24 November 2026
A-B

#SLAVE RICHES

# The Silver Pendants That Became A Bank Account

But these ornaments carried cultural and spiritual significance as well. Their individual elements were often chosen for their symbolic meanings



In 19th-century Brazil, jewellery was more than an ornament for many women who had bought their freedom from slavery. It was a symbol of independence, financial security and protection. Among the most remarkable examples were elaborate silver pendant clusters worn by formerly enslaved and freed Black women, some of which could weigh more than a kilogram.

These heavy ornaments were not simply fashion statements. They served a purpose similar to a portable bank account.

Many of these women worked as street vendors, selling food, sweets and other everyday goods. Their businesses allowed them to earn money and gradually build financial independence. However, keeping their savings in cash was not always practical or safe. Instead, they invested their profits in precious metals, particularly silver, transforming their earnings into jewellery that they could wear and carry wherever they went.

The pendant clusters became a visible record of their accumulated wealth. Each additional piece represented money saved through hard work and business transactions. Unlike cash, silver had material value and could potentially be sold or exchanged when necessary. Wearing their savings also meant keeping their wealth close rather than depending entirely on financial institutions or other people.

But these ornaments carried cultural and spiritual significance as well. Their individual elements were often chosen for their symbolic meanings. The central hand-shaped charm, associated with protection against the evil eye, was believed to ward off misfortune and negative forces. Silver pomegranates, meanwhile, symbolised abundance, fertility and prosperity, attracting hopes of greater wealth.

The combination of these charms turned the jewellery into something far more meaningful than an expensive accessory. It represented a woman's economic achievements while also expressing her beliefs, identity and aspirations.

For formerly enslaved women in Brazil, who had struggled to secure their freedom in a society marked by racial and economic inequality, such jewellery carried a particularly powerful message. They were not merely displaying silver; they were displaying the wealth they had earned and the independence they had fought to achieve. These remarkable pendant clusters reveal how jewellery can function simultaneously as currency, personal protection and a declaration of freedom. What looked like an extravagant arrangement of silver was, in reality, a carefully accumulated fortune worn around the neck.





# MCGS - My Home Away From Home

Reflecting now, Mayo taught me curiosity, empathy, and friendship, and shaped me into a confident, grounded individual. From trembling at injections to holding patients' hands with care, I've learned that courage grows step by step, in small acts of persistence. University halls, living with friends and sharing meals remind me of my dorm days at Mayo, where I grew up alongside my classmates.





**Nandani Kumari Rathore**

A 9-year-old girl from Jaipur entered the grounds of Mayo College Girls' School full of innocence, curiosity, and a massive fear of needles. I still remember the first day in 2012, carrying my trunk, suitcases, and all my belongings. The first pav bhaji meal, the smell of the red-brick campus after the rain, and the friends I met that day, friends who have since become lifelong companions, remain etched in my memory. My journey at Mayo began as a shy student whose biggest fear in life was needles. I would clutch someone's hand at every injection, convinced I would never get through it. Today, I am a medical student who gives injections, draws blood, and even assists in surgery sometimes, a journey that feels almost surreal.

I study medicine at Queen's University Belfast in Northern Ireland (United Kingdom), a Russell Group university, where 600 applicants vie for just 26 international spots. Placements across my university's teaching hospitals have been nothing short of extraordinary.

Medical school has offered moments that are thrilling, challenging, and profoundly memorable. I've survived ward-round pimping sessions, where doctors fire rapid questions in front of the team, keeping you on your toes. In theatre, a consultant once posed a question just as I was about to answer, only for a junior doctor to prompt me with the reply. The consultant noticed and laughed, saying, "Medical students and junior doctors have a pact!" and the theatre erupted in laughter. In 3rd year, I was placed at Antrim Area Hospital near Coleraine, once the constituency of Lord Mayo. There, a surgeon sparked my love for surgery, introducing me to patients as "a young lady who's a medical student" and always reminding me, "There's no such thing as a bad student."

I've also had the privilege of attending placements at Royal Victoria Hospital, the largest trauma centre in Northern Ireland, and Belfast City Hospital, a major cancer centre. The diversity of cases I've encountered at these teaching hospitals has been remarkable. On one memorable day, a doctor was advising a patient with diabetes about reducing sugar and then confided to me, "I apologise for being the sugar police. I consume a large amount myself." All three of us laughed, a small reminder that medicine is as much about humanity as it is about science.

At one point, during a flight, a passenger had a panic attack. The crew called for a doctor, and my mother nudged me awake. I explained that, as a junior medical student, I could help within my competencies. Kneeling beside the passenger, I offered reassurance, water, and distraction techniques until we landed safely. In that moment, I realised how the bedside skills we learn, communication, empathy, and calm, are vital far beyond the hospital.

Back at Mayo, life was equally rich and lively. Seniors shouting, "Run up to the mess!" could turn casual conversations with friends into full-blown sprints, hearts racing, laughter echoing, and breath caught in excitement. Now, it is precisely that frantic dash I miss most. Midnight birthday celebrations with fudge, campus rounds filled with philosophical debates and dreams, and inter-house competitions fiercer than the Olympics made school life unforgettable. As a proud Samite, the house spirit remains close to my heart. And of course, M for Mayo also stands for Maggi, our ultimate comfort food, even a steaming bowl instantly transports me back to the laughter-filled mess hall.

My journey towards formally pursuing science began in Class 9, when I chose Physics, Chemistry, Biology, Mathematics, and Computer Science. Around that time, I visited Oxford while representing Mayo at Oxymun, a turning point that opened my eyes to academic opportunities in the UK across engineering, technology, information science, and medicine. After returning, I shared with my parents my dream of pursuing higher education in the UK, particularly in medicine or computer science engineering. While preparing for ICSE Class 10, I immersed myself in IT quizzes, debates, IPSC competitions, Model United Nations conferences, Round Square events, Power Point competitions, IT festivals across India, GK quizzes, and extempore competitions. Representing MCGS nationally, from Cathedral MUN to Daly College's Surya Uday competition, was invaluable. Interactions with students from The Doon School, Welham's, and visits to RIMC broadened my perspective from AFMC to leading Russell Group universities.

In Class 10, I scored 95.6% with 99% in Chemistry and Computer Science while travelling across India with teammates, dreaming of Ivy League and top UK universities. In Class 11, I chose the challenging PCMB combination, Physics, Chemistry, Mathematics, and Biology. My friends teased me that I had reached the "dark side" and would one day discover a new element, Rathorium, a light-hearted joke that has evolved into my dream of discovering a new surgical technique, the Rathore Technique.

MUNs, particularly the All India Political Parties Meet (AIPPM), were hilarious highlights, with classmates impersonating politicians while debating national issues. Recently, my parents met the Earl of Mayo, Lord Mayo's direct descendant, who also attended Queen's University, linking these two institutions with shared history.

Reflecting now, Mayo taught me curiosity, empathy, and friendship, and shaped me into a confident, grounded individual. From trembling at injections to holding patients' hands with care, I've learned that courage grows step by step, in small acts of persistence. University halls, living with friends and sharing meals remind me of my dorm days at Mayo, where I grew up alongside my classmates.

My advice to juniors: cherish the campus rounds, house spirit, mess food, and even the run up. One day, when you cook for yourself in college, you'll realise how precious these moments truly were.

rajeshsharma1049@gmail.com








#SCHOOL












#MUSE

# A Shakespeare Called Bhikhari Thakur

His most famous work, *Bidesiya*, told the story of a man who leaves his village for Kolkata, marries another woman there, and leaves his wife behind

No degree. No theatre school. No literary family. No established stage. Just a barber from a small village in Saran, Bihar, who watched his people leave home in search of work and decided to tell their stories.

His name was Bhikhari Thakur.

Born in 1887 in Kutubpur village of Saran, Bhikhari Thakur grew up in a poor rural society where opportunities were scarce. In the early decades of the twentieth century, thousands of men from Bihar left their villages every year. They travelled to Kolkata, the coal mines of Jharia, Kharagpur and the tea plantations of Assam in search of livelihoods.

But every man who left created another story at home.

A wife waited. A mother waited. Children waited for their fathers. Some migrants sent money home. Some returned after years. Others never came back. For the women left behind, waiting could stretch from months into years, sometimes, an entire lifetime.

Bhikhari Thakur understood this world.

Like many young men of his generation, he travelled outside Bihar. He went to Kharagpur and later to Jagannath Puri, where he encountered performances such as Ramleela. In Kolkata, he witnessed the flourishing Bengali theatre tradition. He watched carefully, learned from what he saw, and eventually returned to his village with an ambition of his own.

He formed a small troupe and began performing Ramleela. But a barber entering the world of theatre was not readily welcomed by sections of the social elite. Bhikhari Thakur persisted. Around the 1910s, he began writing his own plays, drawing not from books but from the lives unfolding around him.

His most famous work, *Bidesiya*, told the story of a man who leaves his village for Kolkata, marries another woman there, and leaves his wife behind. When the play travelled through villages, women reportedly wept, not simply because they were watching fiction, but because they recognised their own lives on stage.

Bhikhari Thakur made women's suffering visible. *Beti Bechwa* confronted the exploitation of daughters through unequal marriage practices, while *Bidhwa Bilap* portrayed the loneliness and suffering of widowhood. His theatre also explored migration, poverty, caste, alcoholism, family conflict and social inequality.

He eventually wrote nearly thirty plays and a vast body of songs and poems. His performances combined folk music, dance, humour and social criticism, creating a distinctive tradition of Bhojpuri theatre.

The scholar and writer Rahul Sankrityayan famously called him the "Shakespeare of Bhojpuri." In 1944, he received the title Rai Bahadur.

Bhikhari Thakur died in 1971. But the people he put on stage never really disappeared.

The migrant still leaves. The wife still waits. The widow still mourns. The daughter still struggles against decisions made for her.

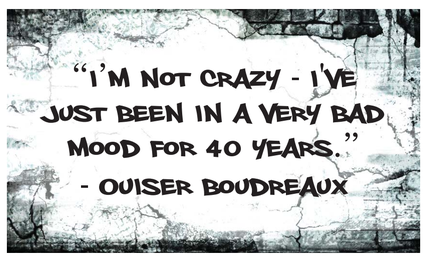
Perhaps, that is why Bhikhari Thakur remains so powerful. He did not inherit literature. He created it from the lives of ordinary people. He had no grand stage when he began. So, he built one, and invited an entire society onto it.





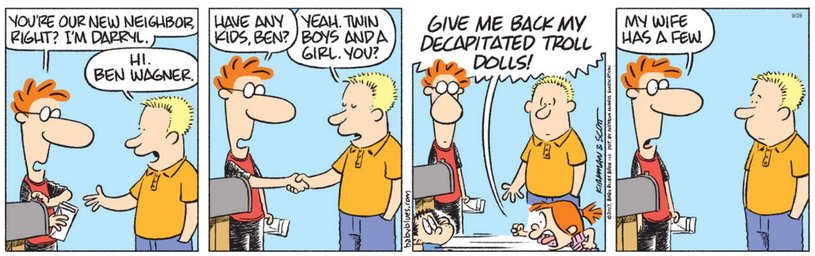



THE WALL




BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott




ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



# सरस डेयरी में एयर स्ट्राइक से आग लगने की आपात स्थिति का मॉक ड्रिल, तैयारियां परखी

## मेडिकल टीम ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया

**भीलवाड़ा।** जिले में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों की तत्परता परखने के लिए सोमवार को अजमेर रोड स्थित सरस डेयरी परिसर में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। नागरिक सुरक्षा विभाग जयपुर और जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार यह अभ्यास एयर स्ट्राइक से आग लगने जैसी संभावित आपात स्थिति के मॉडल पर आधारित रहा।

अभ्यास के दौरान आपातकालीन सायरन बजते ही ब्लैकआउट प्रोटोकॉल के तहत एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। एयर स्ट्राइक से आग लगने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक सुरक्षा दल, अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और मेडिकल टीम ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला और कम समय में मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव तथा अग्निशमन का अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल के तहत प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया का अभ्यास किया गया। एसडीआरएफ ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर प्रभावितों व घायलों को बाहर निकाला, वहीं मेडिकल टीम ने घायलों को प्राथमिक उपचार देकर आगे के उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई का अभ्यास किया। इस दौरान विभिन्न विभागों के बीच सूचना के त्वरित आदान-प्रदान, संसाधनों के उपयोग और समन्वय व्यवस्था का भी आकलन किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रशासन) डॉ. सुश्री हरितिमा ने बताया कि अभ्यास का उद्देश्य एयर स्ट्राइक जैसी आकस्मिक व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, चिकित्सा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों की तत्परता, कार्यक्षमता व आपसी समन्वय को परखना रहा।



सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, नागरिक सुरक्षा दल, अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और मेडिकल टीम ने संयुक्त रूप से मोर्चा संभाला ।

- आपातकालीन सायरन बजते ही ब्लैकआउट ोटोकॉल के तहत एहतियातन बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई
- कम समय में दमकल ने मौके पर पहुंचकर राहत-बचाव किया

## कृषि विभाग ने 29 विक्रेताओं को नोटिस थमाया

**बांसवाड़ा ।** जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अवैध परिवहन की आशंका को देखते हुए कृषि विभाग ने सख्त कार्यवाही शुरू कर दी है। कृषि विस्तार संयुक्त निदेशक कैलाशचन्द्र मीना ने बताया कि कृषि आयुक्तालय, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक विक्रेताओं की बिक्री एवं स्टॉक की सघन निगरानी की जा रही है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा विकसित फेमवर्क फॉर फर्टिलाइजर्स सेल लागू करने वाले डीलरों एवं कृषि स्टॉकिस्ट को 19 नवंबर को आयुक्तालय स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुडना था। प्रशिक्षण संबंधी सूचना जारी होने के बाद जिले में यूरिया की 2 हजार 305 मीट्रिक टन एवं डीएपी की 560 मीट्रिक टन असामान्य बिक्री दर्ज की गई।

मीना ने बताया कि उर्वरकों की इस असामान्य बिक्री को गंभीरता से लेते हुए एफएफएमएस आईडी की रिपोर्ट के आधार पर सर्वाधिक उर्वरक बेचने वाले 29 विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं 1000 बैग से अधिक उर्वरक बेचने वाले दो विक्रेताओं के अनुज्ञापत्र अठिाम आदेशों तक निलंबित कर जवाब मांगा गया है। उन्होंने बताया कि 15 दिवस की निलंबन अवधि के दौरान उर्वरक बिक्री करने पर मैसर्स आशीष मोहनलाल एवं मैसर्स रविन्द्र कुमार ईश्वर के प्राधिकार पत्र निरस्त कर दिए गए हैं।

संयुक्त निदेशक ने बताया कि कृषि पर्यवेक्षकों एवं नोडल अधिकारियों के माध्यम से पॉस मशीन के रिकॉर्ड के अनुसार उर्वरक क्रय परिसर एवं गोदामों का भौतिक सत्यापन कराया जा रहा है। इस प्रक्रिया में स्टॉक एवं बिक्री का मिलान कर अनियमितताओं की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अनियमित बिक्री में संलिप्त पाए जाने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने किसानों से उर्वरकों की खरीद केवल पंजीकृत विक्रेताओं से करने तथा प्रत्येक खरीद का बिल अवश्य प्राप्त करने की अपील की।

# बयाना के जंगलों में फिर पहुंचा कूनो का चीता

## पिछले तीन दिनों से चीते की बयाना इलाके में लगातार मूवमेंट बनी हुई है



झाड़ियों में छीता कूनो का चीता ।

**बयाना भरतपुर** (निसं)। बयाना के जंगलों में फिर पहुंचा कूनो का चीता केजीपी-13, नगला भांड के पास झाड़ियों में छिपा मिला है मध्यप्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से निकला चीता केजीपी -13 एक बार फिर बयाना क्षेत्र के जंगलों में पहुंच गया है।

पिछले तीन दिनों से चीते की बयाना इलाके में लगातार मूवमेंट बनी हुई है। सोमवार उसकी लोकेशन बयाना-भरतपुर स्टेट हाईवे पर गांव नगला भांड के पास मिली। बताया जा रहा है कि चीता दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग के नजदीक झाड़ियों में छिपा हुआ था। लोकेशन मिलते ही राजस्थान वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई और निगरानी शुरू कर दी। डीएफओ चेतन कुमार बीवी ने बताया कि चीता चंबल के बीहड़ों और धौलपुर के जंगलों से होते हुए बंध बारैठा वन क्षेत्र में पहुंचा था। शुक्रवार को उसकी मौजूदगी बंध बारैठा के जंगलों में दर्ज की गई। इसके बाद गजनुआ गांव के आसपास भी उसकी गतिविधियां देखी गईं। पिछले तीन दिनों से वन विभाग की टीमें लगातार उसकी निगरानी कर रही हैं। चीते के गले में लगे जीपीएस सैटेलाइट कॉलर के जरिए उसकी लोकेशन ट्रैक की जा रही है। बयाना रेंजर पवन विधूड़ी ने बताया कि चीते की लोकेशन लगातार ट्रैक की जा रही है। कूनो नेशनल पार्क से विशेषज्ञों की टीम भी बयाना पहुंच रही है। मध्यप्रदेश की विशेषज्ञ टीम जो निर्णय लेगी, उसी के अनुसार आगे निगरानी और कार्रवाई की जाएगी।

**मई के बाद दूसरी बार बंध बारैठा पहुंचा :** चीता केजीपी -13 मई महीने के बाद दूसरी बार बंध बारैठा के जंगलों में पहुंचा है। इससे पहले भी वह इस क्षेत्र में करीब 15 दिन तक रहा था और जंगल के अलग-अलग हिस्सों में उसकी आवाजाही देखी गई थी।

**वन विभाग ने ग्रामीणों से की सतर्क रहने की अपील :** चीते की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने आसपास के गांवों के लोगों से जंगल में अकेले नहीं जाने, चीते के नजदीक नहीं पहुंचने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है। वन विभाग के अनुसार, अब तक चीते द्वारा किसी जानवर का शिकार किए जाने की सूचना नहीं मिली है।

# वागड अंचल में पूर्वजों की याद में स्थापित करते है पत्थर की प्रतिमाएं

## चौदस और देव दिवाली पर घर-खेत में बनवाते हैं पूर्वजों के सिरा

**डूंगरपुर।** जिले के वागड अंचल में दिवंगत पूर्वजों की याद में पत्थर की प्रतिमाएं बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आज भी जारी है। दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल पक्ष की चौदस और देव दिवाली यानी पूर्णिमा पर इन प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा की जाती है। आदिवासी समाज में इन्हें सिरा बावसी कहा जाता है। अन्य समाजों में भी पूर्वजों की याद में सिरा स्थापित किए जाते हैं।

इस परंपरा में प्रतिमा का रूप मृतक की मृत्यु की परिस्थिति के अनुसार तैयार किया जाता है। परिजन शिल्पकारों को दिवंगत व्यक्ति की फोटो दिखाते हैं या उनके रूप और मृत्यु की स्थिति के बारे में बताते हैं।

शिल्पकार मिली जानकारी के आधार पर पत्थर पर मृतक की पहचान और जीवन से जुडी आकृतियां उकेरते हैं। ये प्रतिमाएं दिवंगत की स्मृति और आस्था का प्रतीक मानी जाती हैं। जिले के शिल्पकार ऐसी प्रतिमाएं बना रहे हैं। कुछ जगहों पर आज भी आमतौर पर सर्प के आकार वाले सिरे स्थापित किए जाते हैं।

समाज की मान्यताओं के अनुसार, मृत आत्मा परिवार के किसी विशेष सदस्य या स्नेही के माध्यम से घर में अपने इच्छित स्थान की जानकारी देती है। आदिवासी समाज में ऐसे माध्यम व्यक्ति को घोडा कहा जाता है।

माना जाता है कि आत्मा इसके जरिए घर या खेत में अपने पसंदीदा स्थान पर स्थापित होने का संकेत देती है, जिसके आधार पर परिजन उसी स्थान पर सिरा स्थापित करने की तैयारी करते हैं। मान्यता यह भी है कि आत्मा की इच्छा अनुसार मनचाहे स्थान व स्वरूप में प्रतिमा स्थापित करने से परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

दीपावली और लाभ पंचमी के बाद चौदस व देव दिवाली का समय पूर्वजों की पूजा और प्रतिमा स्थापना के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इसी के चलते इन दिनों सोमपुरा शिल्पकारों की दुकानों पर सिरा बनवाने और लेने के लिए लोगों की भीड उमड रही है।

परिजन तैयार प्रतिमाओं को गाजे-बाजे के साथ घर लाते हैं और विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद चौदस या पूर्णिमा को निर्धारित स्थान पर उनकी स्थापना करते हैं।

- डूंगरपुर। जिले के वागड अंचल में दिवंगत पूर्वजों की याद में पत्थर की प्रतिमाएं बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आज भी जारी है। दीपावली के बाद कार्तिक शुक्ल पक्ष की चौदस और देव दिवाली यानी पूर्णिमा पर इन प्रतिमाओं की स्थापना कर पूजा की जाती है। आदिवासी समाज में इन्हें सिरा बावसी कहा जाता है। अन्य समाजों में भी पूर्वजों की याद में सिरा स्थापित किए जाते हैं।

## बजरी से भरे डंपर की टक्कर से युवक की मौत

**जोधपुर,** (कासं)। लूणी थाना क्षेत्र में बजरी से भरे डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक उछलकर सडक़ पर जा गिरे। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को हॉस्पिटल लेकर गई, जहां एक युवक की मौत हो गई। वहीं, घायल का इलाज चल रहा है। डंपर ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार हादसा लूणी थाने के पास का है, जिसमें बाला (बिलाड़ा) निवासी सुनील की मौत हुई है। पुलिस ने बताया कि बाइक सवार दो युवक थाने के पास गुजर रहे थे। इस दौरान तेज स्पीड में आ रहे बजरी डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सडक़ पर जा गिरे। आसपास के लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां सुनील की मौत हो गई। घायल को प्राथमिक इलाज के बाद जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

# भीलवाड़ा जिलेभर के स्कूलों में गूंजा तंबाकू मुक्त अभियान का संदेश

**भीलवाड़ा।** टोबैको फ्री यूथ कैम्पेन 4.0 के तहत जिलेभर के राजकीय विद्यालयों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन कर विद्यार्थियों एवं आमजन को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि टोबैको फ्री यूथ कैम्पेन के तहत युवाओं को तंबाकू की लत से बचाने को लेकर उनमें स्वस्थ जीवनशैली की आदत विकसित करने तथा जनभागीदारी के माध्यम से तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रभावी प्रयास विभागीय अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा किये जा रहे है। अभियान के तहत स्वास्थ्य कार्मिकों द्वारा राजकीय विद्यालयों व आंगनबाडी केन्द्रों में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूलों में आयोजित किए जा रहे सत्रों में विद्यार्थियों को तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभावों तथा इससे बचाव के उपायों की विस्तार से जानकारी दी जा रही है। सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि तंबाकू का सेवन मुंह, जीभ, गले, स्वरयंत्र एवं फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है। इसके अलावा तंबाकू सेवन से हृदय रोग, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, सांस संबंधी बीमारियां, मसूड़ों की बीमारी एवं दांतों का खराब होना जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, तंबाकू चबाने से मुंह में सफेद दाग एवं मुंह कम खुलने जैसी गंभीर समस्याएं भी हो सकती हैं।

# अस्पताल से चोरी हुई एंबुलेंस 108 जोधपुर में मिली

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर संभाग के सांचोर में सरकारी चिकित्सालय से 20 नंवबर की सुबह एक एंबुलैंस 108 चोरी हो गई। जिस पर सांचोर पुलिस के साथ संभाग भर में सूचना दी गई। रविवार को जोधपुर की कुड़ी भगतासनी पुलिस को सूचना मिली कि झालामंड स्थित धरती आंगन क्षेत्र के पास में एक एंबुलैंस लावारिश हालत में पड़ी है। इस पर पुलिस वहां पहुंची और बाद पता लगा कि गाड़ी सांचोर से चोरी हुई थी। पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली तब डेशबोर्ड में एक पिस्टल, मैज्जीन और तीन जिंदा कारतूस मिले। सांचोर में एंबुलैंस चोरी का प्रकरण दर्ज है, वहीं यहां कुड़ी भगतासनी पुलिस ने अज्ञात शख्स के खिलाफ आम्र्स एक्ट में प्रकरण दर्ज किया है। थानाधिकारी लेखराज सिहाग ने बताया कि 20 नवंबर को सांचोर के सरकारी अस्पताल से एक एंबुलैंस 108 की जानकारी मिली थी। तब जोधपुर संभाग के साथ जिले में भी नाकाबंदी करवाई गई थी। उसे ले जाने वाले दो शख्स का पता लगा था। हालांकि उनकी पहचान नहीं हुई है। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि झालामंड स्थित धरती आंगन परिसर के पास में लावारिश हालत में एक एंबुलैंस पड़ी है। इस पर थाने से एएसआई भागीरथराम को भेजा गया। एएसआई भागीरथराम की तरफ से एंबुलैंस को चैक किया तो गाड़ी से एक देशी पिस्टल मय मैज्जीन, तीन जिंदा कारतूस मिले।

## पुष्कर मेले में 'लगान शैली' क्रिकेट का रोमांच

**पुष्कर।** अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर पशु मेले में सोमवार, 23 नवंबर को स्थानीय खिलाड़ियों और विदेशी मेहमानों की टीम के बीच 'लगान शैली' क्रिकेट मुकाबला आयोजित किया गया। रोमांचक मुकाबले में स्थानीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विदेशी मेहमानों की टीम को आठ विकेट से पराजित किया। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और उन्होंने पूरे मुकाबले का भरपूर आनंद लिया।

पशुपालन विभाग, अजमेर के डॉ. कुलदीप अठावाल ने बताया कि इस बार विदेशी मेहमानों की संख्या कम होने के कारण उनकी टीम तैयार करने में कुछ कठिनाई आई।

# पुष्कर मेला कुश्ती दंगल में विदेशी पहलवानों ने दिखाया दमखम, अंकित शर्मा और कृष्णा मालाकार बने मेला केसरी

**पुष्कर।** अंतर्राष्ट्रीय पुष्कर मेले में सोमवार, 23 नवंबर को आयोजित पुष्कर मेला अजमेर केसरी कुश्ती दंगल-2026 में पहलवानों ने अपने दमखम और शानदार दांव-पेच से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मेला मैदान में आयोजित प्रतियोगिता में भारतीय पहलवानों के साथ विदेशी पहलवानों ने भी अपनी कुश्ती प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुकाबले देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक जुटे।

प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों में पुरुष वर्ग में अजमेर के अंकित शर्मा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुष्कर मेला केसरी का खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में किशनगढ़ की कृष्णा मालाकार ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पहलवान को हराकर पुष्कर मेला केसरी का खिताब जीता। विजेताओं को अतिथियों ने नकद पुरस्कार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में पुष्कर विधायक एवं कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत, नगर परिषद सभापति राजेंद्र बाकोलिया और देहात भाजपा अध्यक्ष जीतमल प्रजापत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। आयोजकों ने उपसभापति लक्ष्मी देवी, पार्षद धर्मेंद्र नागौरा, हिमांशु कुमावत, मुकेश कुमावत, पंडित कैलाशनाथ दाधीच, तीर्थ पुरोहित माधव पाराशर, गोविंद पाराशर और अरुण पाराशर सहित अन्य अतिथियों का फूलमालाओं और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि राजस्थान राज्य कुश्ती संघ ने प्रतियोगिता आयोजित कर पुष्कर मेले की भव्यता और गरिमा बढ़ाई है। कुश्ती के प्रति दर्शकों का उत्साह इस पारंपरिक खेल की लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने संघ अध्यक्ष राजीव दत्ता और आयोजन से जुड़ी पूरी टीम को बधाई दी। साथ ही देश-विदेश से आए खिलाड़ियों का आभार जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता ने बताया कि पर्यटन विभाग और कुश्ती संघों के सहयोग से बड़े मेलों में इस प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इनका उद्देश्य ठामीण अंचलों की प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध करवाना और युवाओं का रुझान खेलों की ओर बढ़ाना है। स्थानीय पहलवानों को पुरस्कार राशि देकर प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे आगे चलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकें। दत्ता ने कहा कि कुश्ती युवाओं में अनुशासन, शारीरिक क्षमता, आत्मविश्वास और खेल भावना विकसित करती है। मेलों में होने वाले मुकाबले पारंपरिक भारतीय खेलों को आमजन और दर्शकों से जोड़ने का भी अवसर देते हैं। प्रतियोगिता की घोषित रूपरेखा में पुरुषों के लिए अजमेर केसरी, कुमार, बसंत और अभिमन्यु तथा महिलाओं के लिए केसरी, कुमारी और किशोरी वर्ग रखे गए थे। पुरुष अजमेर केसरी के 74 से 130 किलोठााम भार वर्ग में प्रथम पुरस्कार 21 हजार रुपये निर्धारित किया गया था।

- पुरुष वर्ग में अजमेर के अंकित शर्मा ने जीता खिताब, महिला वर्ग में किशनगढ़ की कृष्णा मालाकार ने मारी बाजी; मंत्री सुरेश रावत ने आयोजन को बताया मेले की भव्यता बढ़ाने वाला

# राज्यपाल बागड़े ने किया 54 द्वारों का गुरुकुल पुस्तक का विमोचन

**बांसवाड़ा ।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लोकभवन में जनजाति अंचल के युवा लेखक स्वप्निल एवं भाविक स्वाभाविक द्वारा रचित पुस्तक 54 द्वारों का गुरुकुल सनातन संस्कारों से राष्ट्र निर्माण पुस्तक का विमोचन किया।

यह पुस्तक भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल संस्कृति, नैतिक शिक्षा एवं सनातन जीवन-मूल्यों को केंद्र में रखकर व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की व्यापक संकल्पना प्रस्तुत करती है। पुस्तक में शिक्षा को केवल जीविकोपार्जन का माध्यम न मानकर चरित्र निर्माण, संस्कार संवर्धन और जीवन को सार्थक बनाने का आधार बताया गया है।

पुस्तक में वर्णित 54 द्वार जीवन के उन 54 मूल संस्कारों एवं मूल्यों के प्रतीक हैं जो मनुष्य के चरित्र निर्माण, कर्तव्यबोध, आत्मसंयम, अनुशासन, करुणा, राष्ट्रनिष्ठा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं। इसके माध्यम से लेखकों ने व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण तक की व्यापक संकल्पना को सरल, प्रेरणादायी एवं जीवनोपयोगी स्वरूप में प्रस्तुत किया है।

लेखकों का उद्देश्य भारतीय ज्ञान-विरासत, सनातन संस्कारों एवं नैतिक शिक्षा की समृद्ध परंपरा को वर्तमान पीढ़ी से जोड़ना तथा युवाओं में चरित्र, कर्तव्य और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना जागृत करना है। विमोचन समारोह में आरपीआई के प्रदेश प्रभारी रमेश कुमार सैनी, साइबर एक्सपर्ट मानस त्रिवेदी, समाजसेवी विक्रम सैनी, डॉ शिवम अठावाल सहित गणमान्यजन मौजूदरहे। पुस्तक का प्रकाशन, संपादन विज्डम वर्ड्स पब्लिकेशन और हिंदुस्तान टाइम्स द्वारा किया गया है। जल्द ही यह अमेज़न पर पाठकों के लिए उपलब्ध रहेगीं। इस अवसर पर अतिथियों ने पुस्तक के प्रकाशन को भारतीय सांस्कृतिक चेतना, संस्कार आधारित शिक्षा एवं राष्ट्र निर्माण की दिशा में सराहनीय पहल बताया।

## उदयपुर विभाग की कार्रवाई में अब तक डेढ़ करोड़ नगद बरामद

**उदयपुर,** (कास)। उदयपुर के एक उद्योगपति के यहां विभिन्न प्रतिष्ठानों पर 19 नवम्बर से आरंभ हुई आयकर विभाग कि कार्यवाही सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रही।

उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने 19 नवम्बर को उदयपुर के उद्योगपति रविन्द्र सिंह उर्फ रूबी के 28 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी जिसमें 12 ठिकानों पर आयकर टीमें अभी भी जांच कर रही हैं। इनमे रूबी की इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड सहित अन्य कंपनियों, कारोबार, प्रोपर्टीज और मोहित पटेल, जितेन्द्र पटेल की पटेल फॉस्केम लिमिटेड भी शामिल है । सूत्रों के अनुसार अब तक हुई छापेमारी में आयकर विभाग को डेढ़ करोड़ रूपए नगद,5 करोड़ रूपए से अधिक कीमत के आभूषण और करोड़ों रूपए की प्रोपर्टीज में निवेश के दस्तावेज मिले हैं। टीमें सभी दस्तावेजों की जांच कर रही है।

# मकान में लाखों के जेवरात चोरी करने वाले बुहाना के दो युवक हरियाणा पुलिस के हत्थे चढ़े

**खेतड़ी** (निसं)। हरियाणा के नारनौल क्षेत्र में मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने के मामले में झुंझुनूं जिले के बुहाना थाना क्षेत्र के दो युवकों को सीआईए नारनौल पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने कुल 5 लाख 2 हजार रूपए नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अश्विनी निवासी गोपालपुरा, थाना बुहाना तथा बबलू उर्फ नवीन निवासी नरात, थाना बुहाना, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी अश्विनी से 2 लाख 70 हजार रूपए तथा बबलू उर्फ नवीन से 2 लाख 32 हजार रूपए बरामद किए गए हैं।

दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में हुई चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आई हैं। मामला नारनौल के अटेली थाना क्षेत्र के गांव अटाली का है। गांव निवासी ओमप्रकाश ने 19 सितंबर को थाना अटेली में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह 7 सितंबर को अपनी पत्नी के साथ गुरूग्राम में रह रहे बेटे के पास गया हुआ था।

इसी दौरान 18 सितंबर की शाम उसके भतीजे ने फोन कर मकान का ताला टूटा होने की सूचना दी। घर पहुंचकर जब सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई तो 15 सितंबर की रात करीब 3 बजे दो अज्ञात व्यक्ति मकान में घुसते हुए दिखाई दिए। चोर घर से सोने का मंगलसूत्र, चार जोडी कानों के बाले व झुमकियां, एक बोरला, पांच अंगूठियां तथा चांदी की तीन जोडी पाजेब चोरी कर ले गए थे। शिकायत के आधार पर अटेली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी गांव भांखरी में हुई चोरी की एक अन्य वारदात के मामले में थाना सदर नारनौल पुलिस द्वारा पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके थे और नसीबपुर जेल में बंद थे। अटाली गांव में हुई चोरी के मामले की जांच के दौरान सीआईए नारनौल ने दोनों को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया और अदालत से तीन दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा महेंद्रगढ़ क्षेत्र में करीब 5 से 7 चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात सामने आई है।

पुलिस अब इन वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। इनके खिलाफ राजस्थान के झुंझुनूं जिले के सिंघाना और बुहाना पुलिस थानों में चोरी सहित अन्य धाराओं में मामले दर्ज बताए गए हैं। अश्विनी के खिलाफ चार तथा बबलू उर्फ नवीन के खिलाफ तीन मामले दर्ज होने की जानकारी पुलिस ने दी है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से बरामद नकदी और अन्य चोरी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा।



आभूषण चोरी करने के मामले में झुंझुनूं जिले के बुहाना थाना क्षेत्र के दो युवकों को सीआईए नारनौल पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

## सार-समाचार

### प्याज की फसल ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटाई

**अलवर।** जिले में इस वर्ष प्याज की खेती किसानों के लिए अच्छी आमदनी का जरिया बनती नजर आ रही है। खेतों में लहलहाती प्याज की फसल और बेहतर पैदावार की उम्मीद ने किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। पिछले कुछ समय से खेती की बढ़ती लागत और मौसम की अनिश्चितता से परेशान किसानों को इस बार प्याज की फसल से अच्छी आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों का मानना है कि यदि बाजार में प्याज के उचित भाव मिलते हैं तो इस बार खेती से बेहतर मुनाफा कमाया जा सकता है। अलवर जिले के परसा क्षेत्र के पास रहने वाले किसान हेम सिंह गुर्जर ने बताया कि इस वर्ष प्याज की फसल की स्थिति काफी अच्छी है। खेतों में फसल का विकास बेहतर हुआ है और पैदावार भी संतोषजनक रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि प्याज की खेती में शुरुआत से लेकर फसल तैयार होने तक काफी मेहनत करनी पड़ती है। बीज की तैयारी, पौध रोपाई, सिंचाई, निराई-गुड़ाई और फसल की देखभाल पर लगातार ध्यान देना पड़ता है। इसके साथ ही मौसम में बदलाव और कीटों से फसल को बचाना भी किसानों के लिए बड़ी चुनौती रहती है। किसान हेम सिंह गुर्जर के अनुसार एक बीघा जमीन में प्याज की खेती करने पर करीब 30 से 35 हजार रुपए तक की लागत आती है। इसमें बीज, खाद, दवाइयां, सिंचाई और मजदूरी सहित अन्य खर्च शामिल हैं। खेती में इतनी लागत लगाने के बाद किसानों को अच्छी पैदावार के साथ बाजार में उचित भाव मिलने की उम्मीद रहती है। इस बार फसल की स्थिति बेहतर होने से किसानों को लागत निकलने के साथ अच्छी बचत होने की भी आस है।

### बेटी को घोड़ी पर बैठाकर निकाली शाही बिंदौरी

**पावटा।** समाज में बेटा और बेटी के बीच भेदभाव मिटाने तथा बेटियों को समान अधिकार और सम्मान देने की दिशा में कस्बे के कुम्हारों का मोहल्ला में एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। यहां पप्पू कुमावत पुत्र मदनलाल ने अपनी पुत्री पूजा को घोड़ी पर बैठाकर धूमधाम से बान-बिंदौरी निकाली। इस अनूठी पहल के जरिए उन्होंने समाज को स्पष्ट संदेश दिया कि बेटियां किसी भी मायने में बेटों से कम नहीं हैं और उन्हें भी बेटों के समान मान-सम्मान मिलना चाहिए। बेटी को घोड़ी पर सवार देखकर मोहल्ले के लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल छा गया। पारंपरिक रीति-रिवाजों और मांगलिक रस्मों के साथ निकली बिंदौरी में परिवारजनों, रिश्तेदारों और समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मातादीन कुमावत ने बताया कि सभी रस्में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार निभाते हुए वार्ड में पूजा की बान-बिंदौरी घोड़ी पर निकाली गई। इस पहल की खास बात यह रही कि जहां समाज में लंबे समय से कई परंपराओं में बेटों को प्राथमिकता दी जाती रही है, वहीं पप्पू कुमावत ने अपनी बेटी को घोड़ी पर बैठाकर उन रूढ़िवादी सोच को चुनौती दी। उन्होंने अपने व्यवहार से साबित किया कि बेटी भी परिवार का गौरव है और उसे भी वही खुशियां, अधिकार एवं सम्मान मिलना चाहिए, जो बेटे को दिया जाता है। यह आयोजन केवल एक पारिवारिक खुशी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि महिला सशक्तिकरण, समानता और बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया। बिंदौरी को देखने वाले लोगों ने भी इस पहल की सराहना की। समाज में ऐसी छोटी-छोटी पहल ही बड़ी सामाजिक बदलाव की नींव रखती हैं। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता हरिराम, बाबूलाल, कानाराम, सुभाष कुमार, बलराम, प्रमोद, मनोज, संतोष, विक्रम, धर्मवीर, प्रमोद, नितिन कुमार शर्मा, प्रहलाद सैन, नवीन, जयेश, भवानी शंकर, दिनेश सहित अनेक गणमान्य लोग एवं मोहल्लेवासी मौजूद रहे।

### जिला प्रमुख व प्रधान का निर्वाचन 25 से 28 नवम्बर तक

**टोंक।** पंचायत आम चुनाव के तहत जिला प्रमुख, उप जिला प्रमुख, प्रधान एवं उप प्रधान का निर्वाचन किया जाना है। राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान से प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार जिला प्रमुख का 25 नवम्बर को, उप प्रमुख का 26 को, प्रधान का 27 को एवं उप प्रधान का 28 को निर्वाचन की प्रक्रिया एवं निर्वाचित सदस्यों की बैठक संपादित की जानी है। जिला निर्वाचन अधिकारी टीना डाबी ने बताया कि निर्धारित तिथि के अनुसार प्रमुख, उप प्रमुख, प्रधान एवं उप प्रधान के चुनाव की बैठक सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी। नाम निर्देशन पत्रों का प्रस्तुतीकरण 11 बजे तक, नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 11:30 बजे से, अभ्यर्थिता वापसी दोपहर 1 बजे तक, चुनाव प्रतीकों का आंवटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची दोपहर 1 बजे के तुरन्त बाद ही तैयार होगी। उन्होंने बताया कि इसके बाद मतदान यदि आवश्यक हुआ तो उसका समय अपरा 3 से सायं 5 बजे के मध्य रहेगा। मतगणना एवं निर्वाचन परिणाम की घोषणा सायं 5 बजे से या मतदान समाप्ति के तुरन्त बाद जो भी पहले हो से की जाएगी।

# देवोत्थान एकादशी पर तुलसी ने शालिग्राम संग विवाह रचाया

**पावटा।** देवोत्थान एकादशी के पावन अवसर पर पावटा कस्बे के गौड़ सदन में राजेंद्र प्रसाद गौड़ एवं प्रेमलता देवी की ओर से तुलसी विवाह का भव्य आयोजन श्रद्धा, आस्था और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। इस अवसर पर माता तुलसी को दुल्हन की तरह सजाकर भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप के साथ वैवाहिक बंधन में बांधा गया। विवाह समारोह में धार्मिक परंपराओं के साथ पारिवारिक उत्साह और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। आयोजन के तहत गौड परिवार द्वारा किला ऊपर स्थित मुरलीधर मंदिर से भगवान विष्णु के शालिग्राम स्वरूप की भव्य झांकी नगर भ्रमण के लिए निकाली गई। शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी के दर्शन कर मंगलकामनाएं कीं। भव्य आतिशबाजी के बीच शालिग्राम स्वरूप को गौड़ सदन लाया गया, जहां विवाह की तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई थीं। गौड़ सदन में सजे-धजे तुलसी मंडप में ठाकुर जी का पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ स्वागत किया गया। विवाह की रस्म के दौरान ठाकुर जी द्वारा तोरण मारने की रस्म निभाई गई, जिसने समारोह को और भी खास बना दिया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर विवाह की रस्में शुरू हुईं। तुलसी माता को चुनरी एवं पारंपरिक श्रृंगार से सजाया गया, वहीं शालिग्राम स्वरूप भगवान विष्णु को तुलसी मंडप के समीप विराजमान किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक परंपराओं के बीच रात्रि में विवाह के फेरे संपन्न हुए। अगले दिन सुबह भावुक एवं श्रद्धामय माहौल में ठाकुर जी के साथ तुलसी माता की विदाई की रस्म निभाई गई। इस दौरान परिवार के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर परिवार में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की। पूरे आयोजन के दौरान गौड़ सदन का माहौल भक्तिमय बना रहा। देवोत्थान एकादशी पर आयोजित इस अनूठे धार्मिक समारोह ने भारतीय संस्कृति और पारंपरिक विवाह संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत की।



ठाकुर जी के साथ तुलसी जी की विदाई हुई।

- आतिशबाजी के बीच निकली ठाकुर जी की भव्य शोभायात्रा

इस अवसर पर राजेंद्र प्रसाद गौड़, प्रेमलता देवी, संजय गौड़, मीना देवी, सुशील गौड़, ऊषा देवी, सुनील गौड़, रेणु देवी, मंजू मुद्गल, विशाल मुद्गल, अनीता, संगीता, कृतिका, दिनेश गौड़, एवं सुविधाओं को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। राइडर्स ने बताया कि यह यात्रा केवल बाइकिंग का अनुभव नहीं, बल्कि दोस्ती, आपसी जुड़ाव एवं खुशियों का साझा एक यादगार अवसर बनी, जिसे विशेष बनाने में यहां के आतिथ्य की अहम भूमिका रही।

## जयपुर चैप्टर के राइडर्स ने रामाज़ रिसॉर्ट का भ्रमण किया

**निवाई।** हार्ले डेविडसन एक्स 440 जयपुर चैप्टर के बाइक राइडर्स ने टोंक रोड स्थित गुंसी के समीप स्थित रामाज रिसॉर्ट का भ्रमण किया। जयपुर से निकले बाइकिंग समूह के सदस्यों ने रोमांचक सफर के साथ रिसॉर्ट के खुशनुमा माहौल में सुकून भरे पल बिताए। इस विशेष यात्रा के विपुल गोपाल, अभिनव सक्सेना, सिकंदर खान, प्रशांत, मिन्हाज रहमान, मनीष, मोइन खान व अक्षय साचन ने रामाज रिसॉर्ट में आपसी मेलजोल, बातचीत व मनोरंजक गतिविधियों के बीच एक यादगार दिन का आनंद लिया। जयपुर से रामाज रिसॉर्ट तक का सफर सभी राइडर्स के लिए बेहद खास अनुभव रहा। रिसॉर्ट पहुंचने पर सभी सदस्यों ने वहां के आकर्षक परिवेश, खूबसूरत वातावरण, स्वादिष्ट व्यंजनों व आत्मीय आतिथ्य की सराहना की। हेरिटेज रिसॉर्ट की शांत एवं सुकूनभरी वादियों ने बाइक सवारी के उत्साह को एक बेहतरीन विश्राम के अनुभव में बदल दिया। जयपुर चैप्टर के सभी सदस्यों ने रामाज रिसॉर्ट के स्वागत


**कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी एवं स्थानीय अधिकारी नगर पालिका मण्डल किशनगढ़ – रेनवाल (जयपुर)**
क्रमांक/नपाकिरे/2026-27/भूमि/2541 दिनांक : 23.11.2026
**आपत्ति आमन्त्रण सूचना**
नगर पालिका किशनगढ-रेनवाल के सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका कि.रेनवाल में राजस्व ग्राम कि. रेनवाल के खसरा नं. 2027/1072 रकबा 1.4114 हैक्टेयर व खसरा नं. 1986/1065 रकबा 0.4393 हैक्टेयर भूमि पर प्रस्तावित आवासीय योजना को मार्गाधिकार उपलब्ध करवाये जाने हेतु राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी 2024 के प्रावधानों के तहत 18 मीटर मार्गाधिकार का निर्धारण खसरा नं. 1987/1065, 1988/1065, 2025/1072, 1072/2, 1060/2 व 1991/1064 में से कुछ भूमि लेकर किया जाना प्रस्तावित है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 10 दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद गुजरने मयाद प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। (सूर्य कान्त शर्मा) प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका कि.रेनवाल

**उत्तर पश्चिम रेलवे**
**आवश्यक सूचना**
सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि सांगानेर-शिवदासपुरा सैक्शन में शिवदासपुरा यार्ड में स्थित समपार फाटक संख्या-64 (मलवा फाटक) KM 102/16-17 को दिनांक 24.11.2026 सुबह 08:00 बजे से 25.11.2026 को शाम 20:00 बजे तक ट्रैक मरम्मत कार्य हेतु पूर्णरूप से बन्द रहेगा, असुविधा के लिए खेद है।
1677-CQ/26 सहा. मं.इन्जी.(मुख्या) जयपुर
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

**विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन**
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय श्रीमान् अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्रम सं.-11, स्थान जयपुर महानगर (प्रथम), सांगानेर
338 05/11/26
कंवलजीत सिंह
विरूद्ध
शैलेन्द्र कुमार गोयल
वाद बाबत् - विशिष्ट अनुपालना
वाद संख्या- 278/ सन् 2026
बनाम- शैलेन्द्र गोयल पुत्र श्री रामकृष्ण जाति गोयल निवासी- मकान नम्बर 4271, नीदंड राव जी का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर एवं प्लॉट नम्बर- 723, देवी नगर, सोडाला, जयपुर।
वादी ने आपके विरूद्ध उपरोक्त वाद के लिये वाद पंजीयत किया है।
आपको इस न्यायालय में दिनांक 25.11.2026 को दिन में 10.30 बजे दिन में दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हों, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद आज दिनांक 05.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
रीडर,
अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश
क्रम संख्या-11, जयपुर महानगर प्रथम,
मुख्यालय सांगानेर।
मोहर

**उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)**
व्यवहार मिश्रित (मुतफरिक) वाद सं. 61/2026
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम गजानन्द शर्मा पुत्र श्री जगदीश प्रसाद शर्मा जाति ब्राह्मण
विवाद स्थान प्लाट नं. H 1-1047 सीतापुरा जयपुर
मृतक अभिषेक शर्मा की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 04.01.2027
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम अभिषेक शर्मा पुत्र स्व.श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी 6/420 SFS अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें।
अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 01 सन् 2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 23 माह 11 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
संख्या 10 जयपुर महानगर प्रथम
मुख्यालय जयपुर
मोहर अदालत


## किशनगढ़ बास में बासड़ा रोड के नोटिस पर बवाल

**किशनगढ़ बास।** बासड़ा रोड पर अतिक्रमण के नाम पर नगर पालिका द्वारा जारी किए गए नोटिसों को लेकर क्षेत्र के निवासियों और दुकानदारों में भारी रोष है। सोमवार को विधायक दीपचंद खैरिया के साथ बासड़ा रोड के निवासियों एवं दुकानदारों ने जिला कलेक्टर को सामूहिक प्रार्थना पत्र सौंपकर नोटिसों पर पुनर्विचार करने, विधिवत सीमांकन कराने और तब तक किसी भी प्रकार की बेदखली एवं तोड़फोड़ की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि नगर पालिका किशनगढ़-बास ने 26/10/2026 को बासड़ा रोड के निवासियों एवं दुकानदारों को सरकारी सड़क, रास्ते एवं नाले पर अतिक्रमण के संबंध में नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिसों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला खैरथल-तिजारा के पत्र क्रमांक 1071 दिनांक 18/07/2026 का संदर्भ दिया गया है। उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के उक्त पत्र का अवलोकन किया है। उस पत्र में गंज रोड के खसरा संख्या 321, जोहड़ के खसरा संख्या 533 तथा किले की खाई के खसरा संख्या 535 का उल्लेख किया गया है। परंतु उस पत्र में बासड़ा रोड का नाम अथवा बासड़ा रोड से संबंधित किसी भी खसरा संख्या का कोई उल्लेख नहीं है। ऐसी स्थिति में सवाल उठता है कि जब संदर्भित पत्र में बासड़ा रोड का उल्लेख ही नहीं है, तो उसी संदर्भ के आधार पर बासड़ा रोड के निवासियों को भूलवश अतिक्रमण संबंधी नोटिस क्यों दिए गए? निवासियों ने नोटिसों को संशोधित अथवा निरस्त करने की मांग की है।प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि जिन निवासियों एवं दुकानदारों ने नगर पालिका के नोटिस का विधिवत उत्तर प्रस्तुत कर दिया है, उनके जवाबों का

- बासड़ा रोड़ निवासियों का आरोप जिस पत्र का हवाला, उसमें बासड़ा रोड का नाम ही नहीं, तो नोटिस क्यों

## दीपावली मिलन पर सृजक की कवि गोष्ठी में बही काव्य रसधार

**अलवर।** साहित्यिक संस्था सृजक की ओर से दीपावली मिलन के अवसर पर मासिक कवि गोष्ठी का आयोजन संजय कॉलोनी स्थित एमएनसीआई सभागार में किया गया। संस्था अध्यक्ष सरदार अमरीक सिंह अदब की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में शहर के साहित्यकारों और कवियों ने गीत, गजल, दोहे, हास्य-व्यंग्य एवं समसामयिक रचनाओं की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं साहित्यप्रेमियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इसके बाद गीतकार रामचरण राग ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। गोष्ठी में मुख्य अतिथि रघुवर दयाल जैन ने रीतिकालीन कवियों के दोहों का काव्यांतरण प्रस्तुत किया।

विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजना अनिल ने दीपक की अंतर्कथा सुनाई, जबकि रघुनंदन अवस्थी ने जीवन दर्शन पर आधारित मार्मिक गीत प्रस्तुत किया।

- कवियों ने गीत, गजल और व्यंग्य रचनाओं से बांधा समां, जन्मदिन पर दिल्ली से आए तीन साहित्यप्रेमियों का सम्मान किया

सरदार अमरीक सिंह अदब, डॉ. शिवचरण चौड़वाल, मौ. रफीक खान और रामचरण राग की गजलों ने खूब रंग जमाया।

डॉ. देवेंद्र शर्मा और जयदर्थ यादव ने सामाजिक विसंगतियों पर अपनी रचनाओं के माध्यम से चोट की। युवा कवि प्रेम शर्मा की कविता के दो पैग रचना को श्रोताओं की खूब वाहवाही मिली। पुरुषोत्तम शर्मा के दोहों और डॉ. वेद प्रकाश यादव सहज के सामयिक मेवाती गीत ने भी श्रोताओं को प्रभावित किया।

प्रदीप माथुर, जगदीश भारद्वाज और संगीतज्ञ चिन्मय पाराशर ने वर्तमान राजनीति पर व्यंग्यात्मक रचनाएं प्रस्तुत कीं। घनश्याम शर्मा और पुनीत अवस्थी ने पौराणिक संदर्भों पर कविताएं सुनाईं।

देवांश जांगिड़ और अनिल शर्मा की ऐतिहासिक रचनाओं के साथ सीमा कालरा की प्रतीकात्मक रचना तथा याशिता शर्मा की स्त्री विमर्श पर आधारित कविताओं को सराहना मिली। दिवाकर शर्मा और महेश वेदामृत ने भी काव्य पाठ किया।

इस दौरान बांसुरी वादक सुभाष नकड़ा की मधुर धुनों ने माहौल को संगीतमय बना दिया। संस्था सचिव रामचरण राग ने बताया कि दिल्ली से आए राकेश बग्गा, अशोक आहूजा और खुशाल सैनी को जन्मदिन के अवसर पर मोतियों की माला, तिरंगा पटका और पेन भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था कोषाध्यक्ष हेमराज सैनी, प्रवक्ता मुकेश मीणा सहित अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में 'एयर स्ट्राइक' की सूचना पर मॉक ड्रिल

**कोटपूतली।** कोटपूतली-बहरोड़ जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को निकटवर्ती ग्राम मोहनपुरा स्थित अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट में सिविल डिफेंस के तहत आपातकालीन मॉक ड्रिल का अभ्यास सायं 04 बजे किया गया। यह अभ्यास एयर स्ट्राइक की सूचना पर किया गया, जिसमें राहत एवं बचाव कार्यों की विभागीय प्रतिक्रिया और समन्वय की वास्तविक स्थिति का आंकलन किया गया। जैसे ही एयर स्ट्राइक की सूचना मिली, सभी संबंधित विभागों को तत्काल सूचित किया गया। जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता, एडीएम सोहन सिंह नरुका एवं एएसपी नाजिम अली सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंच गए। साथ ही एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस दल, फायर ब्रिगेड, पुलिस, चिकित्सा, बिजली, जिला रसद विभाग सहित अन्य विभागों की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन शुरू किया। फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पाने की कार्यवाही की गई, जबकि चिकित्सा विभाग की टीमों ने घायलों को प्राथमिक उपचार प्रदान कर एम्बुलेंस के माध्यम से उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुँचाया। आपदा प्रबंधन की टीम एवं सिविल डिफेंस ने प्लांट में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के साथ-साथ सभी स्थानों की गहन तलाशी ली, ताकि कोई व्यक्ति घायल अवस्था में पीछे ना रह जाए। साथ ही एसडीआरएफ दल ने रस्सी एवं स्ट्रक्चर के माध्यम से घायल को सुरक्षित उतारने का लाईव डेमो भी किया गया।

- आपदा की स्थिति में समन्वित कार्य प्रणाली और विभागीय तत्परता का किया गया मूल्यांकन
- एसडीआरएफ टीम एवं सिविल डिफेंस ने 50 लोगों को सुरक्षित निकाला एवं 10 हुए घायल

जिला कलक्टर अपर्णा गुप्ता ने बताया कि 50 लोगों को समय रहते बाहर निकाल लिया गया था, जिससे उन्हें किसी प्रकार की क्षित नहीं हुई, इसके अतिरिक्त 10 घायल पाए गए। उन्होंने कहा कि आपदा कभी पूर्व सूचना देकर नहीं आती, ऐसे में सभी विभागों को तत्पर, सजग और समन्वित रहना आवश्यक है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और सभी संबंधित विभागों के समन्वय और तत्परता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉकड्रिल से किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढ़ंग से निपटने की हमारी क्षमता बढ़ती है। एएसपी नाजिम अली ने कहा कि यह मॉकड्रिल प्लांट में हवाई हमले की स्थिति में मौके पर राहत एवं बचाव कार्य, घायलों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुंचाने और अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से की गई। रिसपॉन्स समय के अनुसार सभी का मूल्यांकन भी किया जाएगा।

मॉक ड्रिल के पश्चात जिला कलेक्टर, एडीएम, एएसपी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों के साथ बैठक कर संपूर्ण कार्यवाही की। मॉकड्रिल के समाप्त होते ही समीक्षा की और संतोष व्यक्त करते हुए पाई गई खामियों को दूर करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मॉक ड्रिल में एसडीएम योगेश सिंह देवल, तहसीलदार रामधन गुर्जर, डीएसपी मदन लाल जैफ, सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत सहित पुलिस, सिविल डिफेंस से अशोक, मनोज, चरण सिंह, ऋतिक, नरेंद्र एवं आपदा प्रबंधन आदि विभागों के अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

## विधिक जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित

**किशनगढ़ बास।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा की ओर से सोमवार को जिला सैनिक बोर्ड कार्यालय खैरथल में नालसा वीर परिवार सहायता योजना-2025 के तहत विधिक जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों की वीर नारियों तथा उनके परिजनों को कानूनी अधिकारों, नि:शुल्क विधिक सहायता और विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस दौरान पैरालीगल वॉलिंटियर (पीएलवी) सूरजभान कछवाहा ने उपस्थित लोगों को बताया कि पूर्व सैनिकों एवं शहीद परिवारों को पेंशन, पारिवारिक पेंशन, मृत्यु प्रमाण पत्र, उत्तराधिकार, जमीन-जायदाद, नामांतरण, बंटवारे और पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से कानूनी मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

पीएलवी कछवाहा ने वीर नारियों एवं शहीद परिवारों से अपील की कि

- पूर्व सैनिकों, शहीद सैनिकों की वीर नारियों तथा उनके परिजनों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई

किसी भी कानूनी अथवा पेंशन संबंधी समस्या के समाधान के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा के कार्यालय या फ्रंट ऑफिस में सम्पर्क करें। उन्होंने नि:शुल्क कानूनी सहायता के लिए हेल्पलाइन नम्बर15100की जानकारी भी दी।


**भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर**
क्रमांकः-लेखा/भ.वि.प्रा/2026-27/ दिनांकः- यथाहस्ताक्षिरत
**ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 59/2026-27**
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से एजेंसियों / संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट https://bhda.rajasthan.gov.in/home/dptHome, http://eproc.rajasthan.gov.in एव http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है। निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://sppp.raj.nic.in portal, http://eproc.rajasthan.gov.in का अवलोकन करें।
UBN No. 01. WAQ2627SLRC00138
सचिव
भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर


## शिक्षा संकुल को ज्ञापन सौंपा

**निवाई।** बाल वाटिका शिक्षकों ने दयाशंकर बहादुरपुरा के नेतृत्व में वेतन विसंगतियों सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर शिक्षा संकुल जयपुर में अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक अशोककुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा है।

इस दौरान प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए बाल वाटिका शिक्षकों ने बताया कि बाल वाटिका शिक्षक बाल वाटिका में बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा एवं उनके सर्वांगीण विकास की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। शिक्षकों ने प्लेसमेंट एजेंसी कार्य प्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि एजेंसियों द्वारा शिक्षकों को समय पर वेतन नहीं दिया जा रहा है एवं कई मामलों में पूरा वेतन भी काट दिया जाता है। इस दौरान उन्होंने वेतन विसंगतियो का स्थाई समाधान करवाने एवं उन्हें सम्मानजनक वेतन एवं आवश्यक सेवा सुविधा प्रदान करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में सुमित्रा व गीता भीलवाड़ा, रामरतन व सीमा दौसा, सुनीता व रेखा हनुमानगढ़, शिवानी व उर्मिला अजमेर, सुरज्ञान व रेखा टोंक, सरोज जयपुर, मनीष बांदीकुई, अल्केश व पुष्पेंदर भरतपुर, निकिता रुकेश सवाई माधोपुर, सुषमा बूंदी आदि।


**नाम परिवर्तन**
मेरे बेटे सत्यवीर सिंह यादव के आर्मी रिकॉर्ड में मेरा नाम मेहर चंद गलत दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम महेर चंद यादव है। निवासीः गाँव व पोस्ट-करोडा, तहसील- बहरोड़, जिला-अलवर (राजस्थान)

I USHA MOTHER OF ARMY NO.4213299Y RANK - NK BASANT KUMAR SERVING IN INDIAN ARMY I HAVE CHANGED MY NAME IN MY SON ARMY RECORD FROM USHA DEVI TO USHA VIDE AFFIDAVIT NO. IN-AS70898220851886Y

I, KM NITIN WIFE OF ARMY NO.4213299Y RANK - NK BASANT KUMAR SERVING IN INDIAN ARMY I HAVE CHANGED MY NAME IN MY HUSBAND ARMY RECORD FROM NITIN KUMARI TO KM NITIN VIDE AFFIDAVITNO.IN-AS78075867766640Y

I, ANJALI LALWANI after marriage I change my Name to ANJALI PUNJABI W/O KUNAL PUNJABI IN Future I known as this name. ANJALI PUNJABI A-690 Shiv marg, malviya nagar, JAIPUR

**खोया पाया**
मेरे आवास 120/4, विजय पथ, मानसरोवर का पजेशन/ डिक्लेरेशन पत्र कहीं खो/ गिर गया, मिलने पर सूचित करें। बबीता सिंह पुत्री श्री रामअनुग्रह नारायण सिंह, मोबाइल 6376565849

मेरा Flat No.-EWS/KA/1/1 (G-F) कृष्णा अपार्टमेन्ट, प्रताप नगर, सांगानेर का मूल अदेय प्रमाण पत्र कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें- 9983345690

**नम्बर मिलाइए 8890333139**

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


## पालिका की भूमि पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया

**निवाई।** निवाई बाईपास पर स्थित भारद्वाज होटल के समीप पालिका की बेशकीमती भूमि पर किए गए अतिक्रमण को नगर पालिका के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने धवस्त कर दिया।

नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी नवरत्न शर्मा ने बताया कि नगर पालिका सीमा में स्थित पालिका की की जमीन पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण करके पक्का निर्माण कर लिया था। अतिक्रमण करते की शिकायत पर नगर पालिका के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी मशीन से अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया।

# मानव सेवा ही सच्चा धर्म : जुड़वा बेटियों के जन्मदिन पर पेश की अनूठी मिसाल

**कोटपूतली, ( निंस )।** खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं और नर सेवा ही नारायण सेवा है इसी ध्येय को चरितार्थ करते हुए सोमवार को कस्बे के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय परिसर में सेवा, संवेदनशीलता और परोपकार की एक अनूठी मिशाल देखने को मिली। स्वयंसेवी संस्था 'आओ साथ चलें' द्वारा संचालित 'प्रसादम अभियान' के तहत द्वारिकपुरा निवासी समाजसेवी एवं कांग्रेस सेवादल जिला महासचिव सूबेसिंह तंवर ने अपनी जुड़वा बेटियों दीपांशी (रिद्धि) और दिव्यांशी (सिद्धि) के तृतीय जन्मदिवस पर विशाल भंडारे का

सार-समाचार

## नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत करने से लेकर मतदान तक का कार्यक्रम निर्धारित

**भरतपुर** (निसं)। जिला परिषद भरतपुर के जिला प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए 25 नवम्बर बुधवार को निर्वाचन बैठक आयोजित की जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी कमर चौधरी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार बैठक प्रात: 10 बजे जिला परिषद सभागार, कृष्णा नगर, भरतपुर में आयोजित होगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रमुख पद के निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन पत्र प्रात: 11 बजे तक प्रस्तुत किए जा सकेंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा प्रात: 11.30 बजे से प्रारंभ होगी। अभ्यर्थी अपराह्न 1 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। निर्वाचन के लिए मतदान आवश्यक होने पर अपराह्न 3 बजे से सायं 5 बजे के मध्य कराया जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी ने जिला परिषद भरतपुर के समस्त संबंधित निर्वाचित सदस्यों को निर्धारित दिनांक, समय एवं स्थान पर निर्वाचन बैठक में उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। निर्वाचन की संपूर्ण प्रक्रिया राजस्थान पंचायती राज अधिनियम, 1994, राजस्थान पंचायती राज (निर्वाचन) नियम, 1994 तथा राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान द्वारा जारी प्रासंगिक आदेशों एवं निर्देशों के अनुसार संपादित की जाएगी।

## विभिन्न प्रकरणों में पांच आरोपी गिरफ्तार

**टोंक।** जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये गये विशेष अभियान के तहत मालपुरा वृताधिकारी आशीष प्रजापत एवं लाम्बाहरिसिंह के नेतृत्व में गठीत टीमों द्वारा अवैध जुआ व शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुए क्षैत्र में सार्वजनिक स्थान पर ताश पत्ती से जुआ खेलते हुए तीन आरोपी शैतान पुत्र श्योजीनाथ, पप्पूनाथ पुत्र सुवानाथ व बद्रीलाल पुत्र रामस्वरूप ब्राह्मण निवासी सिन्धौलिया को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में पुलिस ने उनके कब्जे से जुआ राशि 410 रूपये नगद व एक 52 पत्ते ताश को जप्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आरपीजीओ अधिनियम में प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान जारी है।
इसी प्रकार अन्य लाम्बाहरिसिंह थाना टीम ने दौराने गश्त मुखबिर की सूचना के बाद लाम्बाहरिसिंह से आमलीचारणान जाने वाले रास्ते पर अवैध देशी शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुए आरोपी नानू पुत्र देवा बागरिया उम्र 50 साल निवासी आमली चारणान थाना लाम्बाहरिसिह को गिरफ्तार किया जाकर उसके कब्जे से देशी शराब के पव्वे जप्त किये गया है। वही पुलिस टीम ने पाण्डरवाडा जाने वाले कच्चे रास्ते पर अवैध मादक पदार्थ परिवहन करते हुए आरोपी परसराम पुत्र राजाराम नायक उम्र 30 साल निवासी लाम्बाहरिसिंह को गिरफ़्तार किया जाकर उसके कब्जे से 54 पव्वे अवैध देशी शराब के जप्त किये गये है। इस कार्यवाही में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ राज. आबकारी अधिनियम में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर अनुसंधान जारी है।

## नींद की झपकी ने छीना कार से नियंत्रण, खेत में पलटी गाड़ी

**अलवर।** लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में सोमवार सुबह चालक को नींद की झपकी आने से एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में जा गिरी। हादसा इतना अचानक हुआ कि कार खेत में गिरने के बाद पलटी खा गई। गनीमत रही कि खेत में नरम मिट्टी होने के कारण कार सवार तीनों लोगों की जान बच गई। हादसे में तीनों को मामूली चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब 7 बजे गोविंदगढ़ निवासी एक युवक कार से अपनी मामी को उनके गांव खोहरा छोड़ने जा रहा था। बताया जा रहा है कि परिवार में आयोजित शादी समारोह से लौटने के बाद युवक सुबह कार लेकर रवाना हुआ था। रास्ते में कफनवाड़ा स्थित हनुमान मंदिर की पुलिया के पास चालक को थकान के चलते अचानक नींद की झपकी आ गई। इससे कार पर उसका नियंत्रण हट गया और गाड़ी सड़क से नीचे खेत में जा गिरी। खेत में गिरते ही कार पलटी खा गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। कार पलटी हुई थी और उसमें सवार तीनों लोग अंदर फंसे हुए थे। ग्रामीणों ने बिना देर किए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने मिलकर पहले कार को सीधा किया और फिर उसमें फंसे तीनों लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

## आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग

**राजगढ़ जयपुर।** में राजगढ़ निवासी युवा कैफे व्यापारी मयंक गोपालिया की हत्या के आरोपियों को त्वरित एवं कठोर सजा देने की मांग को लेकर आवाज मंच के नेतृत्व में लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया। व्यापारी पर जयपुर के वैशाली नगर में 5 नवंबरकी रात्रि को घर लौटते समय दो बदमाशों ने हमला कर गंभीर घायल कर दिया। ज्ञापन में बताया कि जयपुर के वैशाली नगर में राजगढ़ निवासी कैफे व्यापारी मयंक गोपालिया 5 नवंबर को रात्रि घर लौट रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने उसे पर लोहे की राड एवं लाठी डंडों से हमला कर घायल कर दिया। जिसकी 16-17 नवंबर की रात्रि को मौत हो गई। ज्ञापन में इस हत्या प्रकरण की फास्ट ट्रैक कोर्ट से कड़ी सजा, अपराधियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने, पीड़ित परिवार को एक करोड रुपए की आर्थिक सहायता एवं एक सदस्य को नौकरी देने की मांग की गई। इस अवसर पर आवाज मंच के मुकेश जैमन, दिनेश प्रधान, खेम सिंह आर्य, राजकुमार सैनी, जितेंद्र दुहरिया, तरुण राठिया, धर्मचंद सैनी, एवं प्रमुख लोग मौजूद रहे।

## श्री नामदेव छीपा समाज की बैठक संपन्न

**निवाई।** श्री नामदेव छीपा समाज हितकारिणी समिति की त्रैमासिक बैठक रविवार को समिति के उपाध्यक्ष घासीलाल तोणगरिया के आवास पर तहसील सलाहकार मण्डल के सदस्य माणकचन्द नामा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ समाज के आराध्य देव संत नामदेव महाराज चित्र के समक्ष माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके किया गया। तहसील महामंत्री राकेश कुमार गंगवाल ने विगत बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया। बैठक में विभिन्न प्रस्तावों पर विचार विमर्श किया गया। वक्ताओं ने सामाजिक एकजुटता स्थापित करने पर जोर दिया। इस दौरान सर्वसम्मति से कृषि उपज मंडी में स्थित भगवान श्री लक्ष्मीनारायणजी के मंदिर में रविवार को जिलास्तरीय त्रैमासिक बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में रामरतन नामा, माणकचन्द नामा, घासीलाल नामा, गणेश नामा, मनोज नामा, राकेश कुमार नामा व पुरुषोत्तम नामा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

# अलवर पुलिस का बड़ा एक्शन, 33 लाख के 114 गुमशुदा मोबाइल बरामद

**अलवर।** मोबाइल फोन आज हर व्यक्ति की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मोबाइल गुम हो जाने पर न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि उसमें मौजूद जरूरी संपर्क, फोटो, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हाथ से निकल जाती हैं।

ऐसे लोगों को राहत देते हुए अलवर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ऑपरेशन साइबर संग्राम अभियान 3.0 के तहत साइबर सेल और अलवर 4 की टीम ने पोर्टल की मदद से 114 गुमशुदा मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किए हैं। इन मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत करीब 33 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने बरामद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों की खुशी देखते ही बन रही थी। लंबे समय से अपने खोए हुए फोन मिलने की उम्मीद लगाए बैठे लोगों ने जब मोबाइल अपने हाथों में देखे तो उनके चेहरे खिल उठे। कई लोगों के लिए यह केवल मोबाइल की वापसी नहीं, बल्कि उसमें सुरक्षित अपनी जरूरी यादों, संपर्कों और जानकारियों को दोबारा हासिल करने जैसा



पुलिस ने बरामद सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिक को सौंप दिए।

- ऑपरेशन साइबर संग्राम 3.0 के तहत साइबर सेल और अलवर 4 की बड़ी कार्रवाई, खोए मोबाइल वापस पाकर खिल उठे लोगों के चेहरे

था। लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार जताया।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. प्रियंका के निर्देशन में इस अभियान को अंजाम दिया गया। इसमें साइबर सेल, अलवर 4, वृत्ताधिकारियों और विभिन्न थानों के थानाधिकारियों की टीम ने आपसी समन्वय के साथ काम किया। टीम ने तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए गुमशुदा मोबाइल फोन की जानकारी जुटाई और उन्हें ट्रेस कर बरामद करने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार मोबाइल फोन गुम होने की शिकायत पोर्टल पर दर्ज होने के बाद संबंधित मोबाइल के नंबर के आधार पर उसकी तलाश शुरू की जाती है।

नंबर प्रत्येक मोबाइल की विशिष्ट पहचान होता है। इसके माध्यम से मोबाइल के उपयोग और नेटवर्क से संबंधित तकनीकी जानकारियां जुटाकर उसे ट्रेस करने में मदद मिलती है। मोबाइल का पता चलने पर संबंधित थाना पुलिस के माध्यम से उसे बरामद कर उसके वास्तविक धारक को सौंपा जाता है। अलवर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल फोन गुम होने या चोरी होने की स्थिति में लापरवाही नहीं बरतें। तत्काल पोर्टल ... पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि मोबाइल को ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू की जा सके। वहीं, किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और जिला अलवर हेल्पलाइन नंबर 8764874306 पर संपर्क करें। पुलिस का कहना है कि समय पर शिकायत दर्ज कराने से मोबाइल की तलाश और साइबर अपराधों पर नियंत्रण की कार्रवाई में मदद मिलती है।

# कोतवाली थाने में पुलिसकर्मियों के लिए लगा हेल्थ चेकअप शिविर

**अलवर।** पुलिसकर्मियों की व्यस्त दिनचर्या, अनियमित खानपान और लगातार ड्यूटी के दबाव को देखते हुए शहर के कोतवाली थाने में वीरो हेल्थ केयर की ओर से स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में थाने के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें बीमारियों के प्रति जागरूक किया गया।

शिविर के दौरान चिकित्सकों की टीम ने पुलिसकर्मियों का ब्लड प्रेशर (बीपी) सहित विभिन्न जरूरी स्वास्थ्य परीक्षण किए। साथ ही उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और शुरुआती लक्षणों को गंभीरता से लेने की सलाह दी गई।

वीरो हेल्थ केयर की ओर से पहुंची डॉक्टर ममता शर्मा ने बताया कि पुलिसकर्मी दिनभर कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और आमजन की सुरक्षा में व्यस्त रहते हैं।

- बीपी सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की, कैंसर के शुरुआती लक्षणों और बचाव के बताए उपाय

उनकी ड्यूटी का समय भी कई बार अनियमित होता है।

ऐसे में वे अक्सर अपने स्वास्थ्य पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए थाने में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, ताकि पुलिसकर्मियों को अपनी सेहत के प्रति जागरूक किया जा सके। डॉ. ममता शर्मा ने शिविर में पुलिसकर्मियों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शुरुआती लक्षणों, समय पर पहचान और बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का समय रहते पता चलने पर उपचार की संभावनाएं बेहतर हो सकती हैं।

शरीर में किसी प्रकार की असामान्य गांठ, लंबे समय तक रहने वाला घाव, बिना कारण वजन कम होना या अन्य असामान्य बदलाव दिखाई देने पर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित खानपान, पर्याप्त नींद और शारीरिक गतिविधियां स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी हैं। तंबाकू और धूम्रपान जैसी हानिकारक आदतों से दूरी बनाकर भी कई बीमारियों के खतरे को कम किया जा सकता है। शिविर के माध्यम से पुलिसकर्मियों को यह संदेश दिया गया।

कि दूसरों की सुरक्षा के साथ अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है। समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर बीमारियों की समय रहते पहचान की जा सकती है।

## महाश्वेतांबरा साध्वियों का 24 को चातुर्मास पूर्ण

**अलवर।** जैन स्थानक महावीर भवन में पहली बार छत्तीसगढ़ से पदविहार कर अलवर चातुर्मास करने पधारीं श्वेतांबरा महासाध्वी श्री हर्षिताजी महाराज एवं ग्रणा-4 का चातुर्मास 24 नवंबर को पूर्ण होगा।

- जैन समाज की ओर से आयोजित हुआ विदाई समारोह, श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण प्रस्तुतियों से किया गुणगान

महासाध्वियां 25 नवंबर को महावीर भवन से आगामी विहार करेंगी। इस अवसर पर सुबह जैन श्वेतांबर स्थानकवासी श्रावक संघ की ओर से विदाई समारोह आयोजित किया गया।

# अरावली संरक्षण और पर्यावरण के क्षेत्र में राजेंद्र सिंह सम्मानित

**अलवर।** जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाले जलपुरुष राजेंद्र सिंह को 21 नवंबर को केरल के त्रिशूर स्थित कलामंडलम में 'कर्म पुरस्कार-2025' से सम्मानित किया गया। एमकेआर फाउंडेशन की ओर से यह सम्मान उन्हें भारतीय संविधान के मूल्यों के अनुरूप नदी पुनर्जीवन, पहाड़ों के संरक्षण और प्रकृति की रक्षा के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

समारोह में वर्ष 2024 का कर्म पुरस्कार देश के प्रमुख कानूनविद् प्रोफेसर उपेंद्र बक्शी को दिया गया। उन्हें संविधान के मूल्यों को समाज तक पहुंचाने और संवैधानिक दृष्टिकोण से कानून की समझ विकसित करने के लिए जीवनभर किए गए कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

दोनों पुरस्कार केरल के पूर्व मुख्य सचिव जैकुमार कथा और भारतीय न्यायिक संस्थान के पूर्व निदेशक जी.




समारोह में वर्ष 2024 का कर्म पुरस्कार देश के प्रमुख कानूनविद् प्रोफेसर उपेंद्र बक्शी को दिया गया।

मोहन गोपाल ने प्रदान किए। सम्मान ग्रहण करने के बाद राजेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने मूल गांव डोला को बाढ़मुक्त बनाने का काम 1974 में शुरू किया था और आज भी यह गांव बाढ़मुक्त है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण के प्रयास गरीबों के विस्थापन, विनाश और आजीविका के संकट को रोकते हैं।

राजस्थान के अलवर जिले के थानागाजी क्षेत्र के गोपालपुरा सहित सूखे और बाढ़ से प्रभावित गांवों में उन्होंने लोगों के जीवन, जीविका और सम्मान को बचाने के लिए प्रकृति तथा पहाड़ों के संरक्षण की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला को खनन से बचाने के लिए दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश के मथुरा क्षेत्र तक संघर्ष किया गया। इस दौरान संविधान ने रास्ता दिखाया और न्याय के लिए लड़ने की ताकत दी। कुछ लोगों को खदानें बंद होने से परेशानी हो सकती है, लेकिन प्रकृति संरक्षण के ऐसे प्रयास देश के बड़े समुदाय को जीवन, आजीविका और सम्मान प्रदान करते हैं।

सार-समाचार

## दादा-दादी से लेकर पोते-पोती तक दिखा सकेंगे खेलों में दमखम

**अलवर।** अब खेल के मैदान में उम्र बाधा नहीं बनेगी। पोते-पोती से लेकर दादा-दादी तक सभी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और हर उम्र के लोगों को खेलों से जोड़ने के उद्देश्य से खेलो इंडिया की तर्ज पर खेलो राजस्थान गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 नवंबर निर्धारित की गई है। अलवर जिला खेल अधिकारी अंजना शर्मा ने बताया कि खेलो राजस्थान के तहत प्रदेशभर में कुल 16 खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस बार हॉकी को भी प्रतियोगिताओं में शामिल किया गया है। इसमें बच्चे, महिला और पुरुष किसी भी आयु वर्ग में अपनी खेल प्रतिभा दिखा सकेंगे। आयोजन का उद्देश्य खेलों को केवल युवाओं तक सीमित न रखकर समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना है। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के इच्छुक खिलाड़ियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इसके लिए जन आधार कार्ड के माध्यम से पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित तिथि तक अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। खेल अधिकारी के अनुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले ग्रामीण स्तर पर होगा। इसके बाद तहसील और जिला स्तर पर मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। इन स्तरों पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त करेंगे। खेलो राजस्थान गेम्स से ग्रामीण क्षेत्रों की छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के साथ ही बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खेलों के प्रति उत्साह बढ़ने की उम्मीद है।

## पुनर्मतदान के बाद दोनों वार्डों में कांग्रेस का कब्जा

**पावटा।** पंचायत समिति पावटा के वार्ड संख्या 6 और 11 में रविवार को संपन्न हुए पुनर्मतदान के बाद घोषित चुनाव परिणामों में कांग्रेस प्रत्याशियों ने जीत दर्ज कर दोनों वार्डों पर कब्जा जमाया। मतगणना के बाद वार्ड संख्या 11 से कांग्रेस प्रत्याशी बीना देवी और वार्ड संख्या 6 से कांग्रेस प्रत्याशी तोफली देवी को विजयी घोषित किया गया। दोनों वार्डों में जीत के बाद कांग्रेस समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। वार्ड संख्या 11 में कांग्रेस प्रत्याशी बीना देवी ने निर्दलीय प्रत्याशी राजेंद्र प्रसाद यादव को 348 मतों के अंतर से पराजित किया। बीना देवी को कुल 1298 मत प्राप्त हुए, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी राजेंद्र प्रसाद यादव के खाते में 950 मत आए। इस प्रकार बीना देवी ने स्पष्ट मतों के अंतर से जीत दर्ज की। वहीं वार्ड संख्या 6 में कांग्रेस प्रत्याशी तोफली देवी और भाजपा प्रत्याशी संजीवनी के बीच मुकाबला रहा। इसमें टोफली देवी ने 191 मतों से जीत हासिल की। टोफली देवी को कुल 1787 मत मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी संजीवनी को 1596 मत प्राप्त हुए। दोनों वार्डों में पुनर्मतदान के दौरान मतदाताओं ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वार्ड संख्या 6 के बूथ संख्या 30 पर कुल 81.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जबकि वार्ड संख्या 11 के बूथ संख्या 39 पर 66.29 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। दोनों बूथों के मतदान प्रतिशत में अंतर भी चर्चा का विषय रहा। रविवार रात करीब 9 बजे पंचायत समिति परिसर में मतगणना प्रक्रिया संपन्न हुई। इसके बाद रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम बृजेश कुमार ने चुनाव शाखा प्रभारी सत्यदेव यादव की मौजूदगी में दोनों वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित किए। परिणाम सामने आते ही विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने जीत की खुशी जाहिर की। पुनर्मतदान के बाद आए इन परिणामों के साथ ही पंचायत समिति पावटा के वार्ड संख्या 6 और 11 की चुनावी तस्वीर साफ हो गई। दोनों वार्डों में कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत ने स्थानीय राजनीतिक समीकरणों को लेकर भी चर्चाओं को तेज कर दिया है।

## करंट से रीढ़ की हड्डी में आई चोट, आधा शरीर हुआ पैरालाइज

**बयाना भरतपुर** (निसं)। कहते हैं कि हौसले बुलंद हों तो कोई भी मुश्किल मंजिल पाने से नहीं रोक सकती। इसकी मिसाल हैं बयाना के दमदमा रोड निवासी लाखन सिंह फौजदार, जिन्होंने गंभीर हादसे के बाद भी हार नहीं मानी और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। करीब 12 साल पहले बिजली के पोल पर काम करते समय 11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से लाखन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हादसे में उनका दायां हाथ बुरी तरह झुलस गया और पोल से गिरने के कारण रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट आई। इससे शरीर का निचला हिस्सा पैरालाइज हो गया। डॉक्टरों ने हाथ काटने तक की सलाह दी थी। करीब दो साल तक इलाज चला और 30 दिन आईसीयू में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से संघर्ष करना पड़ा। लेकिन लाखन ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने तैराकी को अपनी ताकत बनाया। भोपाल में आयोजित 26वीं नेशनल पैरा स्विमिंग चौंपियनशिप में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए 50 मीटर फ्री स्टाइल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले 24वीं और 25वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी स्वर्ण पदक हासिल कर चुके हैं। इस तरह लगातार तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड जीतकर उन्होंने मिसाल पेश की है। लाखन जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में अभ्यास करते हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर बेटियां दीक्षा और गुंजन भी तैराकी में आगे बढ़ रही हैं। अब उनका लक्ष्य जनवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित वर्ल्ड सीरीज में भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करना है। इसके लिए वे स्पॉन्सरशिप और आर्थिक सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं।

## स्वास्थ्य परीक्षण शिविर : स्पंदन योजना के तहत बंदियों की गहन जांच

**कोटपूतली, (निंस)।** राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा), जयपुर के तत्वाधान में संचालित विशेष अभियान "स्पंदन स्वस्थ बंदी, सुरक्षित कल, संवेदनशील न्याय" के अंतर्गत सोमवार को जिला कारागृह कोटपूतली एवं उपकारागृह बहरोड़ में विशाल स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सैशन न्यायाधीश रवि शर्मा के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की गठित समिति द्वारा कारागृहों में निरुद्ध बंदियों के स्वास्थ्य की गहन जांच की गई। शिविर के दौरान डॉक्टरों की टीम ने बंदियों का बारीकी से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श व उपचार लिखा। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान कोई भी बंदी गंभीर बीमारी से ग्रासित नहीं पाया गया।

## अलीगढ़ में एक महीने से दिख रहा है पैंथर

**टोंक।** अलीगढ़ गांव और आसपास के इलाकों में करीब एक महीने से पैंथर दिखने के बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़ने के लिए विशेष रेस्क्यू अभियान चलाने की मांग को लेकर सोमवार को युवा ग्राम विकास समिति अलीगढ़ और उनियारा उपखण्ड अधिकारी के जरिए टोंक जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में ग्रामीणो ने बताया कि पैंथर कई दिनों से गांव की आबादी, खेतों और रास्तों पर बार-बार दिख रहा है। किसान खेतों में जाने से कतरा रहे हैं और ग्रामीण रात में घरों से बाहर नहीं निकल रहे, पैंथर पालतू पशुओं का शिकार कर रहा है, जिससे पशुपालकों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि वन विभाग की स्थानीय टीम एक महीने से कोशिश कर रही है, लेकिन आधुनिक उपकरणों और प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम की कमी के चलते अब तक सफलता नहीं मिली। अभी खेतों में फसल छोटी है, आने वाले दिनों में फसल बड़ी और घनी हो जाएगी, जिससे पैंथर को तलाशना और पकड़ना मुश्किल होगा। ज्ञापन में मांग की गई कि अधिकतम तीन दिन में विशेष प्रशिक्षित रेस्क्यू टीम भेजकर पैंथर को सुरक्षित पकड़ा जाए।

# कार्यों के प्रति लापरवाही नहीं, गंभीरता व समयबद्धता के साथ काम पूरा करें : कलेक्टर

**खैरथल।** जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने सोमवार को सचिवालय कक्ष में आयोजित हुई साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं, सेवाओं एवं आगामी महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर लंबित एवं असंतुष्ट परिवेदनाओं पर संबंधित अधिकारियों को कार्यों में गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ कार्य करने के साथ आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर परिषद सहित सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि लंबित एवं असंतुष्ट शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने सीएमओ स्तर के प्रकरणों का एक सप्ताह के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही, किसी प्रकरण के एस्केलेशन होने पर निचले स्तर के संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करने की बात कही, ताकि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयावधि में समाधान हो सके। बैठक



बैठक मेंस्मार्टप्रोजेक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

मेंस्मार्टप्रोजेक्ट के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि इस प्रोजेक्ट के अंतर्गत 7 विभागों की कुल 26 सेवाओं को शामिल किया गया है। इस परियोजना का उद्देश्य विभिन्न विभागों की सेवाओं को तकनीक आधारित एवं अधिक सुगम बनाना तथा नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ सरल एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध करवाना है।

इसके माध्यम से विभागीय सेवाओं को एकीकृत रूप से उपलब्ध करवाने, सेवा वितरण प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाने तथा आमजन को सरकारी कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से राहत देने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। बैठक में परियोजना के अंतर्गत शामिल

- साप्ताहिक समीक्षा बैठक में जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश ने दिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश।
- लंबित व असंतुष्ट परिवेदनाओं पर चिंता जताई

सेवाओं एवं उनके क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत की गई

इसके साथ ही आगामी वर्ष के लिए पेंशन सत्यापन कार्य प्रारंभ किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई तथा संबंधित कार्यों की प्रगति एवं तैयारियों की समीक्षा की गई।

बैठक में आगामी चुनावों की निर्वाचन प्रक्रिया की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी उपखंड अधिकारियोंको निर्वाचन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने मतदान एवं निर्वाचन प्रक्रिया के सफल, सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात आयोजित जिला स्तरीय दूरसंचार समिति की बैठक में जिले में मोबाइल नेटवर्क कनेक्टिविटी से संबंधित समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में रातारखुर्द पंचायत समिति में मोबाइल नेटवर्क की समस्या के बारे में बताया।

जिला कलेक्टर ने संबंधित दूरसंचार कंपनियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया मोबाइल नेटवर्क सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएं तथा समस्या के समाधान हेतु संभावित विकल्पों पर कार्यवाही की जाए।

# टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ

**भरतपुर** (निसं)। भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में सोमवार को 71वीं राजस्थान राज्य स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2026 का भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। जिला टेबल टेनिस संघ द्वारा राजस्थान टेबिल टेनिस संघ के तत्वाधान में भरतपुर में पांच दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद सीईओ मृदुल सिंह, द्वारा किया गया।

समारोह की अध्यक्षता समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रख्यात व्यवसायी एवं समाजसेवी डॉ. नरेंद्र अग्रवाल, के0टी0आर इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड स्पोर्ट्स के निदेशक आयुष महाजन, प्रतियोगिता प्रबंधक अनिल दुबे, प्रख्यात होटल व्यवसायी एवं समाजसेवी तथा जिला टेबिल टेनिस एसोसिएषन के संरक्षक कुंवर दीप राज सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष राजेन्द्र सारस्वत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल प्रमियों का भरतपुर की ऐतिहासिक धरा पर हार्दिक अभिनंदन किया।

आयोजन सचिव बन्नो ए. एंथनी ने प्रतियोगिता का परिचय देते हुए बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में राजस्थान के 13 जिलों से लगभग 220 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

प्रतियोगिता के अंतर्गत कुल 13 इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे, जिनमें बालक एवं बालिका वर्ग के अंडर-17 एवं अंडर-19 तथा पुरुष एवं महिला वर्ग के मुकाबले शामिल हैं। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु की गई आवास, भोजन, तकनीकी एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी।



खिताब बचाने के दबाव के साथ नहीं, बल्कि एक बार फिर विश्व चैंपियन बनने के इरादे से उतरा हूं। पिछले कुछ वर्षों में मुश्किल दौर से गुजरने के बावजूद मैं शानदार फॉर्म में नजर आया। अब मेरा लक्ष्य एक बार फिर खिताब जीतना है। - डी गुकेश

भारतीय चेस चैम्पियन, विश्व चैम्पियनशिप को लेकर बोलते हुए।

# खेल जगत

आज का खिलाड़ी



**मदनलाल**

1983 विश्व कप विजेता भारतीय टीम के सदस्य और पूर्व ऑलराउंडर मदनलाल ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 2027 वनडे वर्ल्ड कप की भारतीय टीम में शामिल करने की पैरवी की है। उन्होंने कहा कि चयनकर्ताओं को पंत जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टीम से बाहर रखने की गलती नहीं करनी चाहिए। मदनलाल ने पंत की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए कहा कि वह कभी खराब फॉर्म में नहीं रहे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 153 रन की शानदार पारी इसका उदाहरण है। उन्होंने वनडे और टी-20 टीम में पंत को जगह नहीं मिलने पर भी सवाल उठाए।

**क्या आप जानते हैं ?...** 1983 के विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद 175 रन बनाकर कपिल देव ने वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था।

## अल्कराज ने पहली बार जीता फाइनल्स का खिताब, फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 जोकोविच को हराया



नई दिल्ली, 23 नवंबर। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्कराज ने पहली बार एटीपी फाइनल्स का खिताब अपने नाम कर लिया। इटली के ट्यूरिन में रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में अल्कराज ने विश्व नंबर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविच को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 (7) से हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ अल्कराज करियर ग्रैंड स्लैम और एटीपी फाइनल्स का खिताब जीतने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले आंद्रे अगासी, रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

### जोकोविच ने की अल्कराज की तारीफ

खिताब जीतने के बाद अल्कराज ने कहा कि महान खिलाड़ियों के साथ अपना नाम जुड़ना उनके लिए खास उपलब्धि है। उन्होंने कहा, "यह शानदार है कि मेरा नाम अब उन दिग्गजों के साथ है। यह एक अद्भुत सप्ताह रहा। मैंने अपनी टीम के साथ कई मुश्किल दौर का सामना किया है। मैं बेहतरीन टेनिस खेल रहा हूं और इस ट्रॉफी को जीतने का लंबे समय से इंतजार था।"

### चोट के बावजूद लगातार 14वीं जीत

अल्कराज बाईं हैमस्ट्रिंग की चोट से जूझ रहे थे। फाइनल में उनकी ऊपरी जांघ पर काली इलास्टिक बैंड और दाएं घुटने पर टेप लगा हुआ था। इस साल बीच में दाईं कलाई की चोट के कारण वह चार महीने कोर्ट से दूर भी रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने वियना और पेरिस के बाद ट्यूरिन में खिताब जीतकर लगातार 14वीं जीत दर्ज की। इस खिताबी सफलता के साथ उन्हें करीब 5.2 मिलियन डॉलर (लगभग 43 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि मिली।

## पहले टेस्ट में टीम शायद बच गई और मैच ड्रॉ कराने में सफल रही : टॉम लैथम

नई दिल्ली, 23 नवंबर। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने माना कि बेसिन रिजर्व में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में उनकी टीम शायद बच गई और मैच ड्रॉ कराने में सफल रही। उन्होंने पूरे मुकाबले के दौरान अपनी टीम पर बने दबाव और मैच बचाने में मदद करने वाली बल्लेबाजी के प्रयासों का जिक्र किया। वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड ने भारत को ड्रॉ पर रोक दिया, जबकि मेहमान टीम ने अपनी पहली पारी में 720/9 (घोषित) का विशाल स्कोर खड़ा करके जीत की ओर बढ़ने के लिए एक मजबूत स्थिति बना ली थी। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह ड्रॉ जीत जैसा लगा, तो लैथम ने माना कि उनकी टीम मुश्किल स्थिति में थी, खासकर पहले दिन जब उन पर काफी दबाव आ गया था। हालांकि, उन्होंने बल्लेबाजों की तारीफ की कि कैसे उन्होंने दबाव को झेला और टीम को वापस मुकाबले में ला खड़ा किया।

## बेन स्टोक्स और जो रूट की अर्जी खारिज

नई दिल्ली, 23 नवंबर। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आईसीसी से इंग्लैंड को झटका लगा है। सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली क्रिकेट कमेटी ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में स्लो ओवर रेट के लिए सभी टीमों से एक जैसे पॉइंट्स काटने पर इंग्लैंड को हो रहे नुकसान की चिंताओं को खारिज कर दिया है। यह मामला सबसे पहले इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स ने उठाया था और बाद में मौजूदा कप्तान जो रूट ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। हाल ही में बाली में हुई आईसीसी की मीटिंग में इसे कमेटी से कोई सपोर्ट नहीं मिला। ऐसे में आगे के डब्ल्यूटीसी साइकिल में टीमों को स्लो ओवर रेट के लिए पेनल्टी मिलती रहेगी। जब टीमें जरूरी समय में ओवर नहीं कंप्लीट कर पाती हैं तो उनका पॉइंट काटा जाता है। इस पर इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान ने और बाद में वर्तमान कप्तान ने नाराजगी जाहिर की थी और तर्क दिया था कि सब-कॉन्टिनेंट की टीमों को समय पर ओवर पूरे करने का नैचुरल फायदा होता है, क्योंकि उनके घरेलू मैचों में स्पिनर ज्यादा गेंदबाजी करते हैं, जबकि इंग्लैंड को नुकसान झेलना पड़ता है, क्योंकि वे सीम-फेंडली कंडीशन में तेज गेंदबाजों का ज्यादा इस्तेमाल करते हैं।

# वेलिंगटन टेस्ट : मिचेल और फिलिप्स की जुझारू बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने भारत को जीत से रोका, पहला मैच रहा ड्रॉ



वेलिंगटन, 23 नवंबर। डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स ने बेसिन रिजर्व की बेजान पिच पर अपनी रक्षात्मक तकनीक का अच्छा नमूना पेश करते हुए 43 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया जिससे न्यूजीलैंड सोमवार को यहां भारत के खिलाफ पहला टेस्ट क्रिकेट मैच ड्रॉ कराने में सफल रहा। मिचेल (186 गेंदों पर नाबाद 49) और फिलिप्स (126 गेंदों पर नाबाद 26) ने तब मोर्चा संभाला जब भारत ने न्यूजीलैंड के पांच विकेट 176 रन पर निकालकर जीत की उम्मीद जगा दी थी। इन दोनों ने छठे विकेट के लिए 63 रन की अटूट साझेदारी की। न्यूजीलैंड ने जब अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 239 रन बनाए थे तब दोनों कप्तान मैच ड्रॉ करने पर सहमत हो गए। भारत ने न्यूजीलैंड के 368 रन के जवाब में अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 720 रन पर समाप्त घोषित करके 352 रन की बढ़त हासिल की थी। इस मैच के ड्रॉ होने से भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंचने कीसंभावनाओं को झटका लगा है, क्योंकि उसका अंक प्रतिशत 51.52 से गिरकर 50 हो गया है, हालांकि वह तालिका में चौथे स्थान पर बना हुआ है। न्यूजीलैंड भी दूसरे स्थान से खिसककर तीसरे स्थान पर आ गया है, जिसका अंक प्रतिशत 66.67 है। दक्षिण अफ्रीका 75 अंक प्रतिशत के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 69.23 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। दिन भर तेज हवा चल रही थी और आसमान में कुछ बादल भी थे, लेकिन पिच में ऐसी कोई खामी नहीं थी जिससे बेहद रक्षात्मक रवैया अपनाने वाले बल्लेबाजों को किसी तरह की परेशानी हो।

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज गेंद की सीधी रेखा में खेल सकते थे और असमान उछाल की चिंता किए बिना बचाव कर सकते थे। सीमित ओवरों के धाकड़ बल्लेबाज मिचेल और फिलिप्स ने दिखाया कि वह जरूरत पड़ने पर बेहद रक्षात्मक बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने गेंदबाजी में लगातार बदलाव किए लेकिन इसका कोई फायदा नहीं मिला। न्यूजीलैंड के रक्षात्मक रवैए का अंदाजा इससे ही लग सकता है कि उसने अंतिम दिन 75 ओवर का सामना किया और केवल 120 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर (34 ओवर में 64 रन देकर एक विकेट) ने कुछ अवसरों पर बल्लेबाजों को परेशान किया लेकिन अन्य भारतीय गेंदबाज उन पर खास दबाव नहीं बना पाए। न्यूजीलैंड ने सुबह दो विकेट पर 119 रन से आगे खेलना शुरू किया।

उसने पहले सत्र में पिछले दिन के अविजित बल्लेबाज डेवोन कॉनवे (165 गेंदों पर 65 रन) और रचिन रविंद्र (129 गेंदों पर 37 रन) के विकेट गंवाए। कॉनवे और रविंद्र ने जसप्रीत बुमराह (20 ओवर में 42 रन देकर एक विकेट) और अंशुल कंबोज (22 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट) का अच्छी तरह से सामना किया और तीसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़े। ऐस में वाशिंगटन ने कॉनवे को आगे बढ़कर खेलने के लिए मजबूर किया, लेकिन गेंद ने उम्मीद से थोड़ा अधिक उछाल लिया जो उनके बल्ले और पैड से लगकर ऋषभ पंत के दस्तानों में चली गई जिन्होंने आगे डाइव लगाकर शानदार कैच लिया।

पहली पारी में खराब लेंथ के कारण आलोचना झेलने वाले प्रसिद्ध कृष्णा (19 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट) ने दूसरी पारी में अच्छी लेंथ से गेंदबाजी की। उनकी चौथे स्टंप की लाइन पर की गई एक गेंद रविंद्र के बल्ले का किनारा लेकर दूसरी स्लिप में खड़े केएल राहुल के सुरक्षित हाथों में चली गई। न्यूजीलैंड ने दूसरे सत्र में टॉम ब्लंडेल (54 गेंदों पर 15 रन) के रूप में एकमात्र विकेट गंवाया, जिन्होंने कंबोज की गेंद पर पंत को कैच दिया।

जैसे ही मिचेल और फिलिप्स ने भारतीय खिलाड़ियों के साथ हाथ मिलाया, न्यूजीलैंड की टीम ने राहत की सांस ली। दोनों टीम के बीच दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उससे पहले मुख्य कोच गौतम गंभीर और गिल को अपने गेंदबाजी आक्रमण को लेकर मंथन करना होगा क्योंकि कंबोज और प्रसिद्ध खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

## वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ होने से भारत को डब्ल्यूटीसी की राह में लगा झटका

वेलिंगटन, 23 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले गए पहले टेस्ट में सोमवार को मुकाबला ड्रॉ रहने से भारत की अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। पांचवें और आखिरी दिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों ने पूरे दिन संघर्ष करते हुए भारतीय टीम को जीत से वंचित कर दिया। मैच में एक घंटे का खेल शेष रहते दोनों टीमों के कप्तान शुभमन गिल और टॉम लैथम ने ड्रॉ पर सहमति जताई। उस समय न्यूजीलैंड का स्कोर पांच विकेट पर 239 रन था। इस नतीजे के बाद डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारत 50 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। दो मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले भारत का अंक प्रतिशत 51.52 था। भारत को मौजूदा डब्ल्यूटीसी चक्र (2024-27) में अब छह टेस्ट मैच और खेलने हैं। इनमें एक टेस्ट क्राइस्टचर्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ और पांच टेस्ट जनवरी-फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे। अंक तालिका में दक्षिण अफ्रीका 75 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया 69.23 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरे और न्यूजीलैंड 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। इस स्थिति में भारत को फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी सभी छह टेस्ट जीतने होंगे। ऐसा करने पर उसका अंक प्रतिशत 66.67 हो जाएगा। सभी छह टेस्ट जीतने के बावजूद भारत शीर्ष दो टीमों से पीछे रह सकता है और उसे दूसरी टीमों के खराब प्रदर्शन की भी उम्मीद करनी होगी। भारत अगर बाकी छह टेस्ट में से पांच जीतता है और एक मैच ड्रॉ रहता है, तो उसका अंक प्रतिशत 62.96 होगा जबकि पांच जीत और एक हार की स्थिति में यह घटकर 61.11 रह जाएगा। ऐसे में भारत के लिए फाइनल की उम्मीदें बरकरार रखने का एकमात्र रास्ता सभी छह मुकाबलों में जीत हासिल करना है। इसके साथ ही अगले कुछ महीनों में उसे अन्य टीमों के नतीजे भी अपने पक्ष में आने की उम्मीद करनी होगी। मौजूदा चैंपियन दक्षिण अफ्रीका की स्थिति सबसे मजबूत है। उसे अपने बाकी पांच टेस्ट मैचों में से केवल तीन में जीत दर्ज करनी है। इन पांच मुकाबलों में बांग्लादेश के खिलाफ भी एक टेस्ट भी शामिल है।

# गिल ने आईसीसी से की सलाइवा पर प्रतिबंध हटाने की मांग



वेलिंगटन, 23 नवंबर। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंगटन में पहला टेस्ट सोमवार को ड्रॉ होने के बाद गिल ने कहा कि कोविड-19 महामारी खत्म हुए कई साल बीत चुके हैं, ऐसे में गेंद पर लार लगाने की अनुमति अब भी क्यों नहीं है, यह उनकी समझ से बाहर है। भारत को अंतिम दिन जीत के लिए आठ विकेट की जरूरत थी, लेकिन ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल की जुझारू साझेदारी को तोड़ने में भारतीय गेंदबाज नाकाम रहे। दोनों बल्लेबाजों ने अंतिम दो सत्रों में 43 ओवर तक बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत से दूर रखा। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा, मुझे नहीं पता कि गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल की अनुमति क्यों नहीं है। कोविड-19 महामारी खत्म हुए कई साल हो चुके हैं। मुझे समझ नहीं आता कि अब भी इसकी अनुमति क्यों नहीं है।

कोविड-19 महामारी के दौरान संक्रमण का खतरा कम करने के लिए वर्ष 2020 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने गेंद पर लार के इस्तेमाल पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया था। बाद में 2022 में आईसीसी ने इस प्रतिबंध को स्थायी कर दिया। हालांकि, वर्ष 2025 में इंडियन प्रीमियर लीग में लार के इस्तेमाल पर लगा प्रतिबंध हटा दिया गया था, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में यह पाबंदी अब भी लागू है।

गेंद के एक तरफ चमक बनाए रखने और रिवर्स स्विंग हासिल करने में मदद के लिए आमतौर पर लार का इस्तेमाल किया जाता है। सपाट पिचों पर यह गेंदबाजों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित हो सकती है। वेलिंगटन में भारतीय टीम को भी ऐसी ही सपाट पिच का सामना करना पड़ा, जहां गेंदबाजों को विकेट हासिल करने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी।

## शंघाई में खुला रोनाल्डो का अनूठा संग्रहालय

शंघाई, 23 नवंबर। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को समर्पित संग्रहालय 21 नवंबर को शंघाई में खोला गया। चीनी मुख्यभूमि में अपनी तरह का यह पहला संग्रहालय है, जो रोनाल्डो के करियर और उपलब्धियों को दर्शाता है। सीआर7 संग्रहालय शंघाई नंबर-1 शॉपिंग सेंटर में करीब तीन हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बनाया गया है। संग्रहालय के बाहर रोनाल्डो की मशहूर 'सिउ' गोल सेलिब्रेशन मुद्रा में सात मीटर ऊंची प्रतिमा लगाई गई है। इसे पुर्तगाली फुटबॉलर की दुनिया की सबसे ऊंची पूर्ण आकार की प्रतिमा बताया जा रहा है। संग्रहालय के अंदर लगी प्रदर्शनी में रोनाल्डो के बचपन से लेकर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सुपरस्टार बनने तक के सफर को दर्शाया गया है। इसके एक हिस्से में लिस्बन में स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलते समय युवा खिलाड़ी के रूप में रोनाल्डो के छात्रावास के कमरे को फिर से तैयार किया गया है। वहां गुलाबी चादर वाले बिस्तर और दीवार पर लिखा संदेश उनके उस सपने की याद दिलाता है, जिसमें उन्होंने कहा था, एक दिन मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ सात नंबर का खिलाड़ी बनूंगा।

### भारत-पाक खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने पर प्रतिक्रिया

## हम चाहते हैं खिलाड़ी हाथ मिलाएं, लेकिन निर्देशों पर हमारा नियंत्रण नहीं : स्टीवर्ट



नई दिल्ली, 23 नवंबर। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मुकाबलों में खिलाड़ियों के हाथ नहीं मिलाने का सिलसिला जारी है। रविवार को दोहा में एशिया राइजिंग कप के मुकाबले में भारत-ए और पाकिस्तान-ए के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे से हाथ नहीं मिलाया। टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने भी हाथ नहीं मिलाए। मैच समाप्त होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ी बिना हाथ मिलाए अपने-अपने ड्रेसिंग रूम में लौट गए। इस मामले पर क्रिकेट के नियमों की संरक्षक संस्था मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को आपस में हाथ मिलाते देखना चाहती है, लेकिन इस संबंध में ऊपर से आने वाले निर्देशों पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। 20 के पांचवें सीजन के लिए यूएई में मौजूद के लॉर्ड्स मैनेजर और हेड ऑफ क्रिकेट फ्रेजर स्टीवर्ट ने कहा कि संस्था खिलाड़ियों के हाथ मिलाने का समर्थन करती है। उन्होंने कहा, "अगर हाथ मिलाने को लेकर ऊपर से निर्देश आ रहे हैं, तो यह ऐसी चीज नहीं है जिसे नियंत्रित कर सके। हम खिलाड़ियों को हाथ मिलाते देखना चाहेंगे, लेकिन समझते हैं कि इसमें बड़े मुद्दे शामिल हैं। यह हमारे नियंत्रण से बाहर है।"

### एशिया कप 2025 से शुरू हुआ सिलसिला

भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच हाथ नहीं मिलाने का यह पहला मामला नहीं है। 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके बाद सितंबर 2025 में एशिया कप के दौरान भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उस समय स्पष्ट किया था कि भारतीय टीम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है। इसके बाद से दोनों देशों के बीच क्रिकेट मुकाबलों में यह सिलसिला जारी है। एशिया कप के बाद महिला और पुरुष क्रिकेट के विभिन्न टूर्नामेंटों में भी भारतीय टीम का पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने का रुख देखने को मिला है।

## राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक में राजस्थान को कांस्य पदक

जयपुर, 23 नवंबर। जयपुर में 12 से 16 नवंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एरोबिक जिम्नास्टिक्स प्रतियोगिता में राजस्थान की टीम ने एरो-स्टेप स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। टीम में संस्कृति सोनी, मीनाक्षी प्रजापत, मणि, तपस्या सोनी, वैशाली प्रजापत, रेखा वर्मा, भूमिका और शुभम शामिल रहे। टीम की प्रशिक्षक निहारिका भाटी थीं। इस उपलब्धि पर जिला जिम्नास्टिक्स संघ जोधपुर की ओर से खिलाड़ियों और कोच का अभिनंदन किया गया। वहीं, संस्कृति सोनी को मलेशिया में आयोजित एशियन रिदमिक जिम्नास्टिक्स ट्रेनिंग कैंप के लिए चयनित होने पर सम्मानित किया गया। समारोह में पदाधिकारी, प्रशिक्षक और खिलाड़ियों के परिजन मौजूद रहे।

## मनय और गौरव के शतकों से रोमांचक मुकाबला, राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी विजयी



जयपुर, 23 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में सोमवार को नेशनल क्रिकेट ग्राउंड, बैनाड़ पर खेले गए पूल-बी के मुकाबले में राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने नेशनल क्रिकेट एकेडमी को 28 रन से हराकर दो अंक अर्जित किए। राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 203 रन बनाए। मनय कटारिया ने 39 गेंदों पर 92 रन (9 चौके, 7 छक्के) और रौनक राकेश गुप्ता ने 34 गेंदों पर 50 रन (7 चौके, 1 छक्का) की शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं। श्याम सुंदर ने 18 और जगदंबिका पॉल ने 15 रन बनाए। जवाब में नेशनल क्रिकेट एकेडमी की टीम कप्तान गौरव सैनी की 42 गेंदों पर 94 रन (4 चौके, 10 छक्के) की शानदार पारी के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन ही बना सकी। कृष्णा सैनी ने 25 और गिर्राज चौधरी ने 19 रन बनाए। राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी की ओर से उदय सिंह राजावत ने दो विकेट लिए, जबकि अर्जुन गुर्जर, प्रिंस, नवदीप सिंह और जगदंबिका पॉल ने एक-एक विकेट हासिल किया। इस तरह राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने 28 रन से मुकाबला जीत लिया।

## गांगुली ने टीम सिलेक्शन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 नवंबर। न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट ड्रॉ रहने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने मानव सुतार और कुलदीप यादव को टीम से बाहर रखने के फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा कि सपाट पिचों पर टेस्ट जीतने के लिये शीर्ष स्पिनर की जरूरत होती है। भारतीय टीम पांचवें दिन ग्लेन फिलिप्स और डेरिल मिचेल के बीच छठे विकेट की साझेदारी नहीं तोड़ सकी।

## सैयद मोदी अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन में लगातार तीसरे खिताब के लिए उतरेगी त्रीसा-गायत्री, एकल में रक्षिता संभालेंगी भारतीय चुनौती



लखनऊ, 23 नवंबर। गत चैंपियन त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद मंगलवार से लखनऊ में शुरू हो रहे सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल का लगातार तीसरा खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी। वहीं, पिछले सप्ताह हांगकांग ओपन में टोक्यो 2020 ओलंपिक की महिला एकल चैंपियन चेन यूफेई को हराकर सुर्खियों में आईं युवा खिलाड़ी रक्षिता रामराज एकल मुकाबलों में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। विश्व बैडमिंटन महासंघ की सुपर 300 श्रेणी का यह टूर्नामेंट मंगलवार से रविवार तक बाबू बनारसी दास उत्तर प्रदेश बैडमिंटन अकादमी में खेला जाएगा।

शीर्ष वरीयता प्राप्त त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद लगातार तीसरी बार सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने की कोशिश करेंगी। भारतीय जोड़ी ने 2024 में पहली बार यह खिताब जीता था और पिछले साल सफलतापूर्वक इसका बचाव किया था। दोनों 2022 में उपविजेता भी रही थीं। टूर्नामेंट में उनका लगातार अच्छा प्रदर्शन उनकी मजबूत दावेदारी को दर्शाता है। इस साल की शुरुआत में त्रीसा और गायत्री ने नई दिल्ली में आयोजित विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपने प्रदर्शन को और मजबूत किया था।

## एशिया कप राइजिंग स्टार्स : पाक-ए ने भारत-ए को 48 रन से हराया

नई दिल्ली, 23 नवंबर। पाकिस्तान ए ने मेन्स एशिया कप राइजिंग स्टार्स के 8वें मुकाबले में इंडिया ए को 48 रनों से मात दी। पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 49.2 ओवर में सभी विकेट खोकर 313 रन बनाए। इसके जवाब में इंडिया ए ने खराब शुरुआत की और फिर लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि कप्तान तिलक वर्मा एक छोर पर डटे रहे लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। इंडिया ए की टीम 49.1 ओवर में सभी विकेट खोकर 265 रन ही बना सकी। तिलक वर्मा ने शतकीय पारी खेली। इसके अलावा अभिषेक शर्मा ने 70 रन बनाए। पाकिस्तान के लिए हसन नवाज और अली राजा ने 3-3 विकेट लिए।

### तिलक का शतक गया बेकार

पाकिस्तान द्वारा मिले 314 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने शुरुआती ओवर में वैभव सूर्यवंशी और आयुष बडोनी का विकेट गंवाया। वैभव 13 गेंद में 11 और आयुष खाता भी नहीं खोल सके। अभिषेक शर्मा 42 गेंद में 70 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और इतने ही छक्के लगाए। पिछले मैच में शतक लगाने वाले कुमार कुशाग्र सात गेंद में दो रन ही बना पाए। रिंकू सिंह 14 गेंद में 6 रन ही बना पाए। सूर्यांश तीन रन बनाकर आउट हुए। शाहबाज अहमद ने 49 गेंद में 56 रन की दमदार पारी खेली। इसके बाद विप्रज निगम भी क्लीन बोल्ड हो गए। हर्षित खाता नहीं खोल सके। अहमद दानियाल ने तिलक वर्मा को आउट करके इंडिया की पारी समाप्त की। तिलक ने 149 गेंद में 100 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। प्रिंस एक रन बनाकर नाबाद लौटे।

## यूथ कप अंडर-14 : जीआर, एलबीएस-तारिक एकेडमी जीती



जयपुर, 23 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित यूथ कप अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में जीआर एकेडमी ने नारायणा एकेडमी को 4 रन, एलबीएस एकेडमी ने राजस्थान यूथ को 10 विकेट और तारिक एकेडमी ने कोड़ाई एकेडमी को 144 रन से हराया। जीआर की ओर से हिमांशु (67) और तनुश पाबड़ी (55) ने अर्धशतक लगाए। तारिक एकेडमी के नीरज ने 72 रन बनाए, जबकि रुद्र प्रताप ने 25 रन देकर 6 विकेट झटके। एलबीएस एकेडमी की जीत में मोहम्मद साद (66) और निकी दाश (52) ने नाबाद अर्धशतक लगाए। विहान पुनिया ने 4 और कृतिन रोलीवल ने 4 विकेट लिए।

## सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम में दो बदलाव, नील टैंक और अराफात खान को मौका

जयपुर, 23 नवंबर। बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली टी-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2026-27 के लिए राजस्थान की सीनियर टीम में दो बदलाव किए गए हैं। आगामी मुकाबलों के लिए हिमांशु राणा और हनी प्रताप सिंह को टीम से बाहर किया गया है, जबकि नील टैंक और अराफात खान को टीम में शामिल किया गया है। इससे पहले घोषित 15 सदस्यीय राजस्थान टीम में दीपक चाहर (धौलपुर), अजय राज सिंह (अजमेर), कार्तिक शर्मा (भरतपुर), राहुल चाहर (भरतपुर), रामनिवास गोलाड़ा (भीलवाड़ा), रोहन राजबार (जयपुर), अभिजीत तोमर (जयपुर), हिमांशु सिंह राणा (जयपुर), हनी प्रताप सिंह (झुंझुनूं), कुणाल सिंह राठौड़ (कोटा), महिपाल लोमरोर (नागौर), मुकुल चौधरी (सीकर), हिमांशु नेहरा (सीकर), अभिषेक मूंड (सीकर) और मानव सुथार (श्रीगंगानगर) शामिल थे।

### राजस्थान के आगामी मुकाबले

14 नवंबर - राजस्थान बनाम उत्तर प्रदेश
16 नवंबर - राजस्थान बनाम झारखंड
18 नवंबर - चंडीगढ़ बनाम राजस्थान
20 नवंबर - राजस्थान बनाम बड़ौदा
22 नवंबर - राजस्थान बनाम मिजोरम
24 नवंबर - कर्नाटक बनाम राजस्थान
26 नवंबर - बंगाल बनाम राजस्थान

राजस्थान टीम ने 11 नवंबर को जयपुर से प्रतियोगिता के लिए रवाना होना था। लीग चरण के बाद सुपर लीग मुकाबले 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक खेले जाएंगे, जबकि फाइनल 6 दिसंबर को होगा।

## बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों ने क्रीड़ा परिषद सचिव को सौंपा ज्ञापन, छह मांगें उठाई

जयपुर, 23 नवंबर। राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों ने राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव से मुलाकात कर छह सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। खिलाड़ियों ने वर्ष 2022 से लंबित पुरस्कार राशि का भुगतान करने सहित खेल एवं खिलाड़ियों से जुड़ी समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन में खिलाड़ियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने पर नियमानुसार यात्रा एवं दैनिक भत्ता (टीए-डीए) देने, सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत खेल आरक्षण का लाभ दिलाने तथा आगामी खेलो राजस्थान गेम्स में बॉल बैडमिंटन को शामिल करने की मांग उठाई। इसके अलावा सभी मान्यता प्राप्त



खेलों के खिलाड़ियों को समान सुविधाएं एवं प्रोत्साहन देने तथा खिलाड़ियों की मान्यता, पात्रता, अनुदान और पुरस्कार राशि से जुड़े मामलों में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग की गई। खिलाड़ियों ने बताया कि राजस्थान के बॉल बैडमिंटन खिलाड़ियों ने राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है, लेकिन लंबे समय से उन्हें उपलब्धियों के अनुरूप प्रोत्साहन एवं सरकारी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। कई बार पत्राचार करने के बावजूद लंबित समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। खिलाड़ियों ने परिषद सचिव से लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके निस्तारण के लिए समय-सीमा तय करने तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया। इस दौरान विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों ने एकजुट होकर बॉल बैडमिंटन के विकास और खिलाड़ियों के हित में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

## कोलकाता में होगा वेटरंस का महाकुंभ



जयपुर, 23 नवंबर। कोलकाता में 28 व 29 नवंबर को होने वाली अखिल भारतीय वेटरन्स क्रिके

# तीन साल में एनडीपीएस के 18497 प्रकरण दर्ज, 27473 आरोपी गिरफ्तार

## मुख्यमंत्री के ''नशा मुक्त राजस्थान'' अभियान में अवैध कारोबार में प्रयुक्त 13620 वाहन जब्त हुए

जयपुर, 23 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के संकल्प पर तेजी से कार्य करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध उत्पादन एवं नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई की जा रही है। गत 3 वर्षों में प्रदेश में व्यापक स्तर पर मादक पदार्थों की जब्ती और अपराधियों को गिरफ्तार, कर अवैध नशे के नेटवर्क पर सर्जिकल स्ट्राइक की गई है।

एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने वर्ष 2024 से 2026 (अक्टूबर) तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 18 हजार 497 प्रकरण दर्ज कर 27 हजार 473 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस अवधि में लगभग 2 हजार 445 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए गए हैं।

वहीं, नशे के अवैध कारोबार में प्रयुक्त 13 हजार 620 वाहन भी जब्त किए गए है।



*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा।*

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2026 में नशे के अवैध कारोबार के 7044 प्रकरण दर्ज हुए, जो वर्ष 2024 की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक हैं।**

प्रदेश भर के जिलों, विशेषकर सीमावर्ती, में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध सघन कार्रवाहियों को निरंतर गति प्रदान की जा रही है।

वर्ष 2026 में ही 7 हजार 44 प्रकरण दर्ज किए गए, जो वर्ष 2024 की तुलना में लगभग 34 प्रतिशत अधिक हैं। इसी प्रकार, मादक पदार्थों की अवैध खेती और उत्पादन के नेटवर्क को समाप्त करने के उद्देश्य से प्रभावी कार्रवाई करते हुए, गत 3 वर्षों में कुल 288 प्रकरण दर्ज किए गए हैं।

## कोटा की 270 एकड़...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से वहां औद्योगिक कार्य शुरू करना चाह रही थी, परंतु शहर के बीचों बीच होने के कारण भूमि को पर्यावरणीय स्वीकृतियां नहीं मिल रही थी।

कंपनी की तरफ से कहा गया कि बार बार राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजना यही दर्शाता है कि अराफात ने उक्त भूमि पर औद्योगिक गतिविधि शुरू करने का पूरा प्रयास किया, परंतु राज्य सरकार ही मनमाने तरीके से प्रस्तावों को खारिज करती रही है, जिससे कंपनी अपने उद्देश्य में विफल होगई। दूसरी ओर, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि कंपनी उक्त भूमि पर चल रही सात फैक्ट्रियों में से केवल एक को ही कुछ समय के लिए शुरू कर पाई और आग लगने की वजह से वो भी 6 महीने के भीतर ही बंद हो गई। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में जे के सिंथेटिक के 2000 से भी अधिक कर्मचारियों को अराफात रोजगार नहीं दे पा रही है और यह उनके साथ किए गए समझौते का उल्लंघन है।

अदालत ने इस तर्क को भी माना कि कलेक्टर ने कंपनी के विभिन्न प्रस्तावों को खारिज करते समय सुप्रीम कोर्ट के किसी भी आदेश का उल्लंघन नहीं किया है क्योंकि अंतोगत्वा राज्य सरकार को ही किसी भी नई इंडस्ट्री की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति देनी है।

## इन्टरनेशनल कोर्ट ऑफ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन समय के साथ, मुस्लिम समुदाय के रोहिंग्या लोगों को म्यांमार के बौद्ध बहुसंख्यक समुदाय की ओर से बढ़ती सख्ती और दमन का सामना करना पड़ा।

1982 में, जब देश में सैन्य शासन था, एक कठोर नागरिकता कानून लागू किया गया। इसके कारण अधिकांश रोहिंग्या लोगों की नागरिकता समाप्त हो गई और वे देशविहीन हो गए। हालांकि, न्यायालय ने विशेष रूप से 2016 और 2017 की घटनाओं पर ध्यान केन्द्रित किया। उस दौरान म्यांमार ने रोहिंग्या समुदाय को देश से बाहर निकालने के लिए एक सुनियोजित अभियान चलाया था। न्यायालय ने अब इसे एक संगठित अभियान करार दिया है, जिसमें लोगों की हत्या, महिलाओं के साथ बलात्कार और गांवों को तबाह करना शामिल था। यह अभियान अपने उद्देश्य में सफल रहा। अंततः 10 लाख से अधिक रोहिंग्या पड़ोसी देश बांग्लादेश भाग गए, जहां वे आज भी रह रहे हैं। म्यांमार ने आरोपों को खारिज करते हुए दलील दी कि उसकी कार्रवाई आतंकवाद विरोधी अभियान का हिस्सा थी। उसके अनुसार, यह अभियान उन रोहिंग्या उग्रवादियों के खिलाफ चलाया गया था, जिन्होंने उसकी सुरक्षा चौकियों पर हमले किए थे। लेकिन न्यायालय ने इस दलील को स्वीकार नहीं किया। उसने ऐसे कई सबूतों पर विचार किया, जिनमें बच्चों पर हमले और सुरक्षा बलों की ओर से भाग रहे रोहिंग्या लोगों पर व्यवस्थित तरीके से गोली चलाने की घटनाएं शामिल थीं। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के अध्यक्ष न्यायाधीश यूजी इवासावा ने फैसले का अंश पढ़ते हुए कहा, ''म्यांमार की कार्रवाहियों की व्याख्या करने वाला एकमात्र तर्कसंगत निष्कर्ष यही है कि उसका उद्देश्य इस समुदाय के एक बड़े हिस्से को नष्ट करना था।''

म्यांमार की तरह इज़रायल ने भी नरसंहार के आरोपों को सख्ती से खारिज किया है। उसका कहना है कि उसकी कार्रवाई आतंकवाद विरोधी अभियान थी, जिसका उद्देश्य हमास को खत्म करना था। इज़रायल का आरोप है कि हमास ने व्यवस्थित तरीके से फिलिस्तीनी नागरिकों के बीच अपनी गतिविधियां चलाईं। वहीं, आलोचकों का कहना है कि गाज़ा में आम नागरिकों की मौत और बड़े पैमाने पर हुई तबाही ने नैतिक और कानूनी सीमाओं का उल्लंघन किया है।

म्यांमार के खिलाफ फैसला सुनाते हुए न्यायालय ने माना कि किसी विद्रोह को दबाने के लिए की गई कार्रवाई के पीछे भी ''नरसंहार का इरादा'' हो सकता है, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के एक प्रोफेसर ने कहा कि आरोन न्यायालय ने ''नरसंहार के इरादे'' को साबित करने के लिए इस्तेमाल किए जा सकने वाले सबूतों का दायरा भी बढ़ाया।

## यूपी में सीट -शेयरिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में खास तौर पर गांधी परिवार के गढ़ अमेठी और रायबरेली की सभी विधानसभा सीटें शामिल हैं, जबकि मैनपुरी और इटावा जैसे समाजवादी पार्टी के मजबूत क्षेत्रों को छोड़ दिया गया है।

दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भी अपनी सूची सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी ने कांग्रेस के लिए लगभग 54 सीटों की पेशकश की है या उन्हें प्राथमिकता दी है। इनमें ऐसे विधानसभा क्षेत्रों पर जोर दिया गया है, जहां कांग्रेस का संगठन मजबूत है या जहां पार्टी का प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है।

दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीटों का फैसला सीटों की संख्या पर अड़ने के बजाय, उम्मीदवारों की जीतने की संभावना के आधार पर किया जाएगा। बताया जाता है कि कांग्रेस लगभग 55-60 विधानसभा सीटों की अपनी ए-लिस्ट को लेकर विशेष रूप से दृढ़ है। इस सूची को तैयार करने में 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन, कुछ समुदायों के बीच उसके पारंपरिक समर्थन और प्रमुख विधानसभा क्षेत्रों में उसके चुनावी प्रदर्शन को आधार बनाया गया है।

अगली बैठक मंगलवार, 24 नवंबर को उसी स्थान पर होगी। नेताओं के अनुसार, इस बैठक में दोनों पक्षों की ओर से सौंपी गई सूचियों की विधानसभा क्षेत्र के अनुसार विस्तार से समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही, पिछले चुनावों में मतदान के रुझानों से जुड़े आंकड़ों पर चर्चा होगी और मतभेदों को कम करने के लिए आगे बातचीत की जाएगी।

## पिछले सप्ताह का खलनायक,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होता, अगर अमेरिकी सरकार हुआंग के प्रति इतना सहानुभूतिपूर्ण रुख नहीं रखती। बताया जाता है कि ट्रंप खुद भी बोर्ड के कुछ सदस्यों के संपर्क में थे।

ऐसी खबरें हैं कि अमेरिकी सरकार ने हुआंग को फिर से पद पर बहाल करने के लिए अपना प्रभाव काम में लिया था, और खुद ट्रंप ने भी इसके लिए जोर दिया था। ज्ञातव्य है कि हुआंग ने तब इस्तीफा दिया था, जब ऐसी खबरें सामने आई थीं कि उनके एक चीनी महिला के साथ करीबी संबंध थे, जो असल में एक जासूस के रूप में काम कर रही थी। संदेह था कि हुआंग की इस महिला मित्र ने चीन के लिए ए.आई. एप्लिकेशन से जुड़ी सबसे एडवांस चिप्स हासिल करने का काम किया था। जेनसन हुआंग और एलिस हुआंग नाम की उस चीनी महिला के संबंधों की खबर ने सुरक्षा अधिकारियों और एजेंसियों में चिंता पैदा कर दी थी। यह मामला काफी चर्चा में रहा था। चीनी महिला एलिस हुआंग ने छोटे स्तर से शुरुआत की थी, लेकिन कुछ ही वर्षों में वह इस क्षेत्र की प्रमुख खिलाड़ी बन गई थी।

एलिस हुआंग ने अपनी जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सिंगापुर में एक नई कंपनी बनाई थी। उसकी पहले वाली कंपनी चीन के मेनलैंड में स्थित थी, तथा सुरक्षा एजेंसियां उस पर आसानी से नजर रख सकती थीं। इसलिए एलिस ने चीन से अपना कनैक्शन छिपाने के लिए सिंगापुर में एक शैडो कंपनी बनाई।

सिंगापुर में स्थित एलिस की कंपनी, मैगास्पीड, आकार में काफी छोटी थी, लेकिन उसे दुनिया की सबसे उन्नत चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया तक सीधी पहुंच हासिल थी, जिसके लिए उसे कतार में लगने या खास मशक्कत करने की ज़रुरत नहीं पड़ती थी। 'मैगास्पीड' को बिना किसी इंतज़ार या अतिरिक्त कोशिश के, एनवीडिया के सबसे उन्नत चिप्स नियमित रूप से मिल जाते थे।

यहां तक कि मैगास्पीड ने करीब 4 अरब डॉलर की कीमत के सबसे बेहतरीन एनवीडिया चिप्स खरीद लिए। बाद में अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने पुष्टि की कि ये चिप्स चीन के आर्टिफिशल इंटैलिजैंस से जुड़े कुछ विशेष समूहों तक पहुंच गए।

कुछ लोगों का मानना है कि इस पूरे मामले में अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के अपने कुछ कारोबारी हित भी जुड़े हुए थे। इन कारोबारों के जरिए कुछ लोगों ने खूब पैसा कमाया है।

## यूपी पर सपा-...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगले दो-तीन दिनों में सीटों के बंटवारे पर चर्चा पूरी कर ली जाएगी। बैठक में इस बिन्दु पर चर्चा नहीं होगी कि दोनों दल कितनी-कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

## बार एसोसिएशन चुनाव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं किए जाने चाहिए, कई अधिवक्ताओं का कहना था कि अगर मुद्दा यहीं तक सीमित है कि केवल हाई कोर्ट में प्रैक्टिसिंग वकील ही चुनाव में भाग ले और ऐसे लोग, जिनके पास केवल वकालत की डिग्री है और एसोसिएशन के सदस्य बन गए है, उन्हें बार की राजनीति से दूर रखा जाए तो इस संदर्भ में बार के सदस्य को एक जनरल हाउस मीटिंग बुला कर नियम तय करने चाहिए। कई वकीलों का कहना था कि हाई कोर्ट बार एसोसिएशन में कई वरिष्ठ अधिवक्ता ऐसे भी हैं, जिन्होंने 30 से 50 साल तक कोर्ट में अपनी सेवाएं दी हैं। परंतु स्वास्थ्य के चलते या अन्य कारणों की वजह से अब कोर्ट में कम आते है तो क्या उन्हें भी वोट देने का अधिकार नहीं होना चाहिए? क्या उनसे वकालतनामा मांगने की शर्त उचित है? एक तर्क यह भी दिया जा रहा है कि चुनाव में मतदाताओं पर नहीं, बल्कि उमीदवारों पर नियम लगाना चाहिए कि केवल ऐसे ही वकील बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों पर चुनाव के लिए खड़े हो सकें, जिन्होंने कम से कम 10 या 15 वर्ष अदालत में नियमित प्रेक्टिस की हो।

गौरतलब है कि बार एसोसिएशन के चुनाव के लिए 2 नवंबर को नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद चुनाव समिति ने 3 व 4 नवंबर को नोटिस जारी कर मतदान के लिए दो मुकदमों के वकालतनामे या दो पेशियों में अदालत के समक्ष पेश होने का प्रमाण पत्र जरूरी कर दिया। इस पर आई आपत्तियों के बाद समिति ने 17 नवंबर को अधिसूचना जारी कर यह शर्त हटा दी, जिसे एकलपीठ में याचिका दायर कर चुनौती दी गई थी।


SBI
भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

**निश्चित अवधि के रोज़गार आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती**

निश्चित अवधि आधार पर निम्नलिखित पद के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित कि जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2026-27/36 (निश्चित अवधि)

| पद का नाम | रिक्ति | आयु (31.10.2026 तक) अधिकतम |
|---|---|---|
| महाप्रबंधक एवं प्रमुख-सीएसटीआरए (साइबर सिक्योरिटी और टेक रिस्क एश्योरेंस) | 1 | 50 साल |

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध हैं. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया **"CONTACT US"→"Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट **(https://sbi.bank.in/web/careers/post-your-query)** पर उपलब्ध है.

- **आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 19.11.2026 से 03.12.2026 तक.**

स्थान: मुंबई
दिनांक: 19.11.2026
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)







राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908